शर्मा हार्डওৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

# विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 179 | गुवाहाटी | शनिवार, 21 जनवरी, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

रैकेट के चार सदस्य गिरफ्तार पेज 3
निरंतर 'रोजगार मेला' हमारी सरकार की पहचान है। प्रधानमंत्री मोदी पेज 4
भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और मुख्यमंत्री कालभैरव और काशी विश्वनाथ .... पेज 5
बिना हड्डी की जीभ का सही इस्तेमाल करना जरूरी : पायलट पेज 8

পূর্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graphy Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

## पीएम ने 71 हजार युवाओं को सौंपा नियुक्ति पत्र

### रोजगार मेला हमारे सुशासन की पहचान : प्रधानमंत्री

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 10 लाख कर्मियों के लिए भर्ती अभियान रोजगार मेला के तहत आज करीब 71,000 युवाओं को नियुक्ति पत्र दिया। पीएम नरेंद्र मोदी ने कार्यक्रम की शुरुआत में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सरकारी विभागों और संगठनों में नए भर्ती किए गए लोगों के साथ बातचीत की। पीएम ने इस अवसर पर युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी सरकार जो कहती है वो करती है और ये रोजगार मेला इसी का एक बड़ा उदाहरण है। पीएम ने अपने संबोधन में कहा कि हमारे सुशासन की पहचान ये रोजगार मेला है। उन्होंने कहा कि 70 हजार से ज्यादा लोगों को रोजगार देने की केवल हमने बात



नहीं की, बल्कि करके भी दिखाया है। पीएम ने कहा कि बदलते भारत में रोजगार ही नहीं स्वरोजगार का भी बढ़ा स्तर। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि एक समय था जब विभिन्न कारणों से नियमित पदोन्नति भी बाधित होती थी। उन्होंने कहा कि अब केंद्र सरकार की भर्ती प्रक्रिया में बदलाव हुए हैं। अब, केंद्र सरकार में भर्ती प्रक्रिया अधिक समयबद्ध और सुव्यवस्थित है। पीएमओ ने कहा कि रोजगार सृजन को मुख्य प्राथमिकता देने की प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता पूरी करने की दिशा में यह रोजगार मेला महत्वपूर्ण कदम है। रोजगार मेला रोजगार सृजन में उत्प्रेरक के रूप में कार्य करेगा और युवाओं को उनके सशक्तिकरण और राष्ट्रीय विकास में भागीदारी के लिए सार्थक अवसर प्रदान करेगा। पीएमओ ने आगे कहा कि देश भर से -शेष पृष्ठ दो पर

## एयर शो में दिखी वायुसेना की ताकत



**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल में मौजूद भारत के सबसे बड़े एयरबेस स्टेशनों में से एक कलाइकुंडा एयर बेस पर आयोजित दो दिवसीय एयर शो के आखरी दिन शुक्रवार को नौ सूर्य किरण फाइटर प्लेन और पैरा जंपिंग करने वाली आकाशगंगा टीम के हैरतअंगेज कारनामों ने उपस्थित लोगों को रोमांचित कर दिया। शुक्रवार को आकाश में बादल होने के कारण रोशनी मध्यम थी लेकिन सूर्य किरणों की तेजी में कोई कमी नहीं आई। पलक झपकते ही आसमान में अचानक प्रकट होकर ओझल हो जाने वाले सफेद और नारंगी रंग के नौ सूर्य किरण विमानों ने हैरतअंगेज करतब दिखाकर अपनी ताकत -शेष पृष्ठ दो पर

## कांग्रेस नेता का पीएम पर विवादित बयान

### हरिप्रसाद बोले, मोदी कहते हैं मुसलमानों को विश्वास में लें, यह शैतान के उपदेश देने जैसा



**बेंगलुरु।** कर्नाटक विधान परिषद में नेता विपक्ष और कांग्रेस नेता बीके हरिप्रसाद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अपनी पार्टी के नेताओं को मुसलमानों को विश्वास में लेने के लिए कहना शैतान के धर्मग्रंथों का उपदेश देने जैसा है। चुनाव के दौरान वे इस तरह की नौटंकी करना चाहते हैं, लेकिन लोग इसे स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं हैं। बीके हरिप्रसाद कांग्रेस में कई प्रमुख पदों पर रह चुके हैं। वर्तमान में कर्नाटक विधान परिषद में नेता विपक्ष हैं। बीके हरिप्रसाद कांग्रेस में कई प्रमुख पदों पर रह चुके हैं। वर्तमान में कर्नाटक विधान परिषद में नेता विपक्ष से छात्रों के -शेष पृष्ठ दो पर

## असम के राज्यपाल ने *एग्जाम वॉरियर्स* का असमिया संस्करण किया जारी

**गुवाहाटी (हिंस.)।** असम के राज्यपाल प्रो. जगदीश मुखी ने गुरुवार को राजभवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लिखित *एग्जाम वॉरियर्स* के असमिया संस्करण का विमोचन किया। पुस्तक विमोचन समारोह में राज्यपाल ने कहा कि *परीक्षा योद्धा* पुस्तक का विमोचन करना सम्मान की बात है। यह पुस्तक हमारे देश के प्रिय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देश के छात्र समुदाय के अधिक लाभ के लिए लिखी गई है। शिक्षा के क्षेत्र में प्रधानमंत्री का यह भाव निश्चित रूप से छात्रों के -शेष पृष्ठ दो पर

## राज्य में परिसीमन प्रक्रिया को तत्काल लागू करें : एपीडीडीसी

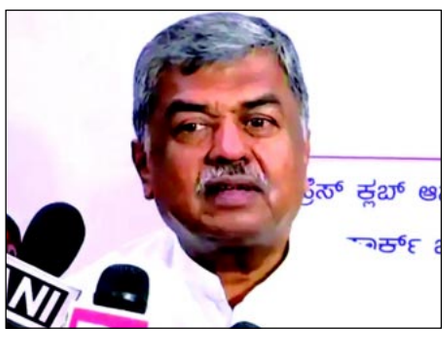

**ईटानगर (हिंस)।** अरुणाचल प्रदेश परिसीमन मांग समिति (एपीडीडीसी) ने *परिसीमन अधिनियम, 2002* के अनुसार राज्य में परिसीमन प्रक्रिया को तत्काल लागू करने की अपनी मांग के समर्थन में 21 जनवरी को एक शांतिपूर्ण रैली करने की घोषणा की। एपीडीडीसी के अध्यक्ष रेगुम नबाम ने शुक्रवार को अरुणाचल प्रेस क्लब में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि हम राज्य में *परिसीमन अधिनियम, 2022* को तत्काल लागू करने की मांग करते हैं, क्योंकि परिसीमन विधानसभा और संसदीय क्षेत्र दोनों के लिए समान और आनुपातिक प्रतिनिधित्व मिलना हमारा लोकतांत्रिक अधिकार है। अधिनियम के कार्यान्वयन से राज्य में विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के पुनर्समायोजन में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि अरुणाचल प्रदेश सहित चार राज्यों को छोड़कर पूरा देश परिसीमन के अधिकारों का लाभ ले रहा है, जबकि इस लाभ से राज्य को कांग्रेस और भाजपा सरकारों के समय से वंचित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि एपीडीडीसी बार-बार परिसीमन अधिनियम 2002 के समान अधिकारों के लिए परिसीमन को लागू करने के लिए केंद्र और राज्य सरकार से अनुरोध कर रहा है। अपनी मांग के संबंध में केंद्र और राज्य सरकार को पिछले दो सालों से प्रतिनिधियों को कई ज्ञापन सौंपे हैं, लेकिन आज तक किसी भी अधिकारी ने इस मुद्दे का संज्ञान नहीं लिया। उन्होंने बताया कि कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने के बाद पूर्वोत्तर के परिसीमन आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की थी, जिसमें परिसीमन आयोग, केंद्र और राज्य -शेष पृष्ठ दो पर

## सुप्रभात

*आत्मरक्षा से सबकी रक्षा होती है।*

– आचार्य चाणक्य

## न्यूज गैलरी

### हिंदू मंदिरों पर हमले की निंदा की ऑस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त ने

**नई दिल्ली (हिंस)।** भारत में ऑस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त बैरी ओ फैरेल ने मेलबर्न में दो हिंदू मंदिरों की तोड़फोड़ पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा है कि भारत और ऑस्ट्रेलिया अपने बहुसांस्कृतिक समाज पर गर्व करते हैं। हम मेलबर्न में दो हिंदू मंदिरों में हुई तोड़-फोड़ को लेकर हैरान हैं। आस्ट्रेलियाई प्रशासन मामले की जांच कर रहा है। हम अभिव्यक्त की स्वतंत्रता के पक्षधर हैं, हिंसा के नहीं। उल्लेखनीय है कि कल विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने भी इस पर चिंता व्यक्त की थी। हालांकि उन्होंने कहा था कि आस्ट्रेलिया में मामले की जांच चल रही है।

### बनकर तैयार हुई नई संसद



**नई दिल्ली।** देश में नई संसद लगभग बनकर तैयार हो चुकी है। माना जा रहा है कि मार्च में बजट सत्र का दूसरा सत्र नई संसद भवन से ही संचालित होगा। जेवर से भाजपा विधायक धीरेंद्र सिंह ने नई संसद में लोकसभा की कुछ तस्वीरें साझा की हैं। उन्होंने दावा किया है कि नई संसद में लोकसभा बनकर तैयार! इस वर्ष होने वाला राष्ट्रपति जी का संयुक्त संबोधन 31 जनवरी को इसी में होगा। सूत्रों के मुताबिक, नई संसद में फिनिशिंग का काम चल रहा है। सूत्रों ने बताया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 31 जनवरी को नई संसद में ही संसद के दोनों सदनों को संबोधित कर सकती है। बताते चलें कि 31 जनवरी से बजट सत्र की शुरूआत हो रही है। 31 जनवरी को सुबह 11 बजे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू संसद के दोनों सदनों को पहली बार संबोधित करेंगी। 1 फरवरी को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण साल 2023-24 का बजट पेश करेंगी। इसके बाद राष्ट्रपति जी के अभिभाषण पर चर्चा होगी। संसद के बजट सत्र में 27 बैठकें होंगी और यह 6 अप्रैल तक चलेगा। बजट सत्र का दूसरा चरण 13 मार्च से शुरू होगा और 6 अप्रैल तक चलेगा। नई लोकसभा में 888 सीटें होंगी और -शेष पृष्ठ दो पर

## सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर के लिए सरकार के नए दिशानिर्देश जारी

**नई दिल्ली।** सरकार ने शुक्रवार को सोशल मीडिया *इंफ्लूएंसर* के लिए उत्पादों और सेवाओं का प्रचार करते समय अपने *भौतिक जुड़ाव* और हितों का खुलासा करना अनिवार्य करते हुए कहा कि ऐसा नहीं करने पर विज्ञापन को प्रतिबंधित करने जैसे सख्त कानूनी कदम उठाए जाएंगे। ये दिशानिर्देश भ्रामक विज्ञापनों पर अंकुश लगाने के साथ-साथ उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए जारी कोशिशों का हिस्सा हैं। यह इस लिहाज से अहम हैं कि वर्ष 2025 तक सोशल मीडिया *इंफ्लूएंसर* का बाजार लगभग 2,800 करोड़ रुपए हो जाने का अनुमान है। सोशल मीडिया मंचों पर किसी उत्पाद या सेवाओं के बारे में अपनी राय रखकर जनमानस को प्रभावित करने वालों को *इंफ्लूएंसर* कहते हैं। उपभोक्ता मामलों के विभाग ने सोशल मीडिया मंचों पर मशहूर हस्तियों, *इंफ्लूएंसर* एवं *ऑनलाइन* मीडिया *इंफ्लूएंसर* के बारे में नए दिशानिर्देश जारी किए हैं। इनके उल्लंघन की स्थिति में उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 के तहत भ्रामक विज्ञापन के लिए निर्धारित जुर्माना लगाया जाएगा। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) भ्रामक विज्ञापन के संबंध में उत्पादों के विनिर्माताओं, विज्ञापनदाताओं और प्रचारकों पर 10 लाख रुपए तक का जुर्माना लगा सकती है। बार-बार नियमों का उल्लंघन करने पर जुर्माने की राशि बढ़ाकर 50 लाख रुपए तक की जा सकती है। इसके अलावा प्राधिकरण किसी भ्रामक विज्ञापन का प्रचार करने वाले को एक साल तक किसी भी विज्ञापन से रोक सकता है जिसे तीन साल तक बढ़ाया भी जा सकता है। उपभोक्ता मामलों के सचिव रोहित -शेष पृष्ठ दो पर

## भारत और मिस्त्र की सेनाएं पहली बार साथ आई

### आतंकी ठिकानों पर सर्जिकल स्ट्राइक और स्नाइपर-शूटिंग का भी होगा अभ्यास

**नई दिल्ली (हिंस)।** भारत और मिस्त्र की सेनाएं एक साथ राजस्थान के जैसलमेर में अभ्यास साइक्लोन-1 में हिस्सा ले रही हैं। यह सैन्य अभ्यास दोनों देशों की सेनाओं के बीच अब तक का पहला संयुक्त अभ्यास है। इसका लक्ष्य दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को बढ़ावा देना है। इसके अलावा रेगिस्तानी इलाके में विशेष बलों के आपसी तालमेल, संचालन और पेशेवराना कौशल को एक-दूसरे से साझा करना भी है। सैन्य अभ्यास में आतंकवाद विरोधी, टोह लगाना, धावा बोलना और अन्य विशेष



अभियानों को भी शामिल किया गया है। सैन्य प्रवक्ता ने बताया कि राजस्थान के जैसलमेर में 14 जनवरी से चल रहा साइक्लोन-1 अभ्यास अपनी तरह का पहला सैन्य अभ्यास है, जिसमें दोनों देशों के विशेष बल संयुक्त रूप से एक मंच पर एकत्रित हुए हैं। 28 जनवरी तक चलने वाले इस सैन्य अभ्यास को खासकर राजस्थान के रेगिस्तानों में संचालित किया जा रहा है। इस दौरान दोनों देशों के उन्नत विशेष बल स्नाइपिंग, कॉम्बैट-फ्री फॉल, टोह लगाने, निगरानी करने, लक्ष्य निर्धारित करने जैसे कौशलों को साझा करने के साथ हथियारों, उपकरणों, नवाचारों, तकनीकों, रणनीतियों और प्रक्रिया संबंधी सूचनाओं -शेष पृष्ठ दो पर

## मुस्लिमों में बहुविवाह, निकाह-हलाला को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती

**नई दिल्ली।** मुस्लिम समाज में एक से ज्यादा शादी और निकाह हलाला की प्रथा पर बैन लगाने की मांग पर सुप्रीम कोर्ट संविधान पीठ के गठन पर राजी हो गया है। मामले में सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट के पांच जजों की पीठ का गठन किया जाएगा। हालांकि, सुनवाई की तारीख अभी तय नहीं हुई है। बता दें कि वकील अश्विनी उपाध्याय ने इसको लेकर जनहित याचिका दायर की है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस पीएस नरसिम्हा की पीठ ने उनकी याचिका -शेष पृष्ठ दो पर

## भारत के पानी पर कब्जे की कोशिश में चीन

**नई दिल्ली।** भारत और चीन की सेनाओं के बीच लंबे समय से सीमा पर तनातनी बनी हुई है। इस बीच चीन की रणनीति का विश्लेषण करने से पता चलता है कि चीन भारत के पानी पर कब्जा करने की रणनीति बना रहा है। दरअसल नई सैटेलाइट तस्वीरों से खुलासा हुआ है कि चीन माबजा जांगबो नदी पर नया बांध बना रहा है। बता दें कि यह बांध जिस जगह बन रहा है, उससे कुछ ही किलोमीटर की दूरी पर भारत-नेपाल-चीन की सीमाएं मिलती हैं। इंटेलीजेंस रिसर्चर डेमियन साइमन ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर यह तस्वीरें साझा की हैं। साइमन का दावा है कि चीन इस बांध के जरिए इस पूरे इलाके के पानी पर नियंत्रण करना चाहता है। जिस जगह बांध बन रहा है, उसके पास ही पानी का बहुत बड़ा जलाशय मौजूद है। माना जा रहा है कि इसी पानी पर नियंत्रण के लिए चीन इस बांध का निर्माण कर रहा है। अभी बांध का निर्माण कार्य चल रहा है। कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि चीन पानी पर कंट्रोल कर दक्षिण एशियाई देशों पर दबाव बनाना चाहता है, जिनमें भारत भी शामिल है। एक रिपोर्ट के अनुसार, तिब्बत के पठार में पानी के बड़े-बड़े जलाशय हैं। चीन तिब्बत के इस पूरे पानी पर अपना दावा करता है। तिब्बत के पठार से ही सिंधु, -शेष पृष्ठ दो पर

## देश में थर्ड फ्रंट की नहीं है जरूरत

### कई विपक्षी पार्टियां कांग्रेस को कर रही कमजोर : तारिक अनवर

**हैदराबाद।** तेलंगाना में सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति ने खम्मम में एक जनसभा का आयोजन किया गया। इस आयोजन में बीआरएस अध्यक्ष और तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, उनके केरल समकक्ष पिनाराई विजयन, भाकपा महासचिव डी राजा और समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव सहित कई नेताओं ने भाग लिया। बैठक के बाद कांग्रेस के महासचिव तारिक अनवर ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के बिना भाजपा के खिलाफ लड़ने के लिए एक मजबूत विपक्ष तैयार नहीं हो सकता है। इस बैठक में 2 या 3 मुख्यमंत्री ने हिस्सा लिया। अनवर में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि कांग्रेस के बिना एक मजबूत विपक्ष तैयार नहीं हो सकता, क्योंकि कांग्रेस एक राष्ट्रीय पार्टी है। यह हर राज्य में मौजूद है। इन परिस्थितियों में अगर कोई अलग से एक समूह बनाने की कोशिश करता है, तो मैं समझता हूं कि इससे विपक्ष कमजोर होगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का विचार है कि सभी विपक्षी दल एक साथ आएं और कांग्रेस पार्टी इसके लिए प्रयास भी करती आई है। हालांकि, कुछ दल ऐसे भी हैं जो विपक्ष में होते हुए भी केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार को समर्थन देने की कोशिश करते रहते हैं।% अनवर ने आरोप लगाया कि असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम पार्टी राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा की %बी टीम के रूप में काम कर रही है और केजरीवाल और ओवैसी का काम उत्तर भारत में धर्मनिरपेक्ष वोटों को विभाजित करना है। वहीं, उन्होंने केसीआर पर भी तीखा -शेष पृष्ठ दो पर

## सुबह स्वीगी तो शाम को गूगल के कर्मचारियों पर छंटनी की मार

**नई दिल्ली।** केंद्र एवं सभी राज्यों के कर्मचारियों, शिक्षकों आदि के संगठनों की संयुक्त परिषद ने नवीन पेंशन स्कीम (एनपीएस) को एक धोखा करार दिया और *पुरानी पेंशन योजना* (ओपीएस) को बहाल करने की मांग को देश व्यापी आंदोलन की रूपरेखा तय की। केंद्र सरकार के कर्मचारियों की संयुक्त कार्य परिषद के संयोजक शिवगोपाल मिश्रा एवं सह संयोजक एम राघवैय्या ने आज यहां केंद्र एवं राज्य सरकारों के कर्मचारी संगठनों के नेताओं के साथ एक बैठक में आंदोलन की रूपरेखा पर चर्चा करने के बाद संवाददाताओं को जानकारी दी और कहा कि यह बुढ़ापा बचाने की लड़ाई है जिसमें केंद्र सरकार के 36 लाख गैर वर्दीधारी कर्मचारी, राज्य सरकारों के कर्मचारी, प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा में कार्यरत शिक्षक आदि प्रत्यक्ष रूप से शामिल हैं और भावनात्मक रूप से वर्दीधारी कर्मचारी




भी समर्थन कर रहे हैं। मिश्रा ने ओपीएस को लेकर कड़े तेवर दिखाते हुए कहा कि वर्ष 2004 में इस योजना को लागू करते समय बताया गया था कि लोगों को ओपीएस की तुलना में अधिक पेंशन एवं सामाजिक सुरक्षा मिलेगी लेकिन अब देखने में आ रहा है कि जिनको ओपीएस के मुताबिक 26 हजार रुपए पेंशन मिलनी चाहिए, उन्हें केवल दो हजार रुपए पेंशन मिल रही है। आखिर इतने से पैसे में कैसे गुजारा होगा। मिश्रा ने कहा कि हमें न्यू पेंशन स्कीम के नाम पर धोखा दिया गया है। हमें ओपीएस से कम कुछ भी स्वीकार नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि अगले चुनाव के पहले हमारे पास 400 दिन हैं, हम कहते हैं कि ओपीएस लागू कराने के लिए हमारे पास 300 दिन हैं। अगर 300 दिनों में ओपीएस बहाल कर देते हैं तो अच्छा है, अन्यथा हम आगे की कार्रवाई करेंगे। एक व्यापक ह ?ताल भी संभव है। सह संयोजक ने कहा कि हर आदमी के मन में इसका दर्द है। ये लड़ाई हम जीतेंगे। उन्होंने कहा कि पंजाब, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान एवं छत्तीसगढ़ ने इसे लागू कर दिया है। पश्चिम बंगाल में पहले ही ओपीएस लागू है। अन्य -शेष पृष्ठ दो पर

**CLASSIFIED**

For all kinds of classified advertisements please contact

**97070-14771**
**86382-00107**

**MURTI AVAILABLE**

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**


# जोनबील मेला समिति को 20 बीघा भूमि : हिमंत



**मोरीगांव (हि.स.)।** मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा शुक्रवार को मोरीगांव जिला के जोनबील पथार में आयोजित तीन दिवसीय ऐतिहासिक गोबा देव राजा बिनिमय प्रथा पर आधारित जोनबील मेला के दूसरे दिन के कार्यक्रम में शामिल हुए। तिवा सम्राट गोभा राजा दीप सिंह देवराजा, अन्य तिवा राज्यों के शासकों के साथ आज मेला परिसर में उपस्थित हुए। जोनबील मेला पहाड़ी समुदायों और आस-पास के मैदानी क्षेत्रों के लोगों के बीच व्यापार की वस्तु विनिमय प्रणाली के लिए जाना जाता है। जोंबील मेला मध्ययुगीन काल से सदियों से तिवा शाही परिवारों द्वारा पारंपरिक रूप से संरक्षण प्रादान किया गया है। जोनबील मेला स्थल पर एक जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने व्यापार की वस्तु विनिमय प्रणाली, करों के संग्रह और शाही सभा के आयोजन जैसी विशेषताओं के कारण पारंपरिक किराया को राज्य की सबसे विशिष्ट सांस्कृतिक प्रथाओं में से एक के रूप में संदर्भित किया। तिवा सम्राट गोभा राजा, आमतौर पर किसी अन्य समकालीन घटनाओं में नहीं देखी जाने वाली प्रथा। मुख्यमंत्री डॉ. सरमा ने पहाड़ों और मैदानों की विभिन्न जातियों के बीच परस्पर संवाद के लिए एक मंच प्रदान करने के लिए जोनबील मेले की परंपरा को भी श्रेय दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन मेल-मिलाप से धीरे-धीरे भाईचारे के संबंधों में वृद्धि हुई और विभिन्न जातीय समुदायों के बीच पूर्वाग्रह दूर हुए। डॉ. सरमा ने टिप्पणी की कि जोनबील मेले का सदियों तक अपने मूल रूप में जारी रहना तिवा समुदाय के सदस्यों द्वारा अपनी विरासत और संस्कृति को दिए जाने वाले महत्व का प्रकटीकरण था। मुख्यमंत्री ने कहा कि जोनबील मेला आयोजित करने का मुख्य कारण आर्थिक था और समुदायों के बीच शांति और भाईचारे के प्रसार के लिए एक मंच प्रदान करना था। यह मेला आझ भी अपने उसी उद्देश्य को पूरा कर रहा है। मुख्यमंत्री ने तिवा राजाओं को राजभत्ता भी प्रदान किया। तिवा समुदाय के सदस्यों की लंबे समय से चली आ रही मांग को स्वीकार करते हुए, मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि जोनबील मेला समिति को जल्द से जल्द 20 बीघा जमीन उपयुक्त स्थान पर आवंटित की जाएगी, ताकि अगले साल से इस परंपरा का पालन उस स्थान पर किया जा सके। मुख्यमंत्री डॉ. सरमा ने आदिवासी समुदायों के सदस्यों से वसुंधरा 2.0 योजना के तहत अपनी भूमि को अपने नाम दर्ज कराने की भी अपील की, जिससे आदिवासी व्यक्तियों को उनके नाम पर 50 बीघा तक जमीन रखने की अनुमति मिलती है। मुख्यमंत्री ने तिवा आबादी से अपनी संस्कृति और पहचान से जुड़े रहने और धर्म परिवर्तन की प्रवृत्ति से सुरक्षित दूरी बनाए रखने की भी अपील की, जैसा कि हाल के दिनों में देखा गया है। उन्होंने कहा कि एक जातीयता लंबे समय तक नहीं पनप सकती है यदि वह अपनी सांस्कृतिक जड़ों से अपना संपर्क खो देती है। मोरीगांव जिला के पालक मंत्री पीयूष हजारिका, लाहरीघाट विधान सभा क्षेत्र के विधायक डॉ. आसिफ मोहम्मद नज़र, मोरीगांव के विधायक रमाकांत देउरी, तिवा स्वायत्तशासी परिषद के मुख्य कार्यकारी जीबन चंद्र कोंवर, कार्बी आंगलोंग स्वायत्तशासी परिषद के मुख्य कार्यकारी तुलीराम रोंगहांग भी उपस्थित थे।

# वन विभाग ने लकड़ी चीरने वाली मशीन और कीमती लकड़ी किया जब्त

**ग्वालपाड़ा (हि.स.)।** ग्वालपाड़ा जिलांतर्गत असम-मेघालय सीमावर्ती इलाके के रौमारी और सालपाड़ा इलाके से दो अवैध लकड़ी मिलों से लकड़ी चीरने वाली मशीन को सील करते हुए उसे जब्त किया गया। साथ ही मौके से भारी मात्रा में कीमती लकड़ी भी जब्त किया गया। वन विभाग के सूत्रों ने शुक्रवार को बताया है कि ग्वालपाड़ा जिला के रंगजुली वनांचल कार्यालय के वन अधिकारी शरद दास और धूपधारा खंड वन अधिकारी गौतम कोपर के नेतृत्व में वन विभाग की एक टीम ने वन माफियाओं के खिलाफ अभियान चलाया। ग्वालपाड़ा जिला के विभिन्न इलाकों में अवैध तरीके से वनों में हो रही पेड़ों की कटाई की जानकारी मिलने के बाद वन विभाग की टीम ने संयुक्त रूप से दरंगगीरी के सीमावर्ती इलाके नेहरू बाजार में लकड़ी व्यापारियों के खिलाफ अभियान चलाया। हालांकि, अभियान के दौरान लकड़ी तस्कर मौके से फरार होने में सफल रहे। जब्त की गई लकड़ी और मशीनों को एक मिनी ट्रक और दो पिकअप वैन के जरिए रंगजुली आंचलिक कार्यालय ले जाया गया। जब्त की गई लकड़ी की कीमत लगभग 2.5 लाख रुपए आंकी गई है। वन विभाग इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

# मिसेज इंडिया सुपर मॉडल 2023 प्रतियोगिता गुवाहाटी में 28 को

**गुवाहाटी।** आगामी प्रतिभाओं के लिए मार्ग प्रशस्त करने के उद्देश्य से, मॉडलिंग और फैशन उद्योग में प्रसिद्ध, ड्रीम्ज़ प्रोडक्शन हाउस ने उन उम्मीदवारों के लिए द्वार खोल दिया है, जो अपने मिस्टर, मिस और के साथ ग्लैमर, भव्यता और प्रसिद्धि की दुनिया में प्रवेश करना चाहते हैं। मिसेज इंडिया सुपर मॉडल 2023 प्रतियोगिता – सीजन 9। शो के ऑडिशन 28 जनवरी को गुवाहाटी, 29 जनवरी को शिलांग और फरवरी के पहले सप्ताह में इंफाल में होंगे। इस साल अप्रैल में नोएडा फिल्म सिटी में आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित ताज के लिए प्रतिस्पर्धा करने के लिए शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों को कठोर प्रशिक्षण और ग्रूमिंग गतिविधियों से गुजरना होगा। इस मेगा पेजेंट और पुरस्कार समारोह के जज पूर्व मिस इंडिया और बॉलीवुड अभिनेत्री नेहा धूपिया, इतालवी मॉडल और अभिनेत्री जियोर्जिया एंड्रियानी, बिग बॉस और रोडीज फेम प्रिंस नरूला और अभिनेता और मॉडल रोहित खंडेलवाल सहित अन्य हैं। ड्रीम्ज प्रोडक्शन हाउस हर उस व्यक्ति के लिए एक शानदार अवसर प्रदान करता है जो उत्कृष्टता प्राप्त करना चाहता है और व्यापक प्रचार के साथ फैशन, फिल्म और मनोरंजन उद्योग की दुनिया का प्रवेश द्वार है। यह शो देश भर की प्रतिभाओं के लिए एक रोमांचक मंच होगा क्योंकि प्रतियोगिता की टीम अब लगभग 20 शहरों में प्रतियोगियों के ऑडिशन के लिए देश भर में तलाश शुरू करेगी। विजेताओं को नकद पुरस्कार के साथ-साथ टीवीसी, वेब सीरीज, रियलिटी शो आदि में भाग लिया जाएगा। ड्रीम्ज़ प्रोडक्शन हाउस युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और उनका समर्थन करने के लिए साल भर में कई कार्यक्रम आयोजित करता है। पूर्व मिस इंडिया और अभिनेता नेहा धूपिया ने कहा, ड्रीमज़ प्रोडक्शन हाउस का प्रयास सराहनीय है और हमें भारत में हर उभरती प्रतिभा को अवसर प्रदान करने के लिए इस तरह के और प्लेटफॉर्म की आवश्यकता है। यह शो पिछले कुछ वर्षों में विकसित हुआ है और मैं इसे इस साल भी बड़ा और बेहतर होता देख रहा हूं। मुझे पता है कि इसमें बहुत मेहनत लगती है, लेकिन अंत में, यह पूरी तरह से इसके लायक है। सौंदर्य प्रतियोगिताएं केवल सुंदर होने से कहीं अधिक हैं, वे शारीरिक, मानसिक और साथ ही भावनात्मक रूप से मजबूत होने और एक व्यक्ति के रूप में चमकने के बारे में हैं।

# सड़क दुर्घटना में बाइक सवार की मौत

**कोकराझाड़ (हि.स.)।** गोसाईगांव महकमे के कचुगांव थाना क्षेत्र के पानबारी एनएच-31 पर एक सड़क दुर्घटना में एक बाइकसवार की मौत हो गई। दुर्घटना में एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हुआ है। मृतक की पहचान कचुगांव थाना अंतर्गत कंदनापारा गांव के निवासी दुखीराम राय (28) और घायल व्यक्ति की पहचान उसी गांव के अर्जुन कर्मकार के रूप में हुई है। बताया गया कि बढ़ई का काम कर जीवनयापन करने वाले दुखीराम राय अपनी बाइक से अपने साथी के साथ शुक्रवार सुबह कचुगांव जा रहे थे, तभी पानबारी के राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक अज्ञात कार ने उन्हें टक्कर मार दी। परिणामस्वरूप दोनों गंभीर रूप से घायलों हो गए। स्थानीय लोगों ने दोनों घायलों को कचुगांव प्राथमिक अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने दुखीराम रॉय को मृत घोषित कर दिया।

# राज्यपाल ने बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाली प्रतिभाशाली बालिकाओं से संवाद किया



**जयपुर (हि.स.)।** राज्यपाल कलराज मिश्र से शुक्रवार को राजभवन में उदयपुर (ग्रामीण) विधायक फूल सिंह मीणा के साथ उनके विधानसभा क्षेत्र से आई प्रतिभाशाली बालिकाओं ने मुलाकात की। राज्यपाल ने सरकारी स्कूल में अध्ययन कर बोर्ड परीक्षाओं में 85 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाली इन बालिकाओं से संवाद कर उनका उत्साह बढ़ाया। राज्यपाल मिश्र ने कहा कि प्रतिभाशाली बालिकाओं को उत्तरोत्तर प्रगति करने के लिए प्रोत्साहित करना समाज की जिम्मेदारी है। उन्होंने बालिकाओं से संवाद के दौरान कहा कि अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए व्यवस्थित ढंग से परिश्रम किया जाए तो सफलता अवश्य मिलती है। उन्होंने शारीरिक व्यायाम और खेल-कूद गतिविधियों में भाग लेने के लिए बालिकाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि अकादमिक श्रेष्ठता के साथ शारीरिक फिटनेस भी जीवन में आगे बढ़ने के लिए बहुत आवश्यक है। विधायक फूल सिंह मीणा ने बताया कि बेटियों के आग्रह पर ही उन्होंने चालीस साल बाद फिर से शिक्षा प्राप्त करना शुरू किया और दसवीं, बारहवीं की परीक्षा पास करते हुए स्नातक की पढ़ाई तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि वह गत कई वर्षों से प्रतिभाशाली बालिकाओं का हौसला बढ़ाने के लिए उन्हें हवाई यात्रा करवा रहे हैं। इस अवसर पर राज्यपाल के प्रमुख सचिव सुबीर कुमार, प्रमुख विशेषाधिकारी गोविंदराम जायसवाल और शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे। संविधान उद्यान आमजन के लिए खुलने के बाद शुक्रवार को इन प्रतिभाशाली बालिकाओं और अन्य लोगों ने संविधान उद्यान का भ्रमण कर भारतीय संविधान की विशेषताओं के बारे में जानकारी ली। लोगों ने संविधान उद्यान में प्रदर्शित कला-रूपों का अवलोकन कर संविधान की संस्कृति, मूल भावना और आदर्शों को समझा। संविधान उद्यान में प्रदर्शित प्रतिमाओं के सामने लोगों ने छाया चित्र भी खिंचवाए।

# पृष्ठ एक का शेष

## पीएम ने 71 हजार ...

चयनित युवाओं को भारत सरकार के तहत जूनियर इंजीनियर, लोको पायलट, तकनीशियन, निरीक्षक, उप निरीक्षक, कांस्टेबल, स्टेनोग्राफर, जूनियर एकाउंटेंट, ग्रामीण डाक सेवक, आयकर निरीक्षक, शिक्षक, नर्स, डाक्टर, सामाजिक सुरक्षा अधिकारी, पीए, एमटीएस जैसे विभिन्न पदों पर तैनाती दी जाएगी। प्रधानमंत्री ने पिछले साल 22 अक्टूबर को 10 लाख लोगों की भर्ती के लिए रोजगार मेला शुरू किया था और बेरोजगारी के मुद्दे पर विपक्ष की लगातार आलोचना के बीच पिछले आठ वर्षों में रोजगार सृजित करने के लिए अपनी सरकार के प्रयासों को रेखांकित किया था। मेले में कुल 45 मंत्रियों ने हिस्सा लिया था जिनमें धर्मेंद्र प्रधान, पीयूष गोयल, हरदीप पुरी, अनुराग ठाकुर और अन्य वरिष्ठ मंत्री शामिल रहे।

## एयर शो में दिखी ...

का लोहा मनवाया। सूर्य किरण टीम की प्रवक्ता फ्लाइट लेफ्टिनेंट रिधिमा गुरुंग ने कहा कि एरोबैटिक शो का आयोजन युवाओं को रक्षा बलों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए किया गया है। उन्होंने कहा कि हॉक मार्क-132 विमान ने पहला करतब दिखाया। उसके बाद एक डायमंड फॉर्मेशन में फ्लाई पास्ट किया। इसके अतिरिक्त, इसने हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टर प्रचंड को समर्पित एक रोटर का आकार ले लिया, जिसे अभी भारतीय वायु सेना में शामिल किया गया है। तालियों की गड़गड़ाहट के बीच टीम के कमांडिंग ऑफिसर ग्रुप कैप्टन जीएस ढिल्लों ने हवा में हैरतअंगेज करतब दिखाए। गुरुंग ने कहा कि कुछ एरोबेटिक प्रदर्शनों को कलाईकुंडा के आसपास के क्षेत्रों में कम दृश्यता के कारण रद्द करना पड़ा। इससे पहले वायुसेना के नौ जांबाजों ने पैरा जंपिंग का शानदार प्रदर्शन किया। आकाश गंगा टीम का नेतृत्व कर रहे वारंट अफसर एए वैद्य ने कहां इसका मकसद युवाओं को सुरक्षाबलों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करना है। कलाईकुंडा एयरफोर्स स्टेशन के एयर ऑफिसर कमांडिंग, एयर कमोडोर रण सिंह ने संवाददाताओं को बताया कि इस एयरबेस ने अपना 66वां स्थापना दिवस 14 दिसंबर को मनाया था, लेकिन उस समय मौसम बहुत खराब होने के शो का आयोजन आज किया गया। गुरुंग ने कहा कि भारतीय वायुसेना की सूर्य किरण टीम ने अपने 26 वर्षों के अस्तित्व में भारत में 72 स्थानों को कवर करते हुए 600 हवाई करतब दिखाए हैं। उन्होंने कहा, टीम ने सिंगापुर, चीन, यूएई और श्रीलंका जैसे देशों में भी प्रदर्शन कर चुकी है। भारतीय वायु सेना अपनी स्थापना के 90 साल में प्रवेश कर गई है, जिसे लेकर देशभर में एयर शो का आयोजन हो रहा है। शुक्रवार को कलाइकुंडा एयर बेस पर इस आयोजन के आखिरी दिन फाइटर प्लेन, इनमें कैरी किए जाने वाले हैवी बम, गोलियां और अन्य हथियारों की प्रदर्शनी लगाई थी जिनमें शामिल हुए सैकड़ों बच्चों और अन्य आयु वर्ग के लोगों ने वायु सेना की कार्यशैली को समझा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा एक दिन पहले हजारों की संख्या में आसपास के गांव वालों को एकत्रित कर उन्हें इन प्रदर्शनों को दिखाया गया और यह समझाया गया था कि आसपास में गंदगी ना फैलाएं। इसका मतलब यह है कि अगर गंदगी फैलेगी तो पक्षी आएंगे और पक्षी के कारण बहुत सी दिक्कतें होती है।

## राज्य में परिसीमन ...

सरकार को अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर और असम में परिसीमन लागू करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया था। इस पर कोर्ट ने भारत सरकार और चुनाव आयोग को हलफनामा दायर करने का निर्देश दिया था। उन्होंने बताया कि *परिसीमन अधिनियम 2002* के अनुसार सभी विधानसभा क्षेत्रों का परिसीमन राज्य सरकार द्वारा भारत सरकार और चुनाव आयोग के माध्यम से किया जाना है, लेकिन अरुणाचल प्रदेश सरकार ने इसे लागू नहीं किया था। हम मांग करते हैं कि परिसीमन आयोग को अरुणाचल प्रदेश के नागरिकों को विधानसभा और संसदीय दोनों क्षेत्रों में समान और आनुपातिक प्रतिनिधित्व देने के लिए परिसीमन अधिनियम, 2002 के अनुसार अपने संवैधानिक अभ्यास को पूरा करने दें।

## असम के राज्यपाल ने एग्जाम ...

लिए ज्ञान की खोज में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरणा का स्रोत होगा। पुस्तक विमोचन समारोह में राज्यपाल के आयुक्त और सचिव एसएस मीनाक्षी सुंदरम सहित राजभवन के अनेक अधिकारी उपस्थित थे।

## हरिप्रसाद बोले, मोदी कहते ...

हैं। दरअसल, 16-17 जनवरी को भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक थी। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था- मुस्लिम समुदाय के बोहरा, पसमांदा और पढ़े-लिखे लोगों तक हमें सरकार की नीतियां लेकर जानी हैं। हमें समाज के सभी अंगों से जुड़ना है और उन्हें अपने साथ जोड़ना है। इससे करीब 6 महीने पहले 3 जुलाई 2022 को हैदराबाद में आयोजित भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में पीएम मोदी ने पसमांदा मुस्लिमों के लिए स्नेह यात्रा की घोषणा की थी। इस यात्रा का मकसद पसमांदा मुस्लिमों के घर-घर पहुंच कर भाजपा से जोड़ने की पहल करना था। छोटे दलों की मदद से भाजपा कैसे पसमांदा मुस्लिमों को साधना चाहती है, इस बात को बिहार विधानसभा चुनाव के परिणाम से समझा जा सकता है। 2010 में नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार बिहार में दो-तिहाई से अधिक बहुमत के साथ बनी थी। नीतीश कुमार के सुशासन और माफिया को खत्म कर कानून-व्यवस्था को मजबूत करने के चुनावी नारे उन कई कारणों में से एक थे, जिनकी वजह से उनकी जीत हुई। इतना ही नहीं, नीतीश कुमार ने जातिगत समीकरणों को काफी शानदार तरीके से साधा था, जिसके चलते पसमांदा मुसलमानों ने आरजेडी औरएलजेपी के बजाय एनडीए को वोट दिया था। सूत्रों की मानें तो 2024 लोकसभा चुनाव में एनडीए की सहयोगी पार्टियां अन्नाद्रमुक, अपना दल, निषाद पार्टी, जेजेपी राष्ट्रीय लोजपा, बीपीएफ, एजीपी, आईपीएफटी आदि पसमांदा मुस्लिम समुदाय को जोड़ने के लिए अन्य छोटे सहयोगियों के माध्यम से अपने मास्टर प्लान को लागू करेंगीं। यानी चुनाव में ये पार्टियां पसमांदा समुदाय के नेताओं को मुस्लिम बहुल सीटों पर उनके चुनाव चिह्न पर टिकट देंगी। भले ही ये पार्टियां चुनाव न जीत सकें, लेकिन मुस्लिम वोटों को बांटने और विपक्षी दलों को कमजोर करने में अहम भूमिका निभाएंगी।

## मुस्लिमों में बहुविवाह...

पर ध्यान दिया। उन्होंने माना कि मामले में सुनवाई के लिए पांच जजों की पीठ गठित करने की आवश्यकता है। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि पांच जजों की बेंच के सामने अभी कई महत्वपूर्ण मामले लंबित हैं। हम एक बेंच का गठन करेंगे और सुनवाई करेंगे। पांच जजों की बेंच ने 30 अगस्त को इस मामले में सुनवाई की थी। जस्टिस इंदिरा बनर्जी, हेमंत गुप्ता, सूर्यकांत, एमएम सुंदरेश और सुधांशु धूलिया ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, राष्ट्रीय महिला आयोग और अल्पसंख्यकों के लिए राष्ट्रीय आयोग(एनसीएम) को पक्षकार बनाकर उनकी प्रतिक्रिया मांगी थी। हालांकि, जस्टिस इंदिरा बनर्जी 23 सितंबर और जस्टिस हेमंत गुप्ता इस साल 16 अक्टूबर को रिटायर हो गए। इसी कारण बहुविवाह और निकाह हलाला के खिलाफ दायर 8 याचिकाओं पर सुनवाई के लिए बेंच का पुनर्गठन करना पड़ रहा है। अश्विनी उपाध्याय ने अपनी जनहित याचिका में बहुविवाह और निकाह हलाला को असंवैधानिक और अवैध घोषित करने का निर्देश देने की मांग की है।

## भारत और मिस्त्र की सेनाएं ...

का आदान-प्रदान भी करेंगे। रक्षा मंत्रालय का कहना है कि इस अभ्यास में हिस्सा लेने वाले सैन्यकर्मी संयुक्त रूप से योजना बनाने, युद्धभूमि में मुकाबला करने, आतंकी ठिकानों, कैम्पों पर सर्जिकल स्ट्राइक करने और बड़े लक्ष्यों पर स्नाइपर-शूटिंग का भी अभ्यास करेंगे। संयुक्त सैन्य अभ्यास से दोनों देशों की सेनाओं की संस्कृति को समझने में सहायता मिलेगी, जिसके आधार पर सैन्य सहयोग तथा आपसी संचालन को बढ़ाया जा सकेगा। इससे भारत और मिस्त्र के बीच राजनयिक रिश्ते भी और मजबूत होंगे।

## सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर ...

कुमार सिंह ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि नए दिशानिर्देश उपभोक्ता अधिनियम के दायरे में जारी किए गए हैं जो अनुचित व्यापार तरीकों और भ्रामक विज्ञापनों के खिलाफ उपभोक्ताओं की सुरक्षा के लिए रूपरेखा प्रदान करता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि दिशानिर्देश सोशल मीडिया पर असर डालने वाले *इंफ्लूएंसर* के लिए एक निवारक व्यवस्था के रूप में कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि यह बेहद अहम मुद्दा है। वर्ष 2022 में भारत में सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर बाजार 1,275 करोड़ रुपए का था। लेकिन वर्ष 2025 तक इसके लगभग 19-20 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि दर के साथ 2,800 करोड़ रुपए हो जाने की संभावना है। सोशल मीडिया पर प्रभाव डालने वाले इंफ्लूएंसर की देश में संख्या एक लाख से अधिक हो चुकी है और इंटरनेट का प्रसार बढ़ने के साथ इसमें तेजी आने की ही उम्मीद है। उपभोक्ता मामलों के सचिव ने कहा कि ऐसी स्थिति में सोशल मीडिया *इंफ्लूएंसर* को जिम्मेदारी से बर्ताव करने की जरूरत है। अब उन्हें उस उत्पाद या सेवा के बारे में अपने भौतिक जुड़ाव की जानकारी देनी होगी, जिसका वे सोशल मीडिया पर विज्ञापन कर रहे हैं। इस अवसर पर सीसीपीए की मुख्य आयुक्त निधि खरे ने कहा कि किसी भी रूप, प्रारूप या माध्यम में भ्रामक विज्ञापन करना कानूनन प्रतिबंधित है। इसी को ध्यान में रखते हुए सोशल मीडिया *इंफ्लूएंसर* के लिए खुलासा की जरूरत एवं उसके तरीकों के बारे में निर्देश जारी किए गए हैं।

## भारत के पानी पर कब्जे...

गंगा, ब्रह्मपुत्र, इरावेड्डी, सलवीन, यांगजे और मेकॉन्ग जैसी बड़ी नदियों का उद्गम होता है। ये नदियां भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, म्यांमार, लाओस और वियतनाम में बहती हैं और इन देशों में सिंचाई और पीने के पानी का बड़ा स्त्रोत हैं। अनुमान के मुताबिक तिब्बत के पठार से हर साल करीब 718 अरब क्यूबिक मीटर पानी बहकर चीन और अन्य पड़ोसी देशों में जाता है। इसमें से करीब 48 फीसदी पानी अकेले भारत में बहकर जाता है। यही वजह है कि चीन का तिब्बत के पानी पर दावा भारत की चिंता बढ़ाता है। आशंका है कि चीन इस पानी को भारत के खिलाफ हथियार के रूप में इस्तेमाल कर सकता है। चीन तीन तरीकों से तिब्बती पठार से बहने वाले पानी को भारत के खिलाफ हथियार के रूप में इस्तेमाल कर सकता है। विशेषज्ञ मानते हैं कि चीन तिब्बत से बहने वाली नदियों पर कई बड़े-बड़े बांध बना रहा है। चीन की योजना इस पानी से देश में सिंचाई व्यवस्था को मजबूत करने और बिजली बनाने की है। चीन सलवीन, मेकॉन्ग, यांगजे और ब्रह्मपुत्र नदी पर ऐसे ही बड़े-बड़े बांध बना रहा है। इससे भारत पाकिस्तान में बहने वाली कई नदियों में पानी की कमी हो सकती है। इससे भारत पाकिस्तान में बड़े पैमाने पर सिंचाई और पीने के पानी की कमी हो सकती है। साथ ही चीन बांधों के जरिए इन नदियों के प्रवाह को पूरी तरह से बदल भी सकता है। द इंटरप्रेटर की रिपोर्ट के अनुसार, गलवान घाटी में हुई भारतीय और चीनी सैनिकों की झड़प के बाद भी चीन ने गलवान नदी के पानी का प्रवाह रोक दिया था। गलवान नदी सिंधु नदी की सहायक नदी है। इससे गलवान नदी का पानी भारत में बहकर आना बंद हो गया था। विशेषज्ञों का मानना है कि चीन, भारत को दबाव में लाने के लिए नदियों के पानी को प्रदूषित भी कर सकता है। जिससे भारत में बहकर आने वाला पानी इस्तेमाल के लायक ही नहीं रह जाएगा। साल 2017 में सियांग नदी का पानी भी मटमैला और गाद से भर गया था। इससे नदी का पानी कुछ समय के लिए इस्तेमाल के लायक ही नहीं रह गया था। इससे सियांग घाटी में खेती पर बड़ा प्रभाव पड़ा था। बता दें कि सियांग नदी ही नीचे आकर लोहित और दिबांग के मिलने से ब्रह्मपुत्र नदी बनती है। भारत में बहकर आने वाली नदियों के पानी को कंट्रोल करने के बाद चीन भारत में बाढ़ का भी कारण बन सकता है। बता दें कि साल 2008 में भारत और चीन के बीच एक समझौता हुआ था, जिसके तहत ब्रह्मपुत्र और सतलुज नदी का डाटा दोनों देशों ने एक दूसरे के साथ शेयर किया था ताकि बेहतर तरीके से पानी का प्रबंधन हो सके। हालांकि अब विशेषज्ञों का लगता है कि चीन के बाद डाटा मौजूद है, ऐसे में वह इसका फायदा उठाकर इन नदियों में बाढ़ भी ला सकता है। साल 2017 में डोकलाम झड़प के दौरान भी ऐसी रिपोर्ट आईं थी कि चीन ने भारत के साथ ब्रह्मपुत्र और सतलुज नदियों के पानी का डाटा शेयर नहीं किया था, जिसके चलते उस साल असम और उत्तर प्रदेश में बाढ़ आई थी।

## कई विपक्षी पार्टियां ...

हमला करते हुए कहा कि पिछले 8 सालों से केसीआर कांग्रेस को कमजोर करने में जुटे हैं। माना जाता है कि उत्तर भारत में कांग्रेस को कमजोर करने का काम आम आदमी पार्टी को दिया गया है और दक्षिण में यह काम केसीआर को दिया गया है। उन्होंने आगे कहा कि देश में तीसरे मोर्चे की कोई जरूरत नहीं है। केवल देश में भाजपा विरोधी मोर्चा ही हो सकता है। केसीआर पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि जब साल 2014 में केसीआर सत्ता में आए तब तेलांगाना में दस हजार करोड़ रुपए का राजस्व अधिशेष था जो कि अब बढ़कर 5 लाख राजस्व अधिशेष पहुंच चुका है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना को अलग राज्य बनाने के लिए कांग्रेस पार्टी ने बहुत त्याग किया, हालांकि कई लोग इस फैसले से खुश नहीं थे।

## सुबह स्वीगी तो शाम को ...

राज्यों में भी मांग उठ रही है। उन्होंने राजनेताओं को घेरते हुए कहा कि दो तीन साल भी निर्वाचित होने वाले एक एक विधायक एवं सांसद को कई कई पेंशनें एवं तमाम सुविधाएं दी जा रहीं हैं। सत्ता का दुरुपयोग किया जा रहा है। लेकिन जो दशकों तक जनता की सेवा में जीवन लगा देते हैं, उन्हें तिल तिल कर मरने के लिए छो ?ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि राजनेताओं के बारे में संयुक्त परिषद एक श्वेत पत्र तैयार कर रही है। मिश्रा के अनुसार उसकी आगे की कार्यवाही का रूप रेखा निर्धारित करने हेतु कल 21 जनवरी को केंद्र सरकार और राज्य सरकार के कर्मचारियों के संघों और यूनियनों द्वारा एक राष्ट्रीय सम्मेलन राजधानी में आयोजित किया जा रहा है। इस बारे में तैयारियों को लेकर आज आंदोलन की संचालन समिति की बैठक में कहा कि एक जनवरी 2004 या उसके बाद भर्ती हुए केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए लागू की गई राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) और विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा अपने कर्मचारियों के लिए अलग-अलग तारीखों और वर्ष से लागू की गई राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) अब सेवानिवृत्ति के बाद कर्मचारियों के लिए घातक साबित हो रही है क्योंकि यह किसी भी तरह से परिभाषित गारंटीशुदा पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) से मेल नहीं खाती है। यह, इस तथ्य के बावजूद है कि कर्मचारी *पीएफआरडीए* द्वारा गठित *पेंशन फंड* के लिए हर महीने अपने वेतन का 10 प्रतिशत योगदान दे रहे हैं। इसके अलावा सरकार ने एनपीएस को लागू करते समय केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए राष्ट्रीय परिषद की बैठक में 14 दिसंबर 2007 को आयोजित बैठक में लिखित रूप में आश्वासन दिया कि एनपीएस के तहत पेंशन पुरानी पेंशन प्रणाली से कम नहीं होगी, जबकि इस आश्वासन का उल्लंघन हो रहा है क्योंकि जो कर्मचारी अब *एनपीएस* के तहत सेवा से सेवानिवृत्त हो रहे हैं उन्हें बहुत ही कम रुपए 2000 से 4000 रुपए तक महीने पेंशन मिल रही है, जबकि वही कर्मचारी यदि वे पुरानी पेंशन योजना के तहत हैं तो उन्हें मासिक पेंशन के रूप में 15000 रुपए से 25000 रुपए मिलेगे। इसलिए इस गारंटीकृत एनपीएस के खिलाफ केंद्र सरकार के कर्मचारियों और राज्य सरकार के कर्मचारियों के संघों और ट्रेड यूनियनों द्वारा विभिन्न स्तर पर कई विरोध कार्यक्रम और आंदोलन देश में स्वतंत्र और संयुक्त रूप से आयोजित किए जा रहे है। *एनपीएस* के खिलाफ लड़ने वाले और *पुरानी पेंशन योजना* की बहाली की मांग करने वाले सभी संगठनों द्वारा यह महसूस करने के बाद कि एनपीएस विरोधी आंदोलन को तेज करने के लिए एक राष्ट्रीय संयुक्त कारर्वाई की आवश्यकता है, एनजेसीए के बैनर तले *पुरानी पेंशन योजना* की बहाली के लिए एक *संयुक्त फोरम* का गठन किया गया है। शिक्षण स्टाफ सहित केंद्र सरकार के कर्मचारियों और राज्य सरकार के कर्मचारियों के लगभग 50 संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ दिनांक 07 जनवरी 2023 को एक बैठक दिल्ली में आयोजित की गई जिसमे निर्णय उपरान्त, 26 प्रतिनिधियों वाली एक *संचालन समिति का गठन किया गया और एनपीएस* को समाप्त करने और *पुरानी पेंशन योजना* की बहाली पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन दिनांक 21 जनवरी 2023 को आईटीओ स्थित प्यारेलाल भवन में आयोजित किया जा रहा है। इस सम्मेलन में *एनपीएस* को समाप्त करने और *पुरानी पेंशन योजना को बहाल करने* पर एनपीएस के खिलाफ एक आंदोलन की रूपरेखा को तय किया जाएगा, जिसमें रेलवे, रक्षा सहित सभी केंद्र सरकार के प्रतिष्ठानों, डाक, केंद्रीय सचिवालय और सभी राज्य सरकार के कार्यालय आदि कार्यालयों में देश भर में विरोध प्रदर्शन कार्यक्रमो की एक श्रृंखला शामिल है। मिश्रा ने कहा कि इन विरोध प्रदर्शनों के बावजूद भी अगर सरकार *एनपीएस* को समाप्त करने और पुरानी पेंशन योजना *ओपीएस* को बहाल करने के लिए कोई ठोस कदम नही उठाती है तो संचालन समिति के निर्णयानुसार जुलाई एवं अगस्त 2023 के दौरान संसद के मानसुन सत्र के दौरान दिल्ली में एक बड़ी रैली संसंद पर आयोजित की जायेगी।

## बनकर तैयार हुई...

विजिटर्स गैलरी में 336 से ज्यादा लोगों के बैठने के इंतजाम होंगे। नई राज्यसभा में 384 सीटें होंगी और विजिटर्स गैलरी में 336 से ज्यादा लोग बैठ सकेंगे। लोकसभा में इतनी जगह होगी कि दोनों सदनों के जॉइंट सेशन के वक्त लोकसभा में ही 1272 से ज्यादा सांसद साथ बैठ सकेंगे।

## स्वर्वेद भाष्य




**चतुर्थ मंडल** **सप्तम अध्याय**

**(विरह)**

**क्षण भर मानो कल्प सम, विरही विकल शरीर।**
**वर्श दिवाना बावरा, प्रभु कैसे धर धीर ॥ 19 ॥**

**शब्दार्थ :** (कल्प) चौदह मन्वन्तर (दिवाना) मस्त (धीर) धैर्यवान।

**भाष्य :** चार अर बत्तीस करोड़ वर्ष का एक कल्प होता है। विरही के लिए प्रभु के दर्शन बिना, क्षणभर कल्प के समान बीतता है, विरही प्रभु के वियोग में सदैव व्याकुल रहता है। वह कैसे धैर्य को धारण करे, वह तो प्रभु के दर्शन बिना अब दिवाना हो कर पागल की भाँति हो गया है।

**विरही मारन को चली, मृत्यु ठाढ़ पछताय।**
**सहज मृत्यु दुख सह रहा, लज्जित आप पराय ॥ 20 ॥**

**शब्दार्थ :** (ठाढ़) खड़ा, (पथताय) चिन्तित (सहस) हजार, (लज्जित) शर्मिन्दा (पराय) भाग।

**भाष्य :** मृत्यु विरही प्रभु-भक्त को मारने चली, परन्तु उसके विरह-दुख को देखकर खड़ी हो कर पछताने लगी। वह विरही के सहस्त्र मृत्यु-दुःख को सहते हुए देखकर लज्जित हो स्वयं भाग चली।

### पुलिस ने एटीएम से रुपए लूटने वाले गिरोह का किया पर्दाफाश

# रैकेट के 4 सदस्य गिरफ्तार

**गुवाहाटी ( विभास )।** शुक्रवार को गुवाहाटी शहर की पुलिस ने लुटेरों के एक समूह को हिरासत में लिया, जो असम के आसपास एटीएम लूट रहे थे। हिरासत में लिए गए लोगों के नाम लुत्फोर रहमान, अमीनुल हक, हनीफुर रहमान और सैदुल इस्लाम हैं। सूत्रों ने दावा किया, गिरोह ने राज्य भर में फैले विभिन्न एटीएम में ग्राहकों से हजारों रुपये लूट लिए। कई अन्य स्रोतों के अनुसार, गिरोह मुख्य रूप से महिलाओं और बुजुर्गों को निशाना बनाता था। गौरतलब है कि हिरासत में लिए गए लोगों के खिलाफ कई थानों में कई मामले दर्ज किए गए हैं। अधिकारियों के मुताबिक अकेले दिसपुर पुलिस थाने में इस समूह के खिलाफ 10 से ज्यादा शिकायतें दर्ज हैं। शहर में लगातार हो रही चोरी और डकैती की समस्या के चलते गुवाहाटी पुलिस को कथित तौर पर दो संदिग्ध चोरों पर गोली चलानी पड़ी थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ये घटना गीतानगर में हुआ था और मुकेश कुमार और गौरव पॉल को आरोपी बनाया गया है। पुलिस की गोली लगने से वे दोनों घायल हो गए। खातों के अनुसार, दोनों आरोपियों ने नजरबंदी से भागने का प्रयास किया, जिसने पुलिस को खुली आग का इस्तेमाल करने के लिए मजबूर किया। हालांकि, उन्हें तुरंत गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (जीएमसीएच) में इलाज के लिए भर्ती कराया गया। कथित लुटेरों ने, हालांकि, कथित तौर पर दावा किया कि उन्हें पूछताछ के लिए पुलिस स्टेशन ले जाया गया था और पुलिस ने जानबूझकर उन पर गोलियां चलाईं, जब वे नीचे बैठे थे और भागने की कोशिश नहीं कर रहे थे। जीएमसीएच के अधिकारियों के मुताबिक, घायलों का इलाज पूरा होने के बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी जाएगी। पुलिस आयुक्त दिगंता बोरा ने शहर की बढ़ती अपराध दर के कारण सभी को अधिकारियों पर भरोसा रखने की सलाह दी। अपराध की स्थिति को समाप्त करने के लिए विभाग सभी आवश्यक कदम उठा रहा है।

### नगांव में दो ड्रग्स तस्कर गिरफ्तार

**नगांव ( निसं )।** नगांव पुलिस और 34वीं बटालियन सीआरपीएफ ने एक गुप्त सूचना के आधार पर आज दोपहर नगांव शहर के पास कातीमारी में छापेमारी कर दो ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया। दो कुख्यात ड्रग डीलरों की पहचान रियाज उद्दीन और इमदादुल रहमान के रूप में की गई। ये दोनों कातीमारी के रहने वाले हैं। छापेमारी के दौरान टीम ने उनके पास से साबुन की तीन पेटी में रखे गए हेरोइन बरामद की है। दोनों ड्रग्स व्यवसायी पीछले लंबे समय से इलाके में नशे का कारोबार चला रहे थे। पुलिस ने गोपनीय सुचना के आधार पर तलाशी अभियान चलाकर सफलता हासिल की। पुलिस उक्त दोनों ड्रग्स माफिया से पूछताछ कर रही है।? पुलिस ने संदेह व्यक्त किया है कि पूछताछ के दौरान पुलिस को कई सुराग हाथ लग सकतें हैं। इलाके के लोगों का कहना है कि ड्रग्स के गोरखधंधे के कारण युवा पीढ़ियों पर इलाके में बुरा असर पड़ रहा था। दिनभर इलाके में अनजान व्यक्तियों का आना-जाना लगे रहने के कारण भले लोगों का इलाके से गुजरना दुभर हो गया था।

# ट्रक से 320 किग्रा गांजा बरामद, चालक गिरफ्तार

**गुवाहाटी ( हि.स. )।** गुवाहाटी पुलिस की एक विशेष टीम ने एक ट्रक से भारी मात्रा में गांजा जब्त करने के साथ ही ट्रक चालक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि बीती देर रात गुवाहाटी पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि त्रिपुरा से असम के बर्नीहाट की ओर एक ट्रक के जरिये गांजा की तस्करी की जा रही है। जिसके बाद गुवाहाटी पुलिस की एक स्पेशल टीम ने खानापाड़ा इलाके में अभियान चलाकर ट्रक (एनएल-01के-3095) को रोककर तलाशी ली गई। ट्रक के ड्राइवर की सीट के पीछे बड़े ही शातिराना तरीके से एक बॉक्स बनाकर गांजा की तस्करी की जा रही थी। बॉक्स को काटकर ट्रक से 320 किग्रा गांजा बरामद किया गया। इस मामले में ट्रक चालक थोंगिया मोग (30, त्रिपुरा) को गिरफ्तार किया गया। बरामद गांजा की कीमत लाखों रुपये आंकी गयी है। जब्त किए गए गांजा को गुवाहाटी के विभिन्न इलाकों में वितरण करने के लिए लाया गया था। पुलिस इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

# असम चिड़ियाघर में नए मेहमान आए शेरनी रानी ने 2 शावकों को जन्म दिया

**गुवाहाटी।** गुवाहाटी में असम राज्य चिड़ियाघर और बॉटनिकल गार्डन ने दो नए मेहमानों का स्वागत किया है जो चिड़ियाघर के अधिकारियों के चेहरे पर मुस्कान और खुशी ला रहे हैं। मंगलवार को शेरनी रानी ने दो स्वस्थ शावकों को जन्म दिया।शावकों का अभी नामकरण नहीं किया गया है और उनके लिंग का पता लगाया जाना बाकी है। माता रानी सात साल की है और शावक का पिता सिंह है। दोनों को एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत गुजरात से गुवाहाटी जू लाया गया था। इसके साथ ही असम राज्य के चिड़ियाघर में शेरों की संख्या बढ़कर सात हो गई है। इनमें से चार को राज्य के बाहर से लाया गया था जबकि तीन का जन्म चिड़ियाघर में हुआ था। चिड़ियाघर के अधिकारी मां और शावकों पर कड़ी नजर रख रहे हैं और नवजात शावकों के लिए हर तरह की सुरक्षा सुनिश्चित कर रहे हैं। खबर की जानकारी देने के लिए असम के वन मंत्री चंद्र मोहन पटोवरी ने ट्विटर का सहारा लिया। असम राज्य के चिड़ियाघर में शेरनी रानी के आज दो शावकों को जन्म देने की खबर पाकर खुशी हुई। मैं असम राज्य चिड़ियाघर के सभी अधिकारियों को बधाई देता हूं। अधिकारियों को नवजात शावकों की भलाई सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया। गुवाहाटी में जपोरिगोग क्षेत्र में स्थित असम राज्य चिड़ियाघर लगभग 1276 जानवरों का घर है।

# गुणोत्सव की शिक्षा में सुधार लाने में विशेष भूमिका : मंत्री पटवारी

**रंगिया ( निसं )।** गुरुवार को कामरूप जिले के 718 स्कूलों में गुणोत्सव-2023 की मूल्यांकन प्रक्रिया सुचारू रूप से संचालित होने के बाद बाहरी मूल्यांकन के दूसरे दिन शुक्रवार को बाहरी मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा जिले के कुल 81,383 छात्रों को कवर करने वाले कुल 724 स्कूलों का मूल्यांकन किया गया। यह मूल्यांकन प्रक्रिया छात्रों की शैक्षणिक उत्कृष्टता के मूल्यायन के अलावा सह-शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ-साथ स्कूलों की सामाजिक भागीदारी और बुनियादी सुविधाओं का मूल्यांकन करती है। दूसरी ओर आज राज्य सरकार के पर्यावरण और वन विभाग के मंत्री तथा जिले के अभिभावक मंत्री चंद्र मोहन पटवारी ने जिले के रानी शिक्षा खंड के अंतर्गत आंचलिक उच्च माध्यमिक, फुलगुड़ी में आयोजित गुणोत्सव कार्यक्रम में बाहरी मूल्यांकनकर्ता के रूप में उपस्थित रहते हुए छात्रों के शैक्षिक उत्कृष्टता के साथ सह-शैक्षणिक उत्कृष्टता का निरीक्षण और मूल्यायन किया। साथ ही इस मौके पर उन्होंने स्कूल के छात्रों के साथ एकसाथ बैठकर दोपहर का भोजन भी किया। मंत्री ने शैक्षिक उत्कृष्टता के विभिन्न पहलुओं पर स्कूल के कुछ अभिभावकों और स्थानीय लोगों के साथ भी चर्चा की। इस कार्यक्रम के बाद स्कूल परिसर में संवाददाताओं से बातचीत में मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए गुणोत्सव जैसे कार्यक्रम चलाए हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस तरह के कार्यक्रम आने वाले दिनों में नई शिक्षा नीति के अनुसार शिक्षा को और विकसित करने के तरीके को समझकर और अधिक आशाजनक परिणाम लाएंगे। उन्होंने कहा कि जिस स्कूल का उन्होंने आज दौरा किया, उसके शैक्षणिक और सह-शैक्षिक पहलू बहुत आशाजनक हैं। मंत्री के साथ कामरूप जिला के विद्यालय निरीक्षक अपूर्ब ठाकुरिया, खंड शिक्षा अधिकारी एवं अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। दूसरी ओर आज राज्य सरकार के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की सचिव पुष्पांजलि दास, मत्स्य विभाग की सचिव काव्यश्री महंत, अतिरिक्त पीसीसीएफ, पीजे विजयकर, अतिरिक्त पीसीसीएफ तथा कैंपार मुख्य कार्यवाहक अधिकारी डॉ. सत्येंद्र सिंह, आईजीपी सुरेंद्र कुमार, कामरूप जिले के कई अतिरिक्त उपायुक्तों, चक्र अधिकारियों, विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों, विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के प्रोफेसर जिले के विभिन्न विद्यालयों मे बाहरी मूल्यांकनकर्ताओं के रूप में उपस्थित रहते हुए विद्यालयों का मूल्यायन किया।

# हत्या के दो आरोपित गिरफ्तार

**धेमाजी ( हि.स. )।** धेमाजी जिला के सिमेन चापरी इलाके में हुई एक ट्रक चालक की हत्या मामले की गुत्थी को सुलझाने का दावा करते हुए सिलापथार पुलिस ने हत्या के दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि बीते 11 जनवरी को सिमेन चापरी इलाके में हुई हत्या मामले में 2 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। घटना के अनुसार सिमेन चापरी के तीन नंबर मिलन ज्योतिगांव निवासी लोहित भुइयां 11 जनवरी की शाम 7.00 बजे के आसपास घर से अरुणाचल की ओर सीमेंट लदा ट्रक (एएस-01जीसी-0405) लेकर रवाना हुआ था। घर से रवाना होने के बाद 3 दिनों तक परिवार वालों से कोई संपर्क नहीं हुआ। जिसके बाद परिवार वालों को शक हुआ, घटना की जानकारी परिजनों ने पुलिस को दी। जोनाई इलाके में स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग-515 के नाहर बंदा इलाके में डकैतों द्वारा ट्रक को रोककर ट्रक चालक की हत्या कर घटनास्थल से करीब 60 किमी दूर सिलापथार सरूपत्थार जाजीरी में सड़क किनारे शव को फेंककर ट्रक लेकर फरार हो गए। 12 जनवरी को एक बच्चे द्वारा शव को देखे जाने की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद 14 जनवरी को परिजनों सिलापथार थाने में पहुंचकर शव की शिनाख्त की। सिलापथार थानांतर्गत एक नंबर दीपा नाहरबाड़ी गांव के रबेन सिंह के बेटे सुकरिया सिंह (38) को 50 बोरी सीमेंट बेचते समय रंगे हाथों पकड़ा गया। जिसके बाद शोणितपुर जिला के सतिया पुलिस थानांतर्गत बालीजान गांव से सत्यनारायण पाठक के पुत्र ज्योति कुमार पाठक को भी हत्या के मामले में अरुणाचल प्रदेश के बासार से गिरफ्तार किया गया। पुलिस पहले से दर्ज प्राथमिकी के आधार पर गिरफ्तार दोनों हत्यारों से सघन पूछताछ कर रही है।

# महिलाओं के उत्थान के लिए नाव्या लेडीज क्लब का गठन

**गुवाहाटी।** युवती एवं महिलाओं के उत्थान एवं उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से नाव्या लेडीज क्लब (एनएलसी) का गठन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में जानी मानी असमिया साहित्यकार मणीकुंतला भट्टाचार्य, विशिष्ट अतिथि के रूप में लायंस जिलापाल (द्वितीय) सीमा गोयनका मौजूद थी। समारोह में संस्थापक अध्यक्ष के रूप में नितु बुखरेड़िया को पद एवं गोपनियता की शपथ दिलाई गई। तत्पश्चात संस्थापक सचिव के रूप में कविता शर्मा, कोषाध्यक्ष पुनम बाजोरिया, उपाध्यक्ष निभा सराफ, संयुक्त सचिव पूजा अग्रवाल, चेयरपर्सन लता चौखानी के अलावा कार्यकारी सदस्य के रूप में कुसुम जैन, सुनिता केड़िया, रश्मी पटवारी आदि सदस्याओं ने शपथ पाठ किया। इस मौके पर अपने स्वागत संबोधन में संस्थापक अध्यक्ष बुखरेड़िया ने नवगठित संस्था में सभी सदस्याओं का स्वागत करते हुए कहा कि यह संस्था सामाजिक कार्यों के अलावा महिलाओं के उत्थान एवं उन्हें आत्म स्वाबलंबी बनाने की दिशा में तेजी से कार्य करेगी। उन्होंने कहा कि हमारा मुख्य उद्देश्य महिलाओं को एक ऐसा मंच प्रदान करना है जहां वे स्वयं आत्मनिर्भर होने के अलावा दूसरों की मदद कर सके। मुख्य अतिथि भट्टाचार्य ने भी नवगठित संस्था को अपने उद्देश्य की तरह कार्य करने हेतु शुभकामनाएं दी। मानव सेवा की दिशा में अपने प्रथम कार्य को संपादित करते हुए संस्था की ओर से आनंद मार्ग आश्रम में 11000 का अनुदान एवं 21000 का अनुदान 5 छात्राओं को विद्यालय में शिक्षा ग्रहण करने के लिए त्वरित सहायता दी गई हैं। समारोह में प्रसिद्ध लेखिका चंपा उपाध्याय और गुवाहाटी उच्च न्यायालय एवं उच्चतम न्यायालय की एडवोकेट निर्मला उपाध्याय ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

# नेताजी विद्यापीठ रेलवे हायर सेकेंडरी स्कूल का प्लेटिनम जुबली समारोह

**गुवाहाटी ( विभास )।** नेताजी विद्यापीठ रेलवे हायर सेकेंडरी स्कूल, मालीगांव 21 जनवरी से 23 जनवरी, 2023 तक अपनी प्लेटिनम जुबली मनाने को तैयार है। पूर्वोत्तर सीमा रेल के महाप्रबंधक अंशुल गुप्ता समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। वॉल पत्रिका, प्रदर्शनी का उद्घाटन और स्कूल पत्रिका के विशेषांक का विमोचन मुख्य अतिथि द्वारा किया जाएगा। तीन दिवसीय समारोह के एक भाग के रूप में, नेताजी विद्यापीठ रेलवे हायर सेकेंडरी स्कूल, मालीगांव के शिक्षकों और छात्रों द्वारा विभिन्न तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का प्रदर्शन किया जाएगा। समारोह के दौरान इंटर स्कूल क्विज, हस्तकला, शिल्पकला, कोरस, सामूहिक नृत्य आदि प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएंगी। पूर्व प्राचार्यगण, पूर्व शिक्षकगण और गोल्डन एलुमनी अपनी उपस्थिति से उत्सव की शोभा बढ़ाएंगे। नेताजी विद्यापीठ रेलवे हायर सेकेंडरी स्कूल की स्थापना 23 जनवरी, 1948 को प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस के सम्मान में की गई थी।

### पूप्रमास ने दी काव्यऋषि फूकन को श्रद्धांजलि

**गुवाहाटी।** असमिया साहित्य में काव्य धारा को पत्र-पुष्प की अलग धारा में मोड़ने वाले सर्वजन समादृत काव्यऋ षि तथा ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त कर्ता नीलमणि फूकन के निधन पर पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन (पूप्रमास) ने गहरा दुख प्रकट किया है। प्रांतीय अध्यक्ष ओम प्रकाश खंडेलवाल ने कहा कि असमिया ही नहीं बल्कि समूचे साहित्य जगत के लिए यह अपूरणीय क्षति है। पूप्रमास परिवार ने काव्यऋ षि नीलमणि फूकन के निधन पर गंभीर संवेदना व शोक प्रकट करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। प्रांतीय जनसंपर्क अधिकारी विवेक सांगानेरिया ने कहा कि मारवाड़ी सम्मेलन शोकाकुल परिवार और साहित्य अनुरागी समाज के प्रति संवेदना ज्ञापन करता है।

### छह सौ बोरी यूरिया खाद समेत ट्रक जब्त,दो गिरफ्तार

**हैलाकांदी ( हि.स. )।** हैलाकांदी जिला के पांचग्राम पुलिस ने अवैध रूप से 600 बोरी यूरिया खाद ले जा रहे एक ट्रक को जब्त किया है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि हैलाकांदी पांचग्राम पुलिस द्वारा चलाए गए अभियान के दौरान यूरिया खाद समेत एक ट्रक (पीवाई-02वी-6013) को जब्त किया गया। ट्रक में अवैध तरीके से 600 बोरी यूरिया हैलाकांदी से मिज़ोरम भेजा जा रहा था। जब्त किए गए यूरिया खाद को बड़े ही चालाकी से चावल की बोरी के नीचे छुपा कर ले जाया जा रहा था। बरामद की गई यूरिया खाद की कीमत लगभग 60 लाख रुपए आंकी गई है। इस मामले में चालक और खलासी को गिरफ्तार किया गया है। घटना के संबंध में पांचग्राम पुलिस ने एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू किया है। ज्ञात हो कि इससे पहले भी हैलाकांदी पुलिस ने भारी मात्रा में यूरिया खाद जब्त किया था।

# राज्यपाल ने महानगर में मोमेंटम नॉर्थईस्ट के दूसरे संस्करण का उद्घाटन किया

**गुवाहाटी ( विभास )।** पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय और डाक विभाग के समर्थन से मोमेंटम नॉर्थ ईस्ट नामक तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया है, जो विभिन्न हितधारकों के लिए नेटवर्क, साझेदारी बनाने, विचारों का आदान-प्रदान करने और एक महान सीखने शिक्षण मंच भी है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन असम और नागालैंड के माननीय राज्यपाल प्रो. जगदीश मुखी ने किया। अपने उद्घाटन भाषण में, राज्यपाल ने उत्तर पूर्व क्षेत्र विशेष रूप से असम की क्षमता के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि हमारे राज्य असम का दुनिया में सबसे बड़ा योगदान चाय का है। यह दुनिया की कुछ सबसे अच्छी और महंगी चाय का उत्पादन करता है। इसके अलावा, पर्यटन एक आर्थिक क्षेत्र के रूप में सामने आया है क्योंकि उत्तर पूर्व आकर्षक पर्यटक अनुभव प्रदान कर रहा है। उत्तर पूर्व क्षेत्र में खाद्य उत्पादों के निर्यात की बहुत बड़ी संभावना है क्योंकि हम बहुत अधिक जैविक खाद्य का उत्पादन कर रहे हैं। हमें इसे विकसित करने के लिए केवल सही प्रकार के प्रोत्साहन की आवश्यकता है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि कैसे प्रधानमंत्री की एक्ट ईस्ट पॉलिसी ने इस क्षेत्र में एक आदर्श बदलाव लाया है जिससे तेजी से विकास हुआ है। डॉ. लक्ष्मणन एस. सचिव, उद्योग और वाणिज्य, असम सरकार ने अपने संबोधन में कहा कि व्यापार और वाणिज्य के अवसरों में वृद्धि हुई है और असम में व्यापार और व्यापार क्षमता पर विचार-विमर्श किया। कर्नल सौरभ सान्याल, सीईओ और महासचिव,पीएचडीसीसीआई, अपने स्वागत भाषण में कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य विभिन्न हितधारकों के लिए साझेदारी और नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म बनाने के लिए हस्तक्षेप की दिशा में काम करना है। क्षेत्र की क्षमता, उपलब्ध व्यावसायिक अवसरों और निवेश और विकास की गुंजाइश का उपयोग करें, बेहतर जागरूकता पैदा करने और उद्योगों और निवेशकों को नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म प्रदान करने के लिए हस्तक्षेप करना, और स्थानीय युवाओं, महिलाओं, गैर सरकारी संगठनों और विकास एजेंसियों को राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों, उद्योगों, विशेषज्ञों और अधिकारियों के साथ बातचीत करने के अवसर प्रदान करना। सम्मानित अतिथि, मिस्टर राहुल अमीन, सहायक उच्चायुक्त और मिशन के प्रमुख, बांग्लादेश सहायक उच्चायुक्त, गुवाहाटी ने अपने संबोधन में कहा कि पूर्वोत्तर में बागवानी, कृषि, खनिज आदि जैसे अपार संसाधनों के साथ बड़ी क्षमता है। बांग्लादेश और उत्तर पूर्व को प्राकृतिक भागीदार कहा जा सकता है क्योंकि हम चार पूर्वोत्तर राज्यों- मेघालय, असम, मिजोरम और त्रिपुरा के साथ साझा सीमाएं साझा करते हैं। हमें उम्मीद है कि हम एक साथ बहुत कुछ हासिल कर सकते हैं। इसके अलावा, हमारे उत्तर पूर्व के साथ ऐतिहासिक संबंध भी हैं, सबसे प्रसिद्ध घटना मुक्ति आंदोलन है जहां 10 मिलियन से अधिक बांग्लादेशियों को पूर्वोत्तर में शरण मिली। जिग्मे थिनली नामग्याल, रॉयल भूटानी, गुवाहाटी, जो इस कार्यक्रम में सम्मानित अतिथि भी थे, ने दोनों देशों के बीच व्यापार संबंधों के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि गुवाहाटी, जो उत्तर पूर्व का प्रवेश द्वार है, भूटान के लोगों के लिए एक चिकित्सा केंद्र भी है क्योंकि देश की दूरी असम के बहुत करीब है। डॉ. जतिंदर सिंह, सहायक महासचिव, पीएचडीसीसीआई ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी भागीदारों, प्रदर्शकों, प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापन दिया। इस आयोजन को संगठनों द्वारा समर्थित किया जा रहा है- खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय, डाक विभाग, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, आयुष मंत्रालय, आउटरीच और संचार ब्यूरो, इंद्रधनुष गैस ग्रिड लिमिटेड, जल शक्ति मंत्रालय का प्रतिनिधित्व केंद्रीय जल आयोग और पूर्वोत्तर क्षेत्रीय जल और भूमि प्रबंधन संस्थान द्वारा किया जाता है, खान मंत्रालय, वस्त्र मंत्रालय, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग का प्रतिनिधित्व नॉर्थ ईस्ट सेंटर फॉर टेक्नोलॉजी एप्लीकेशन एंड रीच द्वारा किया जाता है, भारतीय भू-चुंबकत्व संस्थान और भारतीय सर्वेक्षण संस्थान, पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय का प्रतिनिधित्व पूर्वोत्तर गन्ना और बांस विकास केंद्र, असम सरकार का प्रतिनिधित्व असम औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड और भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक द्वारा किया जाता है। एसएफएसी ने क्षमता निर्माण कार्यशालाओं और सेमिनारों में भाग लेने के लिए पूरे उत्तर पूर्व के किसानों को जुटाकर योगदान दिया। यह कार्यक्रम 20 जनवरी से 23 जनवरी 2023 तक माधबदेव अंतर्राष्ट्रीय सभागार, कलाक्षेत्र में आयोजित किया जा रहा है, जहां कई प्रदर्शकों ने अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने के लिए स्टाल लगाए हैं। तीन दिवसीय एक्सपो में एफपीओ के लिए क्षमता निर्माण सत्र होंगे, ऋण देने और उद्यमिता के लिए बैंकर- लाभार्थी इंटरफेस, पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास के लिए आत्मनिर्भर एफपीओ, आजीविका सृजन के लिए प्रौद्योगिकी हस्तक्षेप-पूर्वोत्तर क्षेत्र पर विशेष ध्यान देने के साथ गन्ना और बांस।

# निरंतर 'रोजगार मेला' हमारी सरकार की पहचान है : प्रधानमंत्री मोदी

**- प्रधानमंत्री ने रोजगार मेले के तहत बांटे 71,000 नियुक्ति पत्र**

**नई दिल्ली, (हि.स.)।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के युवाओं को सशक्त बनाने के लिए उठाए गए कदमों का उल्लेख करते हुए कहा कि रोजगार मेला देश के युवाओं को सशक्त बनाने का प्रयास है। निरंतर हो रहे रोजगार मेले अब हमारी सरकार की पहचान बन गए हैं। यह दिखाता है कि हमारी सरकार जो संकल्प लेती है, उसे सिद्ध करके दिखाती है। प्रधानमंत्री शुक्रवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सरकारी विभागों और संगठनों में भर्ती हुए लगभग 71,000 नवनियुक्तों को नियुक्ति पत्र सौंपने के बाद संबोधित कर रहे थे। इससे पहले प्रधानमंत्री ने नवनियुक्त युवाओं से बातचीत भी की। सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह 2023 का पहला रोजगार मेला है, जो 71 हजार परिवारों के लिए सरकारी रोजगार का अनमोल उपहार लेकर आया है। प्रधानमंत्री ने नए नियुक्त किए गए लोगों को बधाई दी और कहा कि रोजगार के ये अवसर न केवल नियुक्त किए गए लोगों में, बल्कि करोड़ों परिवारों में आशा की नई किरण जगाएंगे। उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में लाखों नए परिवारों को सरकारी नौकरियों में नियुक्त किया जाएगा, क्योंकि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) शासित राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में रोजगार मेले नियमित रूप से आयोजित किए जा रहे हैं। आगे प्रधानमंत्री ने बताया कि असम सरकार ने कल ही रोजगार मेले का आयोजन किया था और बहुत जल्द मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और उत्तराखंड जैसे राज्य इस मेले को आयोजित करने जा रहे हैं। नियमित रोजगार मेले इस सरकार की निशानी बन गए हैं। वे दिखाते हैं कि इस सरकार ने जो भी संकल्प लिया है, वह साकार हुआ है। इसी संदर्भ में प्रधानमंत्री ने कहा कि वे नई नियुक्तियों के चेहरों पर खुशी और संतुष्टि स्पष्ट रूप से देख सकते हैं और ध्यान दिया कि इनमें से अधिकतर उम्मीदवार सामान्य पृष्ठभूमि से आते हैं और कई अपने परिवार में पांच पीढ़ियों में सरकारी नौकरी पाने वाले पहले व्यक्ति हैं। उन्होंने कहा, आपने भर्ती प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर बदलाव महसूस किया होगा। केंद्रीय नौकरियों में भर्ती प्रक्रिया अधिक सुव्यवस्थित और समयबद्ध हो गई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस भर्ती प्रक्रिया की पारदर्शिता और गति आज सरकार के कामकाज के हर पहलू की विशेषता है। मोदी ने उस समय को याद किया, जब नियमित पदोन्नति भी देरी और विवादों में फंस जाती थी। उन्होंने कहा कि इस सरकार ने ऐसे मुद्दों का समाधान किया है और एक पारदर्शी प्रक्रिया सुनिश्चित की है। उन्होंने कहा, पारदर्शी भर्ती और पदोन्नति से युवाओं में विश्वास पैदा होता है।

व्यापार और उद्योग की दुनिया में कहावत है कि उपभोक्ता हमेशा सही होता है कि तुलना करते हुए प्रधानमंत्री ने नवनियुक्त युवाओं को शासन व्यवस्था के लिए ह्यनागरिक हमेशा सही होता है का मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि 'नागरिक हमेशा सही होता है' के समान मंत्र को प्रशासन में लागू किया जाना चाहिए। यह सेवा-भाव की भावना को जन्म देता है और इसे मजबूत भी करता है।आईजीओटी कर्मयोगी प्लेटफॉर्म पर कई सरकारी सेवकों के ऑनलाइन कोर्स करने का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आधिकारिक प्रशिक्षण के अलावा इस प्लेटफॉर्म पर व्यक्तिगत विकास के कई पाठ्यक्रम हैं। उन्होंने कहा कि आज की पीढ़ी के लिए प्रौद्योगिकी के माध्यम से स्व-अध्ययन एक अवसर है। मोदी ने अपना उदाहरण देते हुए कहा कि उन्होंने अपने अंदर के छात्र को कभी मरने नहीं दिया। उन्होंने कहा, स्वयं सीखने की प्रवृत्ति से शिक्षार्थी, उसके संस्थानों और भारत की क्षमताओं में भी सुधार होगा। मोदी ने जोर देकर कहा, तेजी से बदलते भारत में रोजगार और स्वरोजगार के अवसरों में लगातार सुधार हो रहा है। तेज विकास से स्वरोजगार के अवसरों का व्यापक विस्तार होता है।

आज का भारत यह देख रहा है। प्रधानमंत्री ने बताया कि देश में ढांचागत विकास के समग्र दृष्टिकोण के साथ पिछले आठ वर्षों में रोजगार के लाखों अवसर सृजित किए गए हैं। उन्होंने इंफ्रास्ट्रक्चर में सौ लाख करोड़ के निवेश का उदाहरण दिया और इस बात पर जोर दिया कि कैसे एक नई बनी सड़क रास्ते में रोजगार के अवसर पैदा करती है। प्रधानमंत्री ने उल्लेख किया कि नए बाजार नई सड़कों या रेलवे लाइनों की परिधि के साथ उभरते हैं और पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ-साथ खेत से खेत तक खाद्यान्न का परिवहन बहुत आसान बनाते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, इन सभी संभावनाओं ने रोजगार के अवसरों को जन्म दिया है। हर गांव में ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी प्रदान करने की भारतनेट परियोजना का उल्लेख करते हुए, प्रधानमंत्री ने इस कनेक्टिविटी के होने पर रोजगार के नए अवसरों पर प्रकाश डाला। प्रधानमंत्री ने कहा कि यहां तक कि जो लोग तकनीक के जानकार नहीं हैं, वे भी इसके लाभों को समझें। इसने गांवों में ऑनलाइन सेवाएं प्रदान करके उद्यमिता का एक नया क्षेत्र खोला है। मोदी ने टियर 2 और टियर 3 शहरों में फलते-फूलते स्टार्ट-अप दृश्य का भी उल्लेख किया और कहा कि इस सफलता ने दुनिया में युवाओं के लिए एक नई पहचान बनाई है।

# राहुल गांधी ने कठुआ से बारिश के बीच भारत जोड़ो यात्रा शुरू की

**जम्मू, (हि.स.)।** जम्मू-कश्मीर में शुक्रवार को भारत जोड़ो यात्रा का दूसरा दिन है। भारत जोड़ो यात्रा बारिश के बीच भी कठुआ के हटली मोड़ से शुरू हो गई है। कड़ाके की ठंड के बीच राहुल गांधी की यात्रा सुबह 8 बजे हटली मोड़ से शुरू हुई जो अरोडिया तक चलेगी। इस बीच राहुल गांधी से 16 प्रतिनिधिमंडल भी मुलाकात करेंगे। यात्रा में शामिल लोगों में उत्साह देखने को मिल रहा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में कन्याकुमारी से शुरू हुई भारत जोड़ो यात्रा गुरुवार शाम जम्मू -कश्मीर पहुंची। पंजाब को जम्मू-कश्मीर से जोड़ने वाले रावी पुल को पार कर यात्रा प्रदेश की धरती पर पहुंची थी। इस मौके पर नेकां नेता फारूख अब्दुल्ला, शिवसेना नेता संजय राउत, जम्मू-कश्मीर कांग्रेस प्रभारी रजनी पाटिल, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विकार रसूल वानी सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने यात्रा का स्वागत किया था।

भारत जोड़ो यात्रा के जम्मू-कश्मीर के कठुआ पहुंचने पर लोगों को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा था कि हिन्दुस्तान के सामने नफरत, हिंसा, बेरोजगारी और महंगाई सबसे बड़े मुद्दे हैं। सरकार ने इस देश को रोजगार देने वाले छोटे मध्यम व्यवसायियों को खत्म कर दिया है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि भारत के गरीब लोगों व युवाओं के अधिकारों पर हमला हो रहा है। किसानों पर आक्रमण हो रहा है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों ने बहुत दुःख देखे हैं, मैं यहां मोहब्बत बांटने आया हूं।

# बाल विवाह से डिप्रेशन तक छात्रों का साथ देकर मेंटर्स संवार रही हैं भविष्यः सिसोदिया

**नई दिल्ली (ईएमएस)।** देश का मेंटर कार्यक्रम नए आयाम छू रहा है। मेंटरिंग का प्रभाव यह हुआ है कि एक मेंटर ने अपनी छात्र का बाल विवाह रुकवा दिया। एक बच्ची जिसे 12वीं के बाद आगे भविष्य में क्या करना है उसके विषय में कोई भी जानकारी नहीं थी। ऐसे में उसने मेंटरिंग पाकर मेहनत की और आज आईजीडीटीयूडब्ल्यू जैसे प्रतिष्ठित संस्थान से न केवल बीटेक की पढ़ाई कर रही है बल्कि चार बच्चों की मेंटर भी है। ये बातें शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया ने गुरूवार को इंदिरा गांधी दिल्ली टेक्निकल यूनिवर्सिटी फार वीमेन (आईजीडीटीयूडब्ल्यू) सभागार में दिल्ली बाल अधिकार संरक्षण आयोग (डीसीपीसीआर) द्वारा आयोजित देश के मेंटर कान्क्लेव-2023 में कहीं। सिसोदिया ने कहा कि देश का पढ़ा-लिखा युवा चाहता है कि उसने जो सीखा उसे स्कूलों में पढ़ने वाले अन्य बच्चों को भी सिखा सकें। उन्हें भविष्य की राह दिखा सकें। सिसोदिया ने उल्लेखनीय बदलाव लाने वाले मेंटर्स से उनके मेंटरिंग के अनुभवों को जाना और उन्हें सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि मेंटर्स इस बात का ध्यान रखें कि वह सिर्फ किसी एक बच्चे को भविष्य की राह नहीं दिखा रहे हैं बल्कि देश के भविष्य को संवार रहे हैं। कार्यक्रम में आईजीडीटीयूडब्ल्यू की कुलपति अमिता देव डीसीपीसीआर के अध्यक्ष अनुराग कुंडू अतिरिक्त शिक्षा निदेशक रीता शर्मा भी उपस्थित थीं। कुछ सफल कहानियां-दिल्ली सरकार के सर्वोदय विद्यालय विजय विहार स्कूल की पूर्व छात्रा दीप्ति गुप्ता को भौतिकी विषय में काफी संघर्ष करना पड़ा। आईजीडीटीयूडब्ल्यू में पढ़ने वाली उसकी दोस्त तान्या दीक्षित ने दीप्ति को भौतिकी में 98 पर्सेंटाइल स्कोर हासिल करने में मदद की। संसाधनों प्रश्नपत्रों यू-ट्यूब चैनल के साथ दोस्त तान्या की समय पर मदद से दीप्ति ने अच्छे अंक स्कोर किए। फिलहाल वह भी आइजीडीटीयूडब्ल्यू में कंप्यूटर विज्ञान की पढ़ाई कर रही हैं। वहीं शालीमार बाग स्थित राजकीय प्रतिभा विकास विद्यालय की पूर्व छात्रा गायत्री ने कहा कि वह परीक्षा के तनाव और चिंता से जूझ रही थी। ऐसे में उनकी मेंटर प्रेक्षा गुप्ता ने उनकी दोस्त और संरक्षक बनकर उन्हें तनावमुक्त करने में मदद की। प्रेक्षा ने गायत्री की बोर्ड परीक्षाओं में मदद की। गायत्री आज आइजीडीटीयूडब्ल्यू की छात्रा हैं और यहां से कंप्यूटर साइंस में इंजीनियरिंग कर रही हैं।

# चार्जशीट सार्वजनिक करना किसी के हित में नहीं: सुप्रीम कोर्ट

**नई दिल्ली, (हि.स.)।** सुप्रीम कोर्ट ने जांच एजेंसी की तरफ से दाखिल होने वाली चार्जशीट को वेबसाइट पर सार्वजनिक किए जाने का आदेश देने से इनकार कर दिया है। याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका के समर्थन में 24 घंटे के अंदर एफआईआर अपलोड करने के सुप्रीम कोर्ट के पुराने फैसले का हवाला दिया था। कोर्ट ने कहा कि हमने इससे पहले एफआईआर को वेबसाइट पर डालने का आदेश दिया था। लेकिन चार्जशीट की कॉपी सार्वजनिक करना अपराध प्रक्रिया संहिता मुताबिक सही नहीं है। उसे खुद कोर्ट आरोपी को उपलब्ध करवाता है। कोर्ट ने कहा कि एफआईआर की तुलना चार्जशीट से नहीं की जा सकती। चार्जशीट सार्वजनिक करना पीड़ित, आरोपी, जांच एजेंसी किसी के हित में नहीं होगा।

# केजरीवाल के आरोपों पर एलजी ने जताया कड़ा एतराज

**नई दिल्ली (ईएमएस)।** बीते दिनों दिल्ली विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा एलजी पर कई आरोप लगाए थे। अब एलजी को लेकर कहे गए अपशब्दों पर उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने कड़ा एतराज जताते हुए चार पेजों का एक पत्र लिखा है। एलजी ने लैटर में लिखा - मीडिया रिपोर्टों के माध्यम से मेरे संज्ञान में आया है कि आपने पिछले कुछ दिनों में मेरे बारे में कई बयान दिए हैं जो कि गंभीर और अपमानजनक हैं। जैसे कि आपने कहा- एलजी कौन है और वह कहां से आया आदि.. इनका उत्तर दिया जा सकता है। यदि आप देश के संविधान को देखें तो इनका जवाब देने की जरूरत नहीं है। आपके बयान निम्न स्तर के हैं। उन्होंने आगे लिखा कि मुझे मुझे मीडिया के जरिए पता चला कि सोमवार (16.01.2023) को आप विधानसभा छोड़कर अन्य लोगों के साथ मिलकर राजनिवास के बाहर मुझसे मिलने की डिमांड को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। इसके बाद मैंने आपको बुलाया और उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया मुझसे मिलने आए थे। एलजी ने सीएम केजरीवाल के शिक्षा के दावों पर अंगुली उठाते हुए कहा कि दिल्ली के स्कूलों में बच्चों की संख्या गिरी है जो कि चिंताजनक है। 2013-2014 सत्र में जहां 16.1 लाख बच्चे पंजीकृत हुए थे वहीं 2019-20 सत्र में 15.1 लाख बच्चे पंजीकृत हुए हैं। दिल्ली की जनसंख्या लगातार बढ़ रही है और छात्रों की संख्या का गिरना निराशाजनक है।

# कोलकाता में कई राज्यों के बुद्धिजीवियों से मिले संघ प्रमुख भागवत

**कोलकाता,(हि.स.)।** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने बंगाल प्रवास के दूसरे दिन गुरुवार को कोलकाता में समाज के विभिन्न क्षेत्रों के बुद्धिजीवियों के साथ मुलाकात की। संघ सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, कोलकाता के राजरहाट स्थित एक परिसर में आयोजित मुलाकात कार्यक्रम में बंगाल के अलावा बिहार, झारखंड, ओडिशा व पूर्वोत्तर राज्यों से कई बुद्धिजीवी उनसे मिलने पहुंचे थे। संघ प्रमुख ने इन लोगों से मिलकर राज्य व देश की मौजूदा परिस्थितियों पर चर्चा की। सूत्रों के अनुसार, इससे पहले भागवत ने संघ के प्रदेश कार्यालय केशव भवन में दिन में संघ की छात्र इकाई अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद और उन्मेष के सदस्यों के साथ बैठक कर संगठनात्मक मुद्दों पर चर्चा की। इसमें कई शोधार्थी छात्र भी थे जो संगठन से जुड़कर काम कर रहे हैं। बता दें कि इससे पहले बुधवार सुबह कोलकाता दौरे पर पहुंचने के बाद भागवत ने हुगली जिले के चुंचुड़ा चौक बाजार इलाके में स्थित वंदे मातरम् भवन का दौरा किया था और बंद कमरे में संघ पदाधिकारियों के साथ बैठक की थी। उल्लेखनीय है कि भागवत 23 जनवरी तक कोलकाता के दौरे पर रहेंगे। वे 23 को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर कोलकाता के शहीद मीनार मैदान में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में हजारों स्वयंसेवकों को भी संबोधित करेंगे। इस साल उनका यह पहला बंगाल दौरा है। पांच दिन के दौरे के दौरान वह यहां कई संगठनात्मक बैठक करेंगे और समाज के विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित हस्तियों से मिलेंगे।

# अब भारतीय सेना में महिलाओं को भी मिलेगा बड़ा ओहदा पुरुषों के बाराबर खड़ी होंगी महिलाएं

**- सेना में 108 महिला अफसरों को मिलेगा कर्नल रैंक**

**नई दिल्ली (ईएमएस)।** अब भारतीय सेना में महिलाओं को भी बड़ा ओहदा मिलेगा। पुरुषों के बाराबर महिलाएं भी खड़ी होंगी। भारतीय सेना में तैनात महिला अधिकारियों को अब कर्नल के पद पर प्रमोशन मिल सकता है। यह पहला मौका होगा जब महिलाएं आर्मी यूनिट्स को लीड करेंगी। इस पद पर 108 महिला अधिकारियों का प्रमोशन हो सकता है। आपको बता दें कि सेना मुख्यालय में लेफ्टिनेंट कर्नल पद से कर्नल के पद के लिए प्रमोशन चल रहा है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार 9 जनवरी से महिला अधिकारी विशेष संख्या-3 चयन बोर्ड की कार्रवाई चल रही है। इस प्रमोशन का मतलब महिलाओं को पुरुषों के बराबर लाना है। असल में साल 1992 से 2006 के बैच की 108 रिक्तियों के खिलाफ 244 महिला अधिकारियों के प्रमोशन पर विचार किया जा रहा है। इनमें इंजीनियर्स सिग्नल आर्मी एयर डिफेंस इंटेलिजेंस कोर आर्मी ऑर्डिनेंस कोर और इलेक्ट्रिकल सहित विभिन्न हथियारों और सेवाओं में शामिल अफसर शामिल हैं।

मिली जानकारी के अनुसार सबसे अधिक 28 वैकेंसी कोर ऑफ इंजीनियर्स विभाग में हैं। इसके लिए 65 महिलाओं पर विचार किया जा रहा है। इसके बाद सेना आयुध कोर और इलेक्ट्रिल-मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बारी-बारी से 19 और 21 रिक्तियां हैं। यहां प्रत्येक में कर्नल पद के लिए 47 महिला अधिकारियों पर विचार चल रहा है। सूत्रों ने आगे बताया कि आर्मी एयर डिफेंस में 3 वैकेंसी के लिए 7 महिला अधिकारियों और इंटेलिजेंस कॉर्प्स में 5 वैकेंसी के लिए भी 7 महिला अधिकारियों पर विचार किया जा रहा है। वहीं आर्मी सर्विस कॉर्प्स और कॉर्प्स ऑफ सिगनल्स में 14 और 18 वैकेंसी के लिए क्रमशः 29 और 42 महिला अधिकारियों पर विचार किया जा रहा है। एक सीनियर अधिकारी ने खुशी जताते हुए कहा कि वह काफी प्रसन्न महसूस कर रही हैं। हालांकि यह देरी से आया लेकिन आखिरकार आ ही गया। अधिकारी ने आगे कहा कि हमारी कड़ी मेहनत और हठ के चलते यह मुमकिन हुआ है। यह ऐसा दिन है जिसका हम बेसब्री से इंतजार कर रहे थे।

# जयशंकर ने श्रीलंकाई विदेश मंत्री से की मुलाकात

**नई दिल्ली,(हि.स.)।** विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कोलंबो में श्रीलंकाई विदेश मंत्री अली साबरी से मुलाकात की है। इस दौरान उन्होंने कनेक्टिविटी, ऊर्जा, उद्योग और स्वास्थ्य में भारत-श्रीलंका सहयोग पर चर्चा की। विदेश मंत्री जयशंकर ने ट्वीट कर बताया कि आज शाम कोलंबो में विदेश मंत्री अली साबरी और अन्य मंत्रिस्तरीय सहयोगियों के साथ एक अच्छी बैठक हुई। बुनियादी ढांचे, कनेक्टिविटी, ऊर्जा, उद्योग और स्वास्थ्य में भारत-श्रीलंका सहयोग पर चर्चा की। आर्थिक सुधार में तेजी लाने के लिए श्रीलंका में निवेश प्रवाह बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि कल सुबह नेतृत्व के साथ मेरी चर्चा की प्रतीक्षा है।

# बैंक लोन घोटाला : वीडियोकोन समूह के अध्यक्ष वेणुगोपाल धूत को मिली जमानत

**मुंबई, (हि.स.)।** बॉम्बे हाई कोर्ट ने आईसीआईसीआई-वीडियोकॉन ऋण धोखाधड़ी (बैंक लोन घोटाला) मामले में वीडियोकॉन समूह के अध्यक्ष वेणुगोपाल धूत को शुक्रवार को जमानत दे दी है। हाईकोर्ट की न्यायाधीश रेवती मोहिते ढेरे और न्यायाधीश पीके चव्हाण की खंडपीठ ने यह आदेश जारी किया है। वेणुगोपाल की जमानत याचिका पर 13 जनवरी को सुनवाई के बाद खंडपीठ ने फैसला सुरक्षित रखा था। इससे पहले इसी खंडपीठ ने आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व एमडी और सीईओ चंदा कोचर और उनके पति दीपक कोचर को 9 जनवरी को जमानत दी थी। सेंट्रल इंवेस्टिगेशन ब्यूरो (सीबीआई) ने बैंक लोन घोटाला मामले में पहले चंदा कोचर औ उनके पति दीपक कोचर को गिरफ्तार किया था। इसके बाद सीबीआई ने वेणुगोपाल धूत की 26 दिसंबर को गिरफ्तारी की गई थी। चंदा कोचर और दीपक कोचर को जमानत मिलने के बाद आज वेणुगोपाल धूत को भी जमानत मिल गई है। दरअसल, सीबीआई का आरोप है कि 2012 में चंदा कोचर के नेतृत्व में आईसीआईसीआई बैंक ने वीडियोकॉन ग्रुप को 3250 करोड़ रुपये का कर्ज दिया। उसके बाद वेणुगोपाल धूत की अध्यक्षता वाली सुप्रीम एनर्जी ने मैसर्स न्यूपॉवर रिन्यूएबल्स को 64 करोड़ रुपये का कर्ज दिया। इस कंपनी में दीपक कोचर की 50 फीसदी हिस्सेदारी थी। आईसीआईसीआई बैंक और वीडियोकॉन के शेयरधारक अरविंद गुप्ता ने प्रधानमंत्री, रिजर्व बैंक और सेबी को पत्र लिखकर विस्तार से बताया कि किस तरह वीडियोकॉन के चेयरमैन वेणुगोपाल धूत को आईसीआईसीआई की सीईओ और एमडी चंदा कोचर ने लोन मामले में फायदा पहुंचाया। अरविंद गुप्ता के पत्र के बाद इस मामले की गहन छानबीन सीबीआई कर रही है।

# सीएम सोरेन की शेल कंपनियों के जरिए अवैध धन को ठिकाने लगाने में मदद करते थे अमित अग्रवाल

**नई दिल्ली (ईएमएस)।** केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने बताया कि उसने अमित कुमार अग्रवाल और कोलकाता पुलिस (हरे स्ट्रीट पुलिस स्टेशन) के अज्ञात अधिकारियों सहित अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोप है कि अग्रवाल झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की शेल कंपनियों के जरिए अवैध रूप से कमाये गए धन को ठिकाने लगाने में मदद करते थे। मामला दर्ज करने के बाद झारखंड और कोलकाता में कथित अभियुक्तों के परिसरों की तलाशी ली गई। सीबीआई ने कहा कि इससे पहले झारखंड हाईकोर्ट के आदेश पर प्रारंभिक जांच की गई थी। हाईकोर्ट ने सीबीआई को निर्देश दिया था कि वह न्यायपालिका ईडी अधिकारियों और अन्य सरकारी अधिकारियों को बदनाम करने के आरोपी के आचरण की प्रारंभिक जांच करे। अधिकारी ने कहा जांच से पता चला है कि आईपीसी की संबंधित धाराओं भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम आदि के तहत प्रथम दृष्टया अपराध बनता है। इसलिए एक मामला दर्ज किया गया। हाईकोर्ट ने सीबीआई को न्यायपालिका ईडी अधिकारियों और अन्य सरकारी अधिकारियों को बदनाम करने के लिए अमित कुमार अग्रवाल के आचरण की प्रारंभिक जांच करने का निर्देश दिया विशेष रूप से हरे स्ट्रीट पीएस मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम मामले पर विचार किया जिसमें अग्रवाल शिकायतकर्ता थे। रांची में झारखंड उच्च न्यायालय के समक्ष शिव शंकर शर्मा ने अपने वकील राजीव कुमार के माध्यम से रिट याचिका दायर की थी जिसमें आरोप लगाया था कि अग्रवाल अन्य लोगों के साथ झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और अन्य के अवैध धन को विभिन्न शेल कंपनियों के माध्यम से सफेद करने में शामिल थे। सोरेन सीएम और खान और उद्योग विभाग के मंत्री (वे वन मंत्री भी थे और उन्होंने नए पट्टे के लिए पर्यावरण मंजूरी प्राप्त की थी) द्वारा अधिग्रहित खनन पट्टे से संबंधित सोरेन और निलंबित आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल के खिलाफ एक और जनहित याचिका दायर की गई थी। दोनों जनहित याचिकाओं को हाईकोर्ट ने क्लब कर दिया था। सीबीआई की जांच में खुलासा हुआ कि इससे पहले मार्च 2022 में तत्कालीन डीसी रांची के माध्यम से अग्रवाल द्वारा जनहित याचिकाओं के संबंध में राजीव कुमार को प्रभावित करने का प्रयास किया गया था। अग्रवाल ने 31 जुलाई 2022 को हरे स्ट्रीट थाने में राजीव कुमार और शिव शंकर शर्मा के खिलाफ अवैध रूप से 10 करोड़ रुपए की रिश्वत मांगने और जनहित याचिका खारिज करने के लिए जबरन वसूली करने की शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज कर लिया। अग्रवाल ने राजीव कुमार को पहले 13 जुलाई और फिर 31 जुलाई को किसी सोनू अग्रवाल के जरिए रांची से कोलकाता बुलाया और पीआईएल खारिज कराने के लिए पैसे लेने के लिए उकसाया। अग्रवाल ने दावा किया कि उन्होंने राजीव कुमार के साथ अपनी कॉल रिकॉर्ड की थी। सीबीआई ने कहा- अग्रवाल ने राजीव कुमार को न्यायाधीशों के साथ अपने अच्छे संपर्कों का उपयोग करने और पीआईएल मामले को खारिज करने के लिए कहा और उन्हें पैसे की पेशकश भी की और उसी के लिए आवश्यक धनराशि के बारे में पूछा। अग्रवाल ने 31 जुलाई को राजीव कुमार को फोन किया और राजीव कुमार को 50 लाख रुपए थमा कर कोलकाता पुलिस से फंसाया। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि हरे स्ट्रीट पीएस द्वारा अग्रवाल की शिकायत के आधार पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम का मामला दर्ज किया गया था यहां तक कि भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं को लागू करने से पहले प्राथमिकी में किसी लोक सेवक या अज्ञात लोक सेवक के नाम का उल्लेख नहीं किया गया था। सीबीआई जांच से पता चला कि अग्रवाल द्वारा हरे स्ट्रीट पीएस को दी गई जानकारी झूठी थी और न्यायिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने के इरादे से राजीव कुमार को रिश्वत दी गई थी।

# सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने दिल्ली में मशहूर शायर वसीम बरेलवी से की मुलाकात

**लखनऊ, (हि.स.)।** समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष व उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव शुक्रवार को दिल्ली दौरे पर पहुंचे। यहां उन्होंने मशहूर शायर वसीम बरेलवी से मुलाकात की और हालचाल जाना। उल्लेखनीय है कि बीते दिनों प्रसिद्ध शायर वसीम बरेलवी उप्र के हापुड़ में सड़क हादसे का शिकार हो गए थे। गनीमत रही कि इस हादसे में वह बाल-बाल बच गए और चोटिल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां उपचार के बाद वह दिल्ली चले गए थे। आज सपा मुखिया अखिलेश यादव तेलंगाना दौरे से वापस लौटकर दिल्ली लौटे। जहां वे शायर वसीम बरेलवी का हालचाल लेने पहुंचे। सपा अध्यक्ष ने शायर का हालचाल लेते हुए उनके जल्द स्वस्थ होने की बात कही। इस दौरान वह उनके परिजनों से भी मिले।

# निवेश का हब बन रहा उत्तर प्रदेश : असीम अरुण

**लखनऊ,(हि.स.)।** समाज कल्याण विभाग एवं अनुसूचित जाति वित्त विकास निगम की ओर से गोमतीनगर स्थित एक होटल में शुक्रवार को उत्तर प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स मीट-2023 का आयोजन किया गया। यहां निवेशकों और उद्यमी की मौजूदगी में मुख्य अतिथि समाज कल्याण विभाग के मंत्री असीम अरुण ने कहा कि यूपी को एक ट्रिलियन और भारत को पांच ट्रिलियन इकोनॉमी बनाने के लिए निवेशकों का योगदान महत्वपूर्ण है। प्रदेश के युवा अब सरकारी नौकरी पर ही निर्भर नहीं हैं बल्कि आज वह जॉब सीकर से जॉब क्रिएटर बन गए हैं। इस तरह वे प्रदेश और देश के विकास में समान योगदान दे रहे हैं। समाज कल्याण मंत्री ने कहा कि सरकार की आर्थिक प्रगति की योजनाओं में सामाजिक न्याय और भागीदारी का अंश मौजूद है। केंद्र और प्रदेश के नेतृत्व में यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के द्वारा समावेशी विकास की अवधारणा को फलीभूत किया जा रहा है।

अरुण ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश को अपराधमुक्त बनाने के साथ ही आधारभूत संरचना जैसे हाईवे, एक्सप्रेस वे, रेल यातायात को सुगम बनाकर निवेश के लिए उत्तम माहौल विकसित किया गया है। प्रदेश सरकार की पारदर्शी नीतियों, सुधारों और सुदृढ़ कानून व्यवस्था के माध्यम से यूपी भारत के सर्वाधिक पसंदीदा निवेश गंतव्य के रूप में उभर रहा है और निवेश का हब बन गया है। राज्य मंत्री समाज कल्याण संजीव कुमार गोंड ने बताया कि जनजाति के उद्यमी भी अब प्रदेश के विकास में अपनी भूमिका निभा रहे हैं। उप्र अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम लिमिटेड के चेयरमैन लालजी निर्मल ने अवगत कराते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना (पीएम-अजय) प्रारंभ की गई है। इससे प्रदेश के लोगों को रोजगार देने के साथ ही उद्यमी भी बनाया जा रहा है।

# भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और मुख्यमंत्री ने कालभैरव और काशी विश्वनाथ मंदिर में लगाई हाजिरी

**-रास्ते में रूककर चाय की चुस्कियां लीं और दुकानदार से कहा अच्छी चाय बनाई**

**वाराणसी, (हि.स.)।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने दो दिवसीय वाराणसी दौरे के अन्तिम दिन शुक्रवार को काशी के कोतवाल बाबा कालभैरव और बाबा विश्वनाथ के दरबार में विधिवत हाजिरी लगाई। बाबा कालभैरव के दरबार में दर्शन पूजन के बाद भाजपा अध्यक्ष और मुख्यमंत्री ने रास्ते में रूक कर बटुक सरदार के चाय की दुकान पर खड़े होकर बनारसी अंदाज में चाय मांगी और कुल्हण में चाय की चुस्कियां लीं। चाय पीने के बाद दुकानदार की तारीफ कर कहा कि चाय अच्छी बनी है। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ता हर-हर महादेव के उद्घोष के साथ भाजपा अध्यक्ष और मुख्यमंत्री का अभिवादन भी करते रहे। इसके पहले सर्किट हाउस से भाजपा अध्यक्ष और मुख्यमंत्री वाहनों के काफिले से मंदिर में दर्शन पूजन के लिए रवाना हुए। लहुराबीर चौराहे पर एवं मैदागिन (मैदागिन-चौक मार्ग पर टाउनहाल मैदान के मुख्य द्वार के सामने) पर काफिला के पहुंचते ही भाजपा कार्यकर्ताओं ने शंख ध्वनि के साथ पुष्प वर्षा कर राष्ट्रीय अध्यक्ष का स्वागत किया। दर्शन पूजन के बाद भाजपा अध्यक्ष और मुख्यमंत्री पुलिस लाइन से हेलिकॉप्टर से गाजीपुर के लिए प्रस्थान करेंगे। गाजीपुर में पौहारी बाबा आश्रम में दर्शन पूजन के बाद वहां आयोजित बूथ समिति की बैठक में दोनों नेता भाग लेंगे। इसके बाद गाजीपुर के बंसी बाजार स्थित नंद रेसीडेंसी में पूर्व सैनिकों के साथ संवाद और उनका सम्मान करेंगे। अपरान्ह में आईटीआई मैदान, गाजीपुर में आयोजित जनसभा को संबोधित करेंगे। भाजपा काशी क्षेत्र के मीडिया प्रभारी नवरतन राठी ने बताया कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा अपराह्न तीन बजे गाजीपुर के जिला भाजपा कार्यालय पहुंचेंगे। वहां वह लोकसभा संचालन समिति एवं जिला पदाधिकारियों की बैठक में भाग लेंगे। इसके बाद अपरान्ह 3.30 बजे गाजीपुर हैलीपैड से रवाना होकर चार बजे बाबतपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे। जहां से वे नई दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगे।

# सियासत में यूपी के पूर्वांचल की भी है खास अहमियत

**वाराणसी, (हि.स.)।** केंद्र की सत्ता पर कायम रहने के लिए सियासत में उत्तर प्रदेश खास कर पूर्वांचल की भी खास अहमियत है। भाजपा ने पूर्वांचल के साथ प्रदेश में दमदार उपस्थिति के साथ सत्ता पाने के लिए 2014 के लोकसभा चुनाव से ही मिशन मोड में सियासी पत्ते बिछाने के साथ धुआंधार रैलियां, जनसम्पर्क और रोडशो किया था। इसका सुखद परिणाम भी पार्टी को मिला। लगभग एक दशक से पार्टी केंद्र की राजनीति में काबिज है। केंद्र की सत्ता में हैट्रिक लगाने के लिए भाजपा मिशन 2024 के लोकसभा चुनाव को देख चुनाव प्रचार में कुछ इसी तरीके से फिर गाजीपुर से शुरूआत कर रही है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा अपने कार्यकाल के विस्तार के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ शुक्रवार को गाजीपुर के आईटीआई मैदान में जनसभा कर पार्टी के तूफानी चुनाव प्रचार का शंखनाद कर रहे हैं। पिछले चुनावी नतीजे देखें तो गाजीपुर सीट भाजपा के लिए टेढ़ी खीर ही रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस सियासी चुनौती को स्वीकार कर पार्टी के जीत के लिए काफी परिश्रम किया था। प्रधानमंत्री बनने से पहले वह लोकसभा चुनाव 2014 के दौरान मतदान के ठीक दो दिन पूर्व रौजा स्थित गोशाला के मैदान में आए थे और उस समय के भाजपा प्रत्याशी मनोज सिन्हा के लिए जनसभा में समर्थन मांगा था। मनोज सिन्हा ने गाजीपुर लोकसभा सीट से 1996, 1999 और 2014 के चुनाव में जीत दर्ज की थी। प्रधानमंत्री मोदी ने वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में गाजीपुर के आरटीआई मैदान में जनसभा को संबोधित किया था, लेकिन चुनाव परिणाम आशा के अनुकूल नहीं आया। बसपा के अफजाल अंसारी ने भाजपा उम्मीदवार मनोज सिन्हा को शिकस्त दे दी। मनोज सिन्हा तब केंद्र में मंत्री थे। उस चुनाव में बसपा का सपा से गठबंधन भी रहा। चुनाव में विकास बनाम विनाश का नारा भी खूब उछला था। उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव 2022 में भी भाजपा के तमाम प्रयासों के बावजूद गाजीपुर की सभी सात सीटों पर सपा गठबंधन ने क्लीन स्वीप करते हुए बड़ी जीत दर्ज की। सपा ने पांच और सुभासपा ने दो सीटों पर जीत का परचम लहराया था। जिले के इतिहास में पहली बार सपा-सुभासपा गठबंधन ने भाजपा गठबंधन को हराकर सातों सीटों पर जीत हासिल की थी।

# बिजनौर में निवेश के लिए आगे आए 120 उद्यमी, 20 हजार को मिलेगा रोजगार

**- जिले में 23 जनवरी को आयोजित की जा रही है इन्वेस्टर्स समिट**

**बिजनौर,( हि.स.)।** जनपद में आगामी 23 जनवरी को आयोजित होने वाली इन्वेस्टर्स समिट के संबंध में जिलाधिकारी उमेश मिश्रा ने शुक्रवार को मीडिया के साथ वार्ता की। जिलाधिकारी ने बताया कि अभी तक 120 उद्यमियों ने रुपये 4500 करोड़ के निवेश जनपद में करने के लिए पंजीयन कराया है जिससे करीब 20 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा। इन्वेस्टर समिट के लिए लोगो भी जारी किया। कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा विदुर सभागार में मीडिया से वार्ता कर जिलाधिकारी ने बताया कि नई पर्यटन नीति 2022 में 25 से 30 प्रतिशत तक की सब्सिडी का प्रावधान है। प्रशासनिक स्तर से तहसील स्तर पर उद्यमियों से वार्ता कर उन्हें निवेश करने के लिए प्रोत्साहित व प्रेरित किया जा रहा है। प्रदेश व जनपद में सुरक्षा का माहौल है निवेश के लिए उपयुक्त है। जिलाधिकारी उमेश मिश्रा ने कहा कि बिजनौर विकास की नई गाथा लिखेगा। उन्होंने कहा कि एनसीआर क्षेत्र में सबसे असीम संभावनाओं वाला जनपद बिजनौर है। यह ऐतिहासिक, पौराणिक, प्राकृतिक व सांस्कृतिक दृष्टि से बहुत समृद्ध है। बताया कि विकास भवन में उद्यमियों की विभिन्न समस्याओं के निस्तारण व निवेश से संबंधित अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने व अन्य विषय के लिए एकल खिड़की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि जहां उद्यमिता होती है, वहां आमजन का जीवन स्तर भी ऊंचा होता है। बिजनौर के युवा को जनपद से बाहर नौकरी के लिए ना जाना पड़े इसके लिए सबको मिलकर प्रयास करने दें। उन्होंने कहा उद्यमी नई सोच के साथ आगे बढ़े, उन्हें पूर्ण सहयोग प्रदान किया जायेगा। जिलाधिकारी ने बताया कि चांदपुर बस अड्डे का नाम गुरु द्रोणाचार्य के नाम पर द्रोणाचार्य बस अड्डा रखा गया है। साथ ही ऋषि कण्व आश्रम के बेहतर संचालन के लिए कमेटी का गठन भी किया जा रहा है। बताया कि जनपद स्तर पर जहर मुक्त माटी, नशा मुक्त मानव अभियान भी चलाया जा रहा है, जिसके सकारात्मक परिणाम देखने को मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि इज ऑफ डूइंग बिजनेस से उद्यम को बढ़ावा मिलेगा। पुलिस अधीक्षक दिनेश सिंह ने कहा कि पहले दिल्ली और मुंबई में ऐसा होता था अब जनपद में तहसील स्तर पर उद्यमियों को निवेश करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जनपद में पुलिस विभाग द्वारा इन्वेस्टर सेल का गठन भी कर दिया गया है। जनपद व प्रदेश में सुरक्षा का माहौल है, उद्यमियों को पूर्ण सुरक्षा व अनुकूल माहौल प्रदान किया जाएगा। मुख्य विकास अधिकारी पूर्ण बोरा ने बताया कि अभी तक 120 उद्यमियों ने 4500 करोड़ रुपये निवेश के लिए पंजीयन कराया है, जिससे करीब 20 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा। इस अवसर पर उपायुक्त उद्योग लोकेंद्र कुमार सहित अन्य अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

# दिसंबर 2023 के 52 मुकदमे में 75 आरोपितों को दिलाई गई कोर्ट से सजा

**- पीड़ितों को न्याय दिलाने में पुलिस करे प्रयास : डीआइजी**
**- तीनों जिलों की पुलिस ने न्यायालय में लगातार की पैरवी**

**मीरजापुर, (हि.स.)।** डीआइजी आरपी सिंह के निर्देश पर अपराधियों को उनके गुनाह की सजा दिलाने के लिए लोक अभियोजन की ओर से मजबूत पैरवी की गई। पुलिस ने वैज्ञानिक विवेचना, अचूक साक्ष्य संकलन एवं त्वरित विवेचनात्मक कार्यवाही कर आरोपितों के विरुद्ध आरोप पत्र न्यायालय को प्रेषित किया। इसका परिणाम रहा कि अभियोजक पक्ष की ओर से 52 मुकदमों में 75 आरोपितों को न्यायालय से सजा दिलाई गई। सोनभद्र में एक मुकदमे में दो अभियुक्तों को दुष्कर्म से संबंधित प्रकरण में अर्थदंड सहित 10 वर्ष का सश्रम कारावास की सजा, दूसरे मुकदमे में चार आरोपितों को पाक्सो एक्ट में अर्थदंड सहित तीन-तीन वर्ष के सश्रम कारावास की सजा दिलाई गई। वहीं तीसरे मुकदमे में एक आरोपित को गंभीर चोट के आरोप में अर्थदंड सहित दो वर्ष छह माह का कारावास की सजा दिलाई। चौथे मुकदमे में एक आरोपित को दहेज प्रतिषेध अधिनियम में अर्थदंड सहित दो वर्ष छह महीनें की साधारण कारावास की सजा दिलाई गई। इसी प्रकार दो मुकदमे में दो-दो आरोपितों को लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाने के आरोप में अर्थदंड सहित जेल में बिताई गई अवधि के बराबर कारावास की सजा, एक मुकदमे में दो आरोपितों को गैरइरादतन हत्या के आरोप में अर्थदण्ड सहित आजीवन कारावास की सजा मिली। इसी प्रकार कुल 52 मुकदमे में 75 आरोपितों को कोर्ट से सजा दिलाई गई।

# एमपी-एमएलए कोर्ट से दीपक प्रकाश को मिली जमानत

**रांची, (हि.स.)।** भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश को एमपी-एमएलए कोर्ट के विशेष न्यायिक दंडाधिकारी अनामिका किस्कू की अदालत ने शुक्रवार को जमानत दे दी। दीपक प्रकाश के अधिवक्ता सुधीर श्रीवास्तव ने बताया कि कांके थाना में दर्ज कांड संख्या 141/2021 से जुड़े मामले में अदालत ने राज्यसभा सांसद को जमानत दी है। कांके के सुकुरहुरटू इलाके में किसान आंदोलन के दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश और कांके विधायक समरी लाल सहित अन्य 75 -80 लोगों पर प्राथमिकी दर्ज की गई थी। इस मामले में तत्कालीन अंचल निरीक्षक बासुकीनाथ टुडू के लिखित प्रतिवेदन पर मामला दर्ज किया गया था। श्रीवास्तव ने बताया कि सांसद ने अदालत के समक्ष सरेंडर किया, जिसके बाद कोर्ट ने उन्हें जमानत की सुविधा प्रदान की। कांके विधायक समरी लाल को इस मामले में पहले ही बेल मिल चुकी है। झारखंड सरकार के कृषि नीति के खिलाफ भाजपा नेता सहित अन्य ने किसानों के पक्ष में आंदोलन किया था।

# भ्रष्टाचार का घी खाने वाले अब पछता रहे : बाबूलाल मरांडी

**रांची ,(हि.स.)।** भाजपा विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी ने कहा कि बालू, पत्थर और कोयले के बाद झारखंड में शुद्ध देसी घी चर्चा में है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने दो सालों में भ्रष्टाचार की ऐसी घी निकाली, जिसे खाने वाले अब पछता रहे हैं। बाबूलाल ने शुक्रवार को ट्विट करते हुए कहा कि गैंग्स ऑफ साहिबगंज के एक किरदार माइनिंग अफसर विभूति कुमार देसी घी भी सप्लाई करते थे। ईडी की पूछताछ में मोबाइल चैट के बारे में विभूति ने बताया कि वो सीए सुमन को रांची में शुद्ध घी उपलब्ध करा रहे थे। उन्होंने कहा कि डीएमओ विभूति कुमार ने सीए के अलावे और किस-किस को घी खिलाया है, यह तो जांच में पता चल ही जाएगा।

## उत्क्रमित मध्य विद्यालय में डीएम ने प्रधानाचार्य पर कड़ी कार्रवाई का दिया निर्देश

**किशनगंज, (हि.स.)।** जिलाधिकारी, (डीएम) श्रीकांत शास्त्री ने शुक्रवार को बहादुरगंज स्थित 2 रसल उच्च विद्यालय का निरीक्षण किया। मौके पर लगभग विद्यालय बंद रहने की स्थिति में पाया गया। डीएम ने शिक्षको की उपस्थिति के बारे में पूछताछ किया, सभी शिक्षक जाति आधारित गणना में कार्य के नाम पर विद्यालय से गायब पाए गए। कई शिक्षक खानापूरी के रूप में उपस्थिति दर्ज किए हुए थे। डीएम ने फटकार लगाते हुए शिक्षको के कार्य नहीं संपादित करने के विरुद्ध वेतन रोक रखने का निर्देश दिया। डीएम के द्वारा मुख्य रूप से स्कूल में बोर्ड परीक्षा हेतु पूर्व में संचालित विशेष कक्षा के पूर्णसंचालन को लेकर निरीक्षण किया गया है। परंतु विद्यालय में कक्षा संचालन ठप था। निरीक्षण के दौरान डीएम ने विद्यालय में शिक्षण कार्य, आधारभूत संरचना और अन्य मूलभूत सुविधा की उपलब्धता को लेकर गंभीर दिखे। प्रधानाध्यापक को लापरवाही के लिए चेतावनी दी गई है। ज्ञातव्य हो कि डीएम जिला में शिक्षा विभाग के कार्यों में प्रगति लाने हेतु लगातार विद्यालय भ्रमण कर गुणवत्ता सुनिश्चित करवाने हेतु दृढ़ संकल्पित है। सभी प्रखंड में मॉडल विद्यालय की स्थापना, नियमित वर्ग संचालन की लगातार समीक्षा किया जाता है। मुख्य रूप से संचालित विशेष कक्षा का निरीक्षण किया जा रहा है। डीएम पूर्व में कई बार कक्षा में विद्यार्थियों की उपस्थिति और पाठ्य सामग्री को निश्चित रूप से अनुश्रवण किए है। ज्ञातव्य हो कि जिला के 4 विद्यालय में डीएम के विशेष पहल पर 10वीं बोर्ड देने वाले विद्यार्थियों के लिए क्रैश कोर्स के रूप में स्पेशल क्लास प्रारंभ किया गया था। यह कार्य जिला में शिक्षा के प्रति बच्चो में जागरूकता के लिए महवपूर्ण है। डीएम श्रीकांत शास्त्री के द्वारा स्वयं चारो विद्यालय (ठाकुरगंज में 01, किशनगंज में 02 और बहादुरगंज में 01) में बारी बारी से भ्रमण कर उक्त संचालित विशेष कक्षा का अनुश्रवण किया गया था। बहादुरगंज भ्रमण के दौरान उत्क्रमित मध्य विद्यालय में डीएम औचक रूप से निरीक्षण करने पहुंचे। लगभग 11:30 बजे पूर्वाह्न पर बच्चे खेलते हुए पाए गए। डीएम ने गहरी नाराजगी प्रकट कर प्रधानाध्यापक को शिक्षण कार्य समेत नियमित रूप से विद्यालय परिसर की साफ सफाई, बेंच डेस्क उपलब्धता, नियमित वर्ग संचालन जारी रखने तथा बच्चो की उपस्थिति सुनिश्चितता का अनुश्रवण हेतु निर्देश दिया। साथ ही, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, बहादुरगंज का औचक निरीक्षण किया गया है।

# हजारीबाग में अदाणी फॉउंडेशन ने शुरू की नि:शुल्क चिकित्सा वाहन सेवा

**हजारीबाग,(हि.स.)।** जिले के बड़कागांव गोंदलपुरा खनन परियोजना के तहत अदाणी फॉउंडेशन ने शुक्रवार को ग्रामीणों के लिए निःशुल्क चिकित्सा वाहन सेवा की शुरूआत की। बड़कागांव प्रखंड के अंचलाधिकारी अमित किस्कू और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ बीएन प्रसाद ने संयुक्त रूप से फीता काटकर और हरी झंडी दिखाकर इस चिकित्सा वाहन को रवाना किया। इस अवसर पर डॉक्टर प्रसाद ने कहा कि चिकित्सा वाहन शुरू होने से यहां के लोगों को काफी लाभ मिलेगा। उन्होंने इस नेक कार्य के लिए अदाणी फॉउंडेशन की टीम को धन्यवाद दिया। बड़कागांव के अंचलाधिकारी अमित किस्कू ने कहा कि यह चिकित्सा वाहन पूरी तरह डॉक्टरी सुविधा, ऑक्सीजन सिलिंडर और दवाईयों से लैस है। इसके माध्यम से बड़कागांव प्रखंड के गोंदलपुरा, हाहे, फुलांग, गाली, बलोदर और अम्बाजीत के जैसे दूर-दराज क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को काफी लाभ मिलेगा। इस चिकित्सा वाहन के माध्यम से प्राथमिक स्वास्थ्य संबंधी रोगों का उपचार प्रशिक्षित एमबीबीएस डॉक्टर, रजिस्टर्ड फार्मासिस्ट, रजिस्टर्ड नर्स के माध्यम से निशुल्क चिकित्सा परामर्श एवं निशुल्क दवाइयों का वितरण किया जाएगा। साथ ही खून की कमी की जांच, शुगर, बीपी, वजन और अस्थमा की जांच, मलेरिया, टाइफाइड एवं विभिन्न रोगों की निशुल्क जांच की जाएगी। इसके अलावा बुखार, खांसी, जुकाम, बच्चों की दवाइयों, सेनेटरी नैपकिन, बच्चों को पेट के कीड़े मारने की दवा (अल्बेन्डाजोल), विटामिन सी तथा महिलाओं के अन्दर खून की कमी को दूर करने के लिए आयरन की दवा तथा सिरप भी निःशुल्क वितरण किया जाएगा।

# पूर्व मंत्री ने आर्ट एंड पेटिंग प्रतियोगिता मे सफल बच्चो के बीच पुरस्कार वितरण किया

**सहरसा, (हि.स.)।** देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा परीक्षा से पहले परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम के माध्यम से वर्ष 2018 से छात्रो से परीक्षा के तनाव को दूर करने करने के लिए संवाद करते है। संवाद के पूर्व हिन्दुस्तान के सभी ज़िला मुख्यालय पे आर्ट और पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई है। 27 जनवरी को प्रधानमंत्री बच्चो से परीक्षा पे चर्चा करेंगे। इसी क्रम में शुक्रवार को ज़िला के जय प्रताप पब्लिक स्कूल मीरा सिनेमा रोड में यह प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस अवसर पर बिहार सरकार के पूर्व मंत्री नीरज कुमार सिंह बबलू द्वारा चयनित प्रतिभागी को पुरस्कार वितरण कर बच्चो के बीच आने वाले परिक्षा पे चर्चा कर प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित कर पूर्व मंत्री नीरज कुमार बब्लू ने कहा कि देश के पहले प्रधानमंत्री ने बच्चो के दर्द को महसूस कर परीक्षा पर चर्चा कर मानसिक झिझक को दूर किया। बच्चो को हिम्मत व धैर्य से कठिन से कठिन समस्या का समाधान करना चाहिए। निदेशक भानू प्रताप सिंह ने कहा परीक्षा का मनोवैज्ञानिक प्रभाव बच्चो पर पडता है। इसलिए मानसिक रूप से बच्चो को परिपक्व बनाने के लिए यह सराहनीय कार्यक्रम है। इस अवसर पर 36 सफल प्रतिभागियो को मोमेंटो और प्रमाण पत्र दिया गया। सौम्या सुचित प्रथम, विष्णु प्रिया द्वितीय तथा सौम्या सिंह को तृतीय पुरस्कार दिया गया।इस अवसर पर अंशु मिश्र,आकृति झा,प्रो मिथिलेश झा सहित बडी संख्या मे विद्यालय के शिक्षक एवं छात्र छात्राए मौजूद थे।

# टुकड़े-टुकड़े गैंग का काम ही है उन्माद फैलाना : गिरिराज सिंह

**पटना, (हि.स.)।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शुक्रवार को सरकारी विभागों और संगठनों में नवनियुक्त भर्ती के लिए लगभग 71 हजार नियुक्ति पत्र वितरित किया। राजधानी पटना स्थित अधिवेशन भवन में इस कार्यक्रम में केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री गिरिराज सिंह ने हिस्सा लिया। इस मौके पर जदयू नेता गुलाम रसूल बलियावी के बयान पर पत्रकारों के सवाल के जवाब में गिरिराज सिंह ने कहा कि महा गठबंधन में एक से एक नमूने बैठे हुए हैं, जिनका काम ही है विवाद को फैलाना। ये लोग टुकड़े- टुकड़े गैंग से आये हुए लोग हैं। इनका काम ही उन्माद फैलाना है। ये लोग हिन्दुओं के पवित्र ग्रंथ श्रीरामचरितमानस पर कुछ भी बोल सकते हैं। इससे पहले केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि कहा कि पीएम मोदी बीते साल के 22 अक्टूबर को केन्द्र सरकार के अधीन 75 हजार से अधिक पदों पर नियुक्ति के लिए सफल घोषित हुए सभी उम्मीदवारों को एक वर्चुअल संबोधन के माध्यम से नियुक्ति पत्र वितरण का शुभारंभ किया था। यह कार्यक्रम पूरे देश भर में 'रोजगार मेला' के रूप में आयोजित किया गया था। सभी मंत्रालयों, विभागों और संगठनों में मिशन मोड में भर्ती या तो सीधे अथवा भर्ती एजेंसियों के माध्यम से की जा रही है। उन्होंने कहा कि ये भर्तियां प्रमुख रूप से समूह ख और समूह ग स्तर के पदों पर की जा रही हैं। इस मिशन मोड भर्ती ड्राइव से एक वर्ष में 10 लाख नौकरियां भरे जाने की संभावना है और इससे निजी और सार्वजनिक क्षेत्रों में अतिरिक्त रोजगार सृजित होने की भी संभावना है। यह रोजगार मेला देश में रोजगार सृजन को उच्चतम प्राथमिकता देने के लिए प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता को पूरा करने की दिशा में एक कदम है।

## संपादकीय

# लक्ष्य पर दृष्टि

वर्ष 2024 में लोकसभा के चुनाव और निकट भविष्य में 9 राज्यों के विधानसभा चुनावों को लेकर भारतीय जनता पार्टी की तैयारी शुरू हो चुकी हैं। राजधानी दिल्ली में सम्पन्न हुई राष्ट्रीय कार्यकारिणी की दो दिवसीय बैठक से इसके संकेत स्पष्ट तौर पर मिलते हैं। अखिल भारतीय अध्यक्ष जयप्रकाश नड्डा का कार्यकाल आम चुनाव तक बढ़ा दिया गया है। उनके नेतृत्व में भाजपा ने लोकसभा, विधानसभा और उपचुनाव सहित 120 से ज्यादा चुनाव लड़े हैं, जिसमें उसे 73 पर जीत हासिल हुई है। किसी भी अध्यक्ष के लिए यह एक शानदार उपलब्धि है। परंतु श्री नड्डा का कार्यकाल बढ़ाने के निर्णय के पीछे केवल यह उपलब्धि नहीं है बल्कि भाजपा आम चुनाव से पहले किसी प्रकार की जमावट को बदलना नहीं चाहती है। विजयी समीकरणों को बनाए रखकर ही भाजपा चुनावी मैदान में उतरना चाहती है। पार्टी अध्यक्ष श्री नड्डा ने भी कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए उनके सामने लक्ष्य स्पष्ट कर दिया है कि उन्हें सभी चुनाव जीतने हैं। आम चुनाव-2024 से पहले नौ राज्यों में से एक भी राज्य हारना नहीं है। भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में जिस प्रकार का जोश, उत्साह और आत्मविश्वास दिखाई दिया, वह स्वाभाविक ही है। गौर करने की बात यह है कि उनका यह आह्वान सिर्फ शाब्दिक नहीं है। संगठन को मजबूती देने का मोर्चा ऐसा है, जिस पर भाजपा ने लगातार बेहतरीन प्रदर्शन करके दिखाया है। इस बार भी पार्टी अध्यक्ष की यह घोषणा मायने रखती है कि भाजपा ने 72,000 कमजोर पाए गए बूथों को मजबूत बनाने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिए लक्ष्य से आगे बढ़कर 1.30 लाख बूथों तक पहुंच बना ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी कार्यकारिणी से पार्टी कार्यकर्ताओं एवं नेताओं को कुछ संदेश दिया है। जिनमें प्रमुख है कि अब चुनाव में केवल 400 दिन शेष हैं। कार्यकर्ताओं को प्रत्येक दिन का सदुपयोग करना होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने लक्ष्य दिया है कि हमें इन 400 वर्षों में प्रत्येक क्षेत्र में, प्रत्येक संप्रदाय एवं प्रत्येक व्यक्ति से संपर्क करना है। कोई भी व्यक्ति छूटना नहीं चाहिए। भाजपा की विचारधारा की विशालता को प्रकट करते हुए उन्होंने कहा कि भले ही कुछ लोग भाजपा को वोट नहीं देते होंगे, तब भी हमें उनसे संपर्क और संवाद करना है। याद रखें कि यह मुसलमानों और ईसाइयों का विश्वास जीतने भर की कवायद नहीं है। यह तो प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा का संकल्प 'सबका साथ-सबका विकास' है। बहरहाल, भारतीय जनता पार्टी के सामने चुनौतियां भी कम नहीं हैं। मध्यप्रदेश, राजस्थान, कर्नाटक एवं छत्तीसगढ़ जैसे बड़े राज्यों में उसका मुकाबला सीधे कांग्रेस से है। तथाकथित भारत जोड़ो यात्रा से कांग्रेस कितनी मजबूत हुई होगी, यह तो आनेवाले समय में पता चल ही जाएगा। परंतु हमें नहीं भूलना चाहिए कि मध्यप्रदेश और राजस्थान में कांग्रेस कमजोर होने के बाद भी भाजपा की लचर तैयारी के कारण सत्ता में आई थी। वहीं, छत्तीसगढ़ में अत्यधिक आत्मविश्वास भाजपा को ले डूबा था। भाजपा को दोनों ही मोर्चों पर काम करना होगा। कार्यकर्ताओं में जीत का आत्मविश्वास तो जगाना होगा लेकिर मेहनत के लिए भी तैयार करना होगा। ऐसा न हो कि अत्यधिक आत्मविश्वास के चक्कर में धरातल पर कमी रह जाए। संगठनात्मक जमावट भी सावधानीपूर्वक करनी होगी। नौ राज्यों में से विशेषकर चार-पाँच बड़े राज्यों में चुनाव तैयारी एवं उसके परिणाम आम चुनाव तक प्रभाव छोड़ेंगे।

> भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में जिस प्रकार का जोश, उत्साह और आत्मविश्वास दिखाई दिया, वह स्वाभाविक ही है। गौर करने की बात यह है कि उनका यह आह्वान सिर्फ शाब्दिक नहीं है। संगठन को मजबूती देने का मोर्चा ऐसा है, जिस पर भाजपा ने लगातार बेहतरीन प्रदर्शन करके दिखाया है। इस बार भी पार्टी अध्यक्ष की यह घोषणा मायने रखती है कि भाजपा ने 72,000 कमजोर पाए गए बूथों को मजबूत बनाने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिए लक्ष्य से आगे बढ़कर 1.30 लाख बूथों तक पहुंच बना ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी कार्यकारिणी से पार्टी कार्यकर्ताओं एवं नेताओं को कुछ संदेश दिया है। जिनमें प्रमुख है कि अब चुनाव में केवल 400 दिन शेष हैं।कार्यकर्ताओं को प्रत्येक दिन का सदुपयोग करना होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने लक्ष्य दिया है कि हमें इन 400 वर्षों में प्रत्येक क्षेत्र में, प्रत्येक संप्रदाय एवं प्रत्येक व्यक्ति से संपर्क करना है।

## बोध कथा

# जवान रहना चाहते हो तो चुप रहो

अल्बर्ट आइंस्टीन ने खोज की और निश्चित रूप से यह सच है क्योंकि इस व्यक्ति ने अंतरिक्ष के बारे में कड़ी मेहनत की थी। उनकी खोज बहुत अद्भुत है। उन्होंने स्वयं इस खोज को महीनों तक अपने दिमाग में रखा और विज्ञान जगत को इसकी जानकारी नहीं दी क्योंकि उन्हें डर था कि कोई उनकी बात पर विश्वास न कर ले। खोज ऐसी थी कि लोग सोचेंगे कि वह पागल है। लेकिन खोज इतनी महत्वपूर्ण थी कि उन्होंने अपनी बदनामी की कीमत पर दुनिया को बेनकाब करने का फैसला किया। खोज यह थी कि आप गुरुत्वाकर्षण के बाहर उम्र बढ़ने को रोकते हैं। यदि कोई व्यक्ति किसी दूर ग्रह पर जाता है और उसे वहाँ पहुँचने में तीस वर्ष लगते हैं और फिर तीस वर्ष में नीचे आता है, और जब वह पृथ्वी को छोड़ता है तो वह तीस वर्ष का होता है, यदि आप कल्पना करते हैं कि जब वह वापस आया तो वह नब्बे था यदि आप' तुम गलत हो, वह अभी भी तीस का होगा। उनके सभी दोस्त और सहयोगी कब्र में चले गए होंगे। हो सकता है कि एक या दो अभी जीवित हों लेकिन उनका एक पैर कब्र में होगा। लेकिन वह उतना ही युवा होगा जितना वह मैदान छोड़ने के समय था। जैसे ही आप गुरुत्वाकर्षण से बाहर निकलते हैं, उम्र बढ़ने की प्रक्रिया रुक जाती है। आपके शरीर पर एक निश्चित दबाव के कारण बुढ़ापा। जमीन आपको लगातार खींच रही है और आप इस खिंचाव से लड़ रहे हैं। आपकी ऊर्जा इसे खींच रही है और आप इस खिंचाव से लड़ रहे हैं। इस खिंचाव से आपकी ऊर्जा बाधित होती है। खर्चा होता है। लेकिन एक बार जब आप जमीन के गुरुत्वाकर्षण से बाहर हो जाते हैं तो आप वही रहते हैं। आपको अपने समकालीन लोग नहीं मिलेंगे, आपको वह फैशन नहीं मिलेगा जो आपने छोड़ा था। आप पाएंगे कि साठ साल बीत चुके हैं। लेकिन गुरुत्व के बाहर होने का भाव ध्यान में भी पाया जा सकता है--ऐसा होता है। और यह बहुत से लोगों को गुमराह करता है। जब आप अपनी बंद आंखों से पूरी तरह शांत होते हैं तो आप गुरुत्वाकर्षण से बाहर हो जाते हैं। लेकिन केवल तुम्हारा मौन ही गुरुत्वाकर्षण के बाहर है, तुम्हारे शरीर का नहीं। लेकिन उस क्षण जब आप अपनी चुप्पी से हल हो जाते हैं, आपको एहसास होता है कि आप उठ रहे हैं। इसे योग में ₹हवा में उड़ना₹ कहा जाता है।

## अमृत कलश

# आत्म कल्याण की शर्त

एक धनी व्यक्ति ने सुन रखा था कि भागवत पुराण सुनने से मुक्ति हो जाती है। राजा परीक्षित को इसी से मुक्ति हुई थी। उसने एक पंडित जी को भगवान की कथा सुनाने को कहा। कथा पूरी हो गई पर उस व्यक्ति के मुक्ति के कोई लक्षण नजर न आये। उसने पंडित जी से इसका कारण पूछा, "पंडित जी ने लालच वश उत्तर दिया। यह कलियुग है इसमें चौथाई पुण्य होता है। चार बार कथा सुनो तो एक कथा की बराबर पुण्य होगा।" धनी ने तीन कथा की दक्षिणा पेशगी दे दी और कथा आरम्भ करने को कहा। वे तीनों भी पूरी हो गई ,पर मुक्ति का कोई लक्षण तो भी प्रतीत न हुआ। इस पर कथा कहने और सुनने वाले में कहासुनी होने लगी। विवाद एक उच्च कोटि के महात्मा के पास पहुँचा। उसने दोनों को समझाया कि केवल बाह्य क्रिया से नहीं, आन्तरिक स्थिति के आधार पर पुण्य फल मिलता है। राजा परीक्षित मृत्यु को निश्चित जान संसार से वैराग्य लेकर आत्म कल्याण में मन लगाकर कथा सुन रहे थे। वीतराग शुकदेव जी भी पूर्ण निर्लोभ होकर परमार्थ की दृष्टि से कथा सुना रहे थे। दोनों की अन्तःस्थिति ऊँची थी इसलिए उन्हें वैसा ही फल मिला। तुम दोनों लोभ मोह में डूबे हो। जैसे कथा कहने वाले वैसे सुनने वाले, इसलिए तुम लोगों को पुण्य तो मिलेगा पर वह थोड़ा ही होगा। परीक्षित जैसी स्थिति न होने के कारण वैसे फल की भी तुम्हें आशा नहीं करनी चाहिए। आत्म कल्याण के लिये बाह्य कर्मकाण्ड से ही काम नहीं चलता। उसके लिये उच्च भावनायें होना भी आवश्यक है।

## हिंदू संतों ने दावा किया है कि यह परियोजना सनातन हिंदू धर्म के खिलाफ है

# रामसेतु पर वामपंथ की छाया

**प्रमोद भार्गव**

> भाजपा की तमिलनाडू ईकाई के प्रमुख अन्नामलाई ने कहा कि द्रमुक के नेताओं के स्वामित्व वाली कुछ षिपिंग कंपनियां हैं, जिन्हें इस परियोजना से सीधे लाभ होगा। इधर हिंदू संतों ने दावा किया है कि यह परियोजना सनातन हिंदू धर्म के खिलाफ है। संत दिवाकर आचार्य ने चुनौती दी है कि अगर सरकार प्राचीन रामसेतु को नुकसान पहुंचाने की कोषिष करेगी तो हम विरोध करेंगे और सीने में गोलियां खाने को तैयार रहेंगे। अयोध्या के संत महंत चंद्रभूशण ने कहा कि यह सरकार देष के कुछ लोगों को खुष करने के लिए वोट बैंक की राजनीति कर रही है। बहरहाल इस प्रस्ताव को सांप्रदायिक धुवरीकरण की षुरूआत माना जा रहा है। दरअसल समुद्र में जहाजों की आवाजाही के लिए रास्ता बनाया जाना प्रस्तावित है।

भारत और श्रीलंका तक फैली सेतुसमुद्रम जलमार्ग परियोजना को लेकर तमिलनाडू में सत्तारूढ़ द्रमुक और भाजपा में ठन गई है। दरअसल तमिलनाडू के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने 12 जनवरी को इस परियोजना पर विधानसभा में एक प्रस्ताव पारित कर दावा किया है कि इस परियोजना से 50 हजार से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा। इसलिए इसे शुरू किया जाना चाहिए। स्टानिन ने कहा कि यह परियोजना तमिलनाडू के पूर्व मुख्यमंत्री कलाईनार (करुणानिधि) का भी स्वप्न रहा है। इसलिए इसे षुरू कर रोजगार के रास्ते खोले जाने चाहिए। याद रहे स्टालिन और उनके पिता करुणानिधि घोर वामपंथी रहे हैं। इसलिए वे रामायण और महाभारत से जुड़ी उस प्रत्येक संरचना को काल्पनिक या मिथक मानते हैं, जो भारतीय सनातन संस्कृति की प्राचीनता सिद्ध करने वाली हैं। ये लोग राम मंदिर के निर्माण के भी विरोधी रहे हैं। अतएव इस प्रस्ताव के पारित होते ही भाजपा और कुछ साधु संत द्रमुक सरकार के विरोध में आ खड़े हुए है। भाजपा की तमिलनाडू ईकाई के प्रमुख अन्नामलाई ने कहा कि द्रमुक के नेताओं के स्वामित्व वाली कुछ षिपिंग कंपनियां हैं, जिन्हें इस परियोजना से सीधे लाभ होगा। इधर हिंदू संतों ने दावा किया है कि यह परियोजना सनातन हिंदू धर्म के खिलाफ है। संत दिवाकर आचार्य ने चुनौती दी है कि अगर सरकार प्राचीन रामसेतु को नुकसान पहुंचाने की कोषिष करेगी तो हम विरोध करेंगे और सीने में गोलियां खाने को तैयार रहेंगे। अयोध्या के संत महंत चंद्रभूशण ने कहा कि यह सरकार देष के कुछ लोगों को खुष करने के लिए वोट बैंक की राजनीति कर रही है। बहरहाल इस प्रस्ताव को सांप्रदायिक धुरवीकरण की षुरूआत माना जा रहा है। दरअसल समुद्र में जहाजों की आवाजाही के लिए रास्ता बनाया जाना प्रस्तावित है। यह रास्ता नौवहन मार्ग (नॉटिकल मील) 30 मीटर चैड़ा, 12 मीटर गहरा और 167 किमी लंबा होगा। यह परियोजना यदि पूर्ण रूप में आकार लेती तो पौराणिक काल में अस्तित्व में आए रामसेतु का टूटना तय है। साथ ही करोड़ों मछुआरों की आजिविका प्रभावित होगी और बड़े पैमाने पर समूद्री क्षेत्र का पर्यावरण नश्ट हो जाएगा। बावजूद पूर्व संप्रग सरकार ने सेतु-समुद्रम परियोजना के सिलसिले में उच्चतम



न्यायालय में षपथपत्र देकर दलील दी थी कि एडम ब्रिज अर्थात रामसेतु हिंदू धर्म का आवष्यक हिस्सा नही है, इसलिए इसे तोड़कर बनाए जाने में हिंदू धर्मांवलंबियों की आस्था आहत नही होगी। यह षपथपत्र हिंदुओं की ही नहीं, भारत की सांस्कृतिक विरासत के साथ खिलवाड़ था। भगवान राम हिंदुओं के ही नहीं भारत की पहचान हैं। गौरतलब है कि राम और कृश्ण भारतीय संदर्भ में दो ऐसे महामानव हैं, जिनकी लीलाओं से ही भारतीय संस्कृति न केवल फली-फूली है, बल्कि इसके संस्कार और रीति-रिवाज भी इन्हीं की उत्सवधर्मिता से विकसित हुए हैं। तमिलनाडू की मन्नार खाड़ी से पाक जलडमरूमध्य के बीच 5 जिलों में 138 गांव, कस्बे व नगर ऐसे हैं जिनकी बहुसंख्यक आबादी समुद्री जल-जीव व अन्य प्राकृतिक संपदा पर आश्रित है। भारतीय समुद्र की तटवर्ती पट्टी 5 हजार 660 किमी लंबी है। गुजरात, महाराष्ट्र, केरल, कर्नाटक, आन्ध्रप्रदेश, उड़ीसा, तमिलनाडू, पश्चिम-बंगाल, गोवा राज्यों और केंद्र शासित राज्य पांडिचेरी, लक्षद्वीप तथा अण्डमान-निकोबार द्वीप समूह के तहत विशाल तटवर्ती क्षेत्र फैले हैं। रामसेतु की विवादित धरोहर रामेश्वरम्‌को श्रीलंका के जाफना द्वीप से जोड़ती है। यह मन्नार की खाड़ी में स्थित है। यहीं जो रेत, पत्थर और चूने की दीवार सी 48 किमी लंबी पारनुमा संरचना है, उसे ही रामसेतु का अवशेष माना जाता है। अमेरिका की विज्ञान संस्था नासा ने इस पुल के 2007 में उपग्रह से चित्र लेकर अध्ययन करने के बाद दावा किया था कि मानव निर्मित यह पुल दुनिया की सबसे पुरानी सेतु संरचना है। इस नाते राम की इस धरोहर को सुरक्षित रखने की जरूरत हैं। बाल्मीकि रामायण, स्कंद पुराण, ब्रह्म पुराण, विष्णु पुराण, अग्नि पुराण, रामकियेन और रामचरित मानस में इस सेतु के निर्माण और इसके ऊपर से लंका जाने के विवरण हैं। इन ग्रंथों के अनुसार राम और उनके खोजी दल ने रामेश्वरम्‌ से मन्नार तक जाने के लिए वह मार्ग खोजा जो अपेक्षाकृत सुगम होने के साथ रामेश्वरम्‌ के निकट था। जहां से राम व उनकी वानर सेना ने उपलब्ध सभी प्रमुख 65 रामायणों के अनुसार लंका के लिए कूच किया था। माना जाता है कि 500 साल पहले तक यहां पानी इतना कम था कि मन्नार और रामेश्वरम्‌ के बीच लोग सेतुनुमा टापूओं से होते हुए पैदल ही आया-जाया करते थे। वैसे इस क्षेत्र में ऐसे छिद्रयुक्त कम दबाव व भार वाले पत्थर भी पाए जाते हैं, जो पानी में नहीं डूबते। दरअसल ज्वालामुखी फूटने के समय ऐसे पत्थर प्राकृतिक रूप से निर्मित हो जाते हैं, जिनके भीतर हवा भरी रहती है। नल और नील ने जिन पत्थरों का उपयोग सेतु निर्माण में किया था, शायद ये उन्हीं पत्थरों के अवशेष हों, जो आज भी धार्मिक स्थलों पर देखने को मिल जाते हैं। साथ ही, नल-नील के नेतृत्व में वानरों ने पेड़ों के तनों और बांसों को खोंखले करके उनके दोनों सिरों को सीलबंद कर दिया। इस कारण ये तने पानी में डूबे नहीं। इन वायु भरे तनों को ताड़वृक्ष के पत्तों एवं छाल की बनी डोरियों, रस्सियों और कसनों से बांधकर इस पुल को मजबूत आधार दिया गया। देष की कई नदियों पर इसी तकनीक से टंकियों व नावों पर बने पुल देखे जा सकते हैं। इस तरह पांच दिन में यह पुल तैयार हुआ। इस पुल को पार कर राम सेना श्रीलंका में सुबेल पर्वत पर पहुंची और सैन्य षिविरों की स्थापना की। तमिलनाडू की दिवंगत मुख्यमंत्री जयललिता ने भी इस परियोजना को रोकने का प्रस्ताव लाकर सेतु को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करने की मांग सप्रंग सरकार से की थी। रामसेतु प्राचीन स्थापत्य कला का अनूठा नमूना है, इस दृश्टि से भी इसका सरंक्षण जरूरी है। साथ ही, जैव संसाधनों की दृष्टि से विश्व बाजार में इस क्षेत्र को सबसे ज्यादा समृद्ध क्षेत्र माना जाता है। इसकी जैविक और पारिस्थिकी विलक्षणता के चलते ही इसे 'जैव मण्डल आरक्षित क्षेत्र' संयुक्त राश्ट ने घोषित किया हुआ है। रामसेतु के बहाने पुरातत्वीय दृष्टि से ही नहीं, सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक महत्व भी इस क्षेत्र का है।

# शिक्षा-खेल विभाग में समन्वय स्थापित हो

> विद्यालय स्तर से फिटनेस कार्यक्रम की बहुत ज्यादा जरूरत है व इसके लिए शिक्षा और खेल विभाग में समन्वय स्थापित करना जरूरी हो जाता है ताकि हम विद्यालय स्तर पर फिटनेस कार्यक्रम लागू कर सकें। किसी भी देश को इतनी क्षति युद्ध या महामारी से नहीं होती है जितनी तबाही नशे के कारण हो सकती है।आज जब देश के अन्य राज्यों सहित हिमाचल प्रदेश में भी नशा युवा व र्ग पर ही नहीं किशोरों तक चरस, अफीम, स्मैक, नशीली दवाओं तथा दूरसंचार के माध्यमों के दुरुपयोग से शिकंजा कस रहा है, इसलिए सरकार, विद्यालय प्रबंधन व अभिभावकों को इस विषय पर सचेत हो जाना चाहिए। यदि विद्यार्थी किशोरावस्था में नशे से बच जाता है तो वह फिर युवावस्था आते आते समझदार हो गया होता है। माध्यमिक से वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों को विभिन्न विद्याओं में व्यस्त रखने के साथ साथ शारीरिक फिटनेस की तरफ मोडऩा बेहद जरूरी हो जाता है। मावन का वर्सांगीण विकास शिक्षा के बिना अधूरा है। शिक्षा की परिभाषा में साफ-साफ लिखा है कि यहां शारीरिक व मानसिक दोनों तरह से बराबर विद्यार्थियों का विकास करना है जिससे वे आगे चलकर जीवन को सफलतापूर्वक खुशहाल जी सकें।

हिमाचल प्रदेश में शिक्षा के क्षेत्र में कदम-कदम पर विद्यालय खुलने तथा विद्यालय से घर तक आना-जाना जब अब वाहन से हो रहा है, साथ ही साथ हिमाचल प्रदेश का ग्रामीण परिवेश भी अब शहरों व कस्बों में बदल रहा है, ऐसे में विद्यार्थियों के आराम की सुख-सुविधाओं में तो बढ़ौतरी हो रही है, मगर उन का फिटनेस स्तर दिन-प्रतिदिन नीचे गिर रहा है। इसलिए विद्यालय स्तर से फिटनेस कार्यक्रम की बहुत ज्यादा जरूरत है व इसके लिए शिक्षा और खेल विभाग में समन्वय स्थापित करना जरूरी हो जाता है ताकि हम विद्यालय स्तर पर फिटनेस कार्यक्रम लागू कर सकें। किसी भी देश को इतनी क्षति युद्ध या महामारी से नहीं होती है जितनी तबाही नशे के कारण हो सकती है। आज जब देश के अन्य राज्यों सहित हिमाचल प्रदेश में भी नशा युवा वर्ग पर ही नहीं किशोरों तक चरस, अफीम, स्मैक, नशीली दवाओं तथा दूरसंचार के माध्यमों के दुरुपयोग से शिकंजा कस रहा है, इसलिए सरकार, विद्यालय प्रबंधन व अभिभावकों को इस विषय पर सचेत हो जाना चाहिए। यदि विद्यार्थी किशोरावस्था में नशे से बच जाता है तो वह फिर युवावस्था आते आते समझदार हो गया होता है। माध्यमिक से वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों को विभिन्न विद्याओं में व्यस्त रखने के साथ साथ शारीरिक फिटनेस की तरफ मोडऩा बेहद जरूरी हो जाता है। मानव का सर्वांगीण विकास शिक्षा के बिना अधूरा है। शिक्षा की परिभाषा में साफ-साफ लिखा है कि यहां शारीरिक व मानसिक दोनों तरह से बराबर विद्यार्थियों का विकास करना है जिससे वे आगे चलकर जीवन को सफलतापूर्वक खुशहाल जी सकें। शारीरिक विकास के लिए खेलों के माध्यम से फिटनेस कार्यक्रम बहुत जरूरी हो जाता है। खेल ही वह माध्यम है जिसके द्वारा विद्यार्थी को नशे से दूर रखा जा सकता है। पड़ोसी राज्य पंजाब एक समय तरक्की में देश का अग्रणी राज्य था। इस सबके पीछे कारण तत्कालीन मुख्यमंत्री प्रताप सिंह कैरों की दूरगामी सोच थी। खेलों में उत्कृष्टता उस प्रदेश की तरक्की व खुशहाली का भी पैमाना होती है। पंजाब में हजारों प्रशिक्षक विभिन्न खेलों में खेल प्रशिक्षण के लिए नियुक्त होने के साथ-साथ खेल प्रशिक्षण के लिए आधारभूत ढांचा होना वहां के विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का प्रमुख कारण रहा था। बाद में जब पंजाब धीरे-धीरे खेलों से दूर हुआ तो पहले वहां आतंकवाद और फिर आजकल पंजाब नशे का अड्डा बना हुआ है। यही कारण है कि हर क्षेत्र में आज हरियाणा पंजाब से काफी आगे निकल गया है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने एशियाई, राष्ट्रमंडल व ओलंपिक खेलों में पदक विजेता होने पर खिलाडियों को करोड़ों रुपए के नगद ईनाम व सम्मानजनक नौकरी देकर हरियाणा में खेलों के लिए बहुत ही उपयुक्त वातावरण तैयार किया है। उसी का नतीजा है कि आज हरियाणा का हर किशोर व युवा किसी न किसी खेल के मैदान में नजर आता है। हिमाचल प्रदेश में भी पूर्व मुख्यमंत्री प्रोफेसर प्रेम कुमार धूमल ने प्रदेश की खेलों के लिए अपने पहले कार्यकाल से ही कई महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए हिमाचल प्रदेश में कई खेलों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्ले फील्ड, सरकारी नौकरियों में तीन प्रतिशत आरक्षण तथा देश में प्रशिक्षक कैडर डाईंग हो जाने के बाद पहली बार चालीस प्रशिक्षकों की भर्ती जैसे बहुत बड़े खेल सुधार किए। हिमाचल प्रदेश की खेल सुविधाओं का प्रयोग राज्य में स्वास्थ्य व खेलों के लिए बड़े स्तर पर करना चाहिए। हिमाचल प्रदेश इस समय शिक्षा के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में गिना जाता है। फिछले कुछ दशकों से हिमाचल प्रदेश के नागरिकों की फिटनेस में बहुत कमी आई है। इसका प्रमुख कारण विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों के लिए किसी भी प्रकार के फिटनेस कार्यक्रम का न होना है। रट्टे वाली पढ़ाई की होड़ में हम विद्यार्थियों की फिटनेस को ही भूल गये हैं। हिमाचल प्रदेश की अधिकांश आबादी गांव में रहती थी। वहां पर सवेरे-शाम वर्षों पहले विद्यार्थी अपने अभिभावकों के साथ कृषि व अन्य घरेलू कार्यों में सहायता करता था। विद्यालय आने-जाने के लिए कई किलोमीटर दिन में पैदल चलता था। इसलिए उस समय के विद्यार्थी को किसी भी प्रकार के फिटनेस कार्यक्रम की कोई जरूरत नहीं थी। आज का विद्यार्थी घर के आंगन में बस पर सवार होकर विद्यालय के प्रांगण में उतरता है। पढ़ाई के नाम पर ज्यादा समय खर्च करने के कारण फिटनेस के लिए कोई समय नहीं बचता है। अधिकांश स्कूलों के पास फिटनेस के लिए न तो आधारभूत ढांचा है और न ही कोई कार्यक्रम है। आज का विद्यार्थी फिटनेस व मनोरंजन के नाम पर दूरसंचार माध्यमों का कमरे में बैठ कर खूब दुरुपयोग कर रहा है। ऐसे में विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास की बात मजाक लगती है। आज के विद्यार्थी के लिए विद्यालय या घर पर आधे घंटे के फिटनेस कार्यक्रम की सख्त जरूरत है। इसमें 15 से 20 मिनट धीरे-धीरे दौडऩा तथा विभिन्न कोणों पर शरीर के जोड़ों की विभिन्न क्रियाओं को पूरा करने के बाद शरीर को कूलडाऊन करना होगा। कम से कम बीस मिनटों तक तेज चलने, दौडऩे व शारीरिक क्रियाओं को करने से रक्त वाहिकाओं में रक्त संचार तेज हो जाता है। उससे हर मसल को उपयुक्त मात्रा में प्राणवायु मिलने से उसका समुचित विकास होता है। आज के विद्यार्थी को अगर कल का अच्छा नागरिक बनाना है तो हमें विद्यालय व घर पर उसके लिए सही फिटनेस कार्यक्रम देना होगा। तभी हम सही अर्थों में अपनी अगली पीढ़ी को संपूर्ण शिक्षित करने का दम भर सकते हैं। आशा करते हैं कि हिमाचल प्रदेश की नयी कांग्रेस सरकार इस विषय पर जरूर ध्यान देगी।



## देश दुनीया से

# इतिहास को लिखने और पढ़ाने का मामला

कुछ दिन पहले असम के मुख्यमंत्री हेमन्त विश्व शर्मा ने छात्रों और अध्यापकों के एक समूह को सम्बोधित करते हुए कहा कि हिन्दुस्तान के इतिहास को फिर से लिखने और व्यवस्थित करने की जरूरत है। इतिहास के पुनर्लेखन की बात काफी लम्बे अरसे से कही जा रही है। हेमन्त विश्व शर्मा ने पहली बार यह बात कही हो, ऐसा नहीं है। लेकिन उन्होंने इसके साथ जो दूसरी बात कही, वह ज्यादा महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा विश्वविद्यालयों के इतिहास के पाठ्यक्रमों में से पूर्वोत्तर भारत का इतिहास गायब है। उसे कहीं भी पढ़ाया नहीं जाता। शर्मा के अनुसार अंग्रेज़ सरकार ने यह जानबूझ कर और एक षड्यन्त्र के तहत किया है। शर्मा के इस आरोप में दम है। दरअसल ब्रिटिश सरकार पश्चिमोत्तर भारत की तरह ही पूर्वोत्तर भारत को भी देश से तोडऩा चाहती थी। अब इस षड्यन्त्र को ब्रिटिश सरकार की कूपलैंड योजना कहा जाता है। लेकिन दूसरे विश्व युद्ध की मजबूरियों के चलते उन्हें जल्दी यहां से जाना पड़ा। लेकिन पूर्वोत्तर भारत को इतिहास के स्तर पर देश से अलग रखने की नीति का निर्वाह नई सरकारें भी करती रहीं। यही कारण है कि पूरा असम गैर क़ानूनी बांग्लादेशियों से भर गया लेकिन देश को कानों कान ख़बर तक नहीं हुई। अरुणाचल प्रदेश का तो पता ही उत्तर प्रदेश वालों को तब चला जब चीन ने 1962 में वहां हमला ही कर दिया। उन दिनों अरुणाचल को नेफा कहा जाता था और नेहरू ने उसे अपने मित्र एल्विन वैरियर के हवाले किया हुआ था। अब यह भी पता चला है कि वैरियर भी कूपलैंड षड्यन्त्र का ही हिस्सा था। सबसे पहले सुलतानों/मुगलों के शासन को लें। किसी भी कालखंड में इनका पूरे हिन्दुस्तान पर कब्जा नहीं रहा। देश में दसियों राज्य थे। उनमें से एक मुगल राज्य भी था। इतिहास के किस कालखंड में असम पर मुगलों का राज्य रहा? औरंगजेब ने असम को जीतने का प्रयास किया और मुंह की खाई। लेकिन इतिहास की किताबें तो देश के कुछ हिस्सों पर मुगल शासन को पूरे भारत पर ही मुगल शासन बताती हैं। स्वतंत्रता संग्राम को ही लें। विदेशी सुलतानों/मुगलों के खिलाफ देश के अनेक स्थानों पर सफल-असफल लड़ाइयां लड़ी गईं। इनमें शिवाजी मराठा, महाराणा प्रताप और जम्मू-कश्मीर के बन्दा सिंह बहादुर, असम के लचित बडफूकन, महाराजा पृथु का नाम बहुत प्रसिद्ध है। लेकिन उनका जिक़्र इतिहास में कितना आता है? मुगल शासकों से डर कर देश के कुछ राजाओं ने अपनी राजकुमारियों की शादियां मुगल शासकों से कर दीं। इस कायरता के काम को इतिहास में हिन्दु-मुस्लिम एकता का स्वर्णकाल कह कर प्रचारित किया जा रहा है। इतिहास लिखने, उसके काल विभाजन व नामकरण की वही पद्धति आज भी प्रचलित है जो दो सौ साल पहले ब्रिटिश साम्राज्यवादी तय कर गए थे। लेकिन हेमन्त विश्व शर्मा के बयान में एक और गहरा संकेत है। आज देश के स्कूलों और विश्वविद्यालयों में जो भारत का इतिहास के नाम पर पढ़ाया जाता है, उसमें कितना भारत है? उस इतिहास में से पूर्वोत्तर भारत व दक्षिण भारत का इतिहास ग़ायब है। ऐसा क्यों है? हेमन्त विश्व शर्मा की सबसे बड़ी चिन्ता यही है। उत्तर भारत का विद्यार्थी जब भारत के इतिहास के नाम पर पढ़ाई जा रही सामग्री में पूर्वोत्तर भारत व दक्षिण भारत का इतिहास नहीं पढ़ेगा तो वह भावनात्मक स्तर पर कैसे महसूस करेगा कि ये दोनों खंड मिलाकर ही भारत बनता है। इसी प्रकार जब मिज़ोरम का छात्र भारत का इतिहास पढ़ते समय उसमें से मिज़ोरम को गायब पाएगा तो उसे यही महसूस होगा कि मिज़ोरम शायद भारत का हिस्सा ही नहीं है। अंग्रेज़ों को यह पैटर्न अपने हितों के अनुकूल लगता था क्योंकि वे यहां से जाने के पहले देश को खंड-खंड करना चाहते थे। लेकिन उनके बाद की सरकारों ने इस पद्धति को क्यों अपनाए रखा? उनका इसमें क्या हित था? हम हिमाचल प्रदेश का ही उदाहरण लें। सत्रहवीं-अठारहवीं शताब्दी में दशगुरु परम्परा के दशम गुरु श्री गोविन्द सिंह जी ने देश को विदेशी मुगल शासकों से मुक्त करने के लिए ऐतिहासिक अभियान छेड़ा था। उसी में से खालसा पंथ का जन्म हुआ।

> गोवा को पुर्तगाली साम्राज्यवादियों से मुक्त करवाने के लिए भारतवासियों को अपने ही देश की सरकार से लडऩा पड़ा, यह इतिहास की किताबों में से गायब है। पंडित जवाहर लाल की सरकार उन सत्याग्रहियों पर गोलियां चला रही थीं जो गोवा की आजादी के लिए पुर्तगाली शासन के खिलाफ मोर्चा लगा रहे थे। राम मनोहर लोहिया और जगन्नाथ राव जोशी पर पुर्तगाल की जेलों में अमानुषिक अत्याचार किए गए। इसका इतिहास में कितना जिक़्र है? यही स्थिति पुदुच्चेरी को फ्रांस के पंजे से मुक्त करवाने के लिए थी। खुदा का शुक्र है कि पंडित जवाहर लाल नेहरू इन दोनों प्रश्नों को भी संयुक्त राष्ट्र संघ में नहीं ले गए।

## नागरिक बोध

# जल पर्यटन के नए अंदाज से खुल सकते हैं विकास के कई द्वार

लीक से हटकर सोचने और कुछ नया कर गुजरने की पीएम नरेन्द्र मोदी की जो कार्यशैली है, वही उन्हें आमलोगों के बीच लोकप्रिय बनाती है। हाल ही में अपने संसदीय निर्वाचन क्षेत्र वाराणसी में दुनिया के सबसे लंबे रिवर क्रूज एमवी गंगा विलास को हरी झंडी दिखाकर उन्होंने एक और कीर्तिमान स्थापित कर दिया है। सच कहा जाए तो उनका यह कदम कई मायने में खास है, जिससे देश में जल पर्यटन में लंबी छलांग की उम्मीदें बढ़ी हैं। क्रूज पर्यटन का यह नया दौर जल पर्यटन को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा और युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर प्रदान करेगा। मसलन, वाराणसी से डिब्रूगढ़ के बीच क्रूज सेवा की शुरुआत से पूर्वी भारत के अनेक पर्यटक स्थलों को विश्व पर्यटन मानचित्र में प्रमुखता से लाने में मदद मिलेगी। देखा जाए तो देश में क्रूज पर्यटन और विरासत पर्यटन का यह संगम ऐसे समय में हो रहा है, जब भारत में पर्यटन का एक बुलंद दौर शुरू हो रहा है। अमूमन, भारत की वैश्विक भूमिका जैसे-जैसे बढ़ रही है, वैसे-वैसे भारत को देखने, भारत को जानने और भारत को समझने की उत्सुकता भी बढ़ रही है। इसलिए जल, थल व नभ से भारत आने और घूमने वाले लोगों को क्रूज यात्रा एक नया और अलहदा अनुभव देगी। जाहिर है कि केंद्र सरकार के इस कदम से न केवल उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड, बल्कि पश्चिम बंगाल और असम में छिपी जल पर्यटन की अपार सम्भावनाओं को भी तलाशा और तराशा जा सकता है। हमलोग जानते हैं कि गंगा हमारे लिए सिर्फ एक जलधारा भर नहीं है, बल्कि यह प्राचीन काल से महान भारत भूमि की तप-तपस्या की साक्षी है। इसलिए यह क्रूज यात्रा एक साथ कई नए अनुभव लेकर आने वाली है। भारत आने वालों और रिवर क्रूज के शौकीन लोगों में से जो लोग अध्यात्म की खोज में हैं, उन्हें वाराणसी, बोधगया, विक्रमशिला, पटना साहिब की यात्रा करने का सौभाग्य मिलेगा। वहीं, जो लोग भारत की राष्ट्रीय विविधता को देखना चाहते हैं, उन्हें यह क्रूज सुंदरवन और असम के जंगलों की सैर कराएगा। वहीं, जो लोग बहुराष्ट्रीय क्रूज अनुभव लेना चाहते हैं, उन्हें ढाका से होकर गुजरने का अवसर मिलेगा। यहां पर यह कहना गलत नहीं होगा कि, जिस तरह से यह क्रूज 51 दिन में 3200 किलोमीटर की रोमांचक यात्रा पूरी कर उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और बंगलादेश से गुजरते हुए डिब्रूगढ़ पहुंचेगा, उससे निःसंदेह अंतरराज्यीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों तरह के सम्बन्ध मजबूत होंगे और इन क्षेत्रों में भी रोजगार की नई सम्भावनाएं पैदा होंगी। क्रूज के सैलानी देश-प्रदेश की संस्कृति व अध्यात्म से रूबरू होंगे। वहीं, बनारस टेंट सिटी के उद्घाटन से यह स्पष्ट हो गया कि निकट भविष्य में बक्सर, आरा, पटना, हथिदह-सिमरिया, मुंगेर, सुल्तानगंज, भागलपुर, कहलगांव, साहेबगंज, राजमहल, हावड़ा आदि जगहों पर भी ऐसे टेंट सिटी कंसेप्ट विस्तार पा सकते हैं। इससे इन इलाकों में नौका, गोंडोला, हाउसबोट, शिकारा, पैडलबोट, जेट-स्की या यहां तक कि एक पुरानी नौका में जाने के अवसर से पर्यटन और रोजगार के क्षेत्र में चार चांद लग जाएंगे।

# ब्रिटेन के पीएम ऋषि सुनक ने कार की सीट बेल्ट हटाने पर मांगी माफी, विपक्षी लेबर पार्टी ने साधा निशाना

**लंदन।**

ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने गुरुवार को उत्तर-पश्चिम इंग्लैंड में एक जगह जाने के लिए गाड़ी चलाते समय सोशल मीडिया वीडियो फिल्माने के लिए अपनी सीट बेल्ट हटाने में निर्णय की संक्षिप्त त्रुटि के लिए माफी मांगी। सुनक के डाउनिंग स्ट्रीट के प्रवक्ता ने कहा कि उन्होंने केवल थोड़ी देर के लिए अपनी सीट बेल्ट हटाई थी और वह स्वीकार करते हैं कि उन्होंने गलती की है।

### ब्रिटेन में कार सीट बेल्ट नहीं लगाने पर 100 पाउंड का ऑन-द-स्पॉट जुर्माना

ब्रिटेन में कार में सीट बेल्ट लगाने में विफल रहने वाले यात्रियों को 100 पाउंड का ऑन-द-स्पॉट जुर्माना किया जा सकता है। अगर मामला अदालत में जाता है तो यह बढ़कर 500 पाउंड हो जाता है। सिर्फ वैध चिकित्सा मामले में छूट दी जा सकती है। सुनक के प्रवक्ता ने कहा कि यह निर्णय की एक संक्षिप्त त्रुटि थी। पीएम ने एक छोटी सी क्लिप फिल्माने के लिए अपनी सीट बेल्ट हटा दी थी। वह पूरी तरह से स्वीकार करते हैं कि यह एक गलती थी और इसके लिए माफी मांगते हैं। प्रवक्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री का मानना है कि सभी को सीट बेल्ट लगानी चाहिए।

### विपक्षी लेबर पार्टी ने साधा निशाना

सुनक ने देश भर में 100 से अधिक परियोजनाओं को फंड देने के लिए अपनी सरकार की नई लेवलिंग अप फंड घोषणाओं को बढ़ावा देने के लिए एक वीडियो फिल्माया। वीडियो में पुलिस की मोटरसाइकिलों को उनकी कार के साथ देखा जा सकता है। विपक्षी लेबर पार्टी ने कहा कि नवीनतम घटना ने अंतहीन दर्दनाक दृश्य को दिखाया है। पिछले वीडियो में सुनक को अपने कार्ड से संपर्क रहित भुगतान करने के लिए संघर्ष करते हुए दिखाया गया था।

लेबर पार्टी के प्रवक्ता ने कहा कि ऋषि सुनक इस देश में सीट बेल्ट, अपने डेबिट कार्ड, ट्रेन सेवा और अर्थव्यवस्था का प्रबंधन करना नहीं जानते हैं। यह सूची हर दिन बढ़ रही है, और यह एक अंतहीन दर्दनाक दृश्य बना रही है। यह मामला उस दिन सामने आया जब सुनक देश के उत्तर में उड़ान भरने के लिए रॉयल एयर फोर्स (आरएएफ) जेट का उपयोग करने के लिए विपक्ष के निशाने पर आ गए थे। डाउनिंग स्ट्रीट ने जोर देकर कहा कि विमान का उपयोग प्रधान मंत्री के समय का सर्वोत्तम उपयोग सुनिश्चित करने के लिए किया गया था। यह उस दिन के अंत में आया जब वह देश के उत्तर में उड़ान भरने के लिए रॉयल एयर फोर्स (आरएएफ) जेट का उपयोग करने के लिए विपक्ष के निशाने पर आ गए। डाउनिंग स्ट्रीट ने जोर देकर कहा कि विमान का उपयोग प्रधानमंत्री के समय का सर्वोत्तम उपयोग सुनिश्चित करने के लिए किया गया था।

## न्यूज ब्रीफ

### ट्रंप का बड़ा आरोपः अधिकारियों ने मुझे फंसाने के लिए मेरे घर पर फर्जी फाइलें रखवाईं, मैंने कुछ गलत नहीं किया

**वाशिंगटन।** अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर से सुर्खियों में हैं। इस बार उनके सुर्खियों में रहने की वजह उनके घर पर पाए गए सिक्रेट क्लासिफाइड फाइलें हैं जो कि उनकी मुश्किलें बढ़ाती नजर आ रही हैं। दरअसल, ट्रंप के घर से कुछ गुप्त क्लासिफाइड फाइलें मिली हैं जिसके बाद से उनके ऊपर जांच का खतरा मंडराने लगा है।

हालांकि, इस मामले में अब डोनाल्ड ट्रंप का भी बयान सामने आ गया है। उन्होंने कहा कि मुझे पता है कि इन फाइलों को कुछ नफरती संघीय अधिकारियों द्वारा प्लांट किया गया है ताकि वे मुझे फंसा सकें। लेकिन मैं इसे हल्के में ले रहा हूं क्योंकि मुझे पता है कि ये सब मुझे फंसाने के लिए किया गया है और इसमें कोई भी सबूत नहीं है। उन्होंने कहा कि मैं अपने राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान कुछ भी गलत नहीं किया। यह सब मेरे खिलाफ साजिश रचने की योजना है। अपने मार-ए-लागो घर पर फाइलें मिलने के बाद ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट भी लिखा और कहा कि ये सभी साधारण और सस्ते फोल्डर थे। शायद गेस्टापो (अधिकारी) ने इन खाली फोल्डरों को उठाकर ले गए। इनमें कुछ नहीं मिलने वाला है। गेस्टापो ने इन फोल्डरों को एक दस्तावेज के रूप में गिना, जो कि वे नहीं हैं। ट्रंप ने कहा कि यह एक नफरती मार्क्सवादी ठग हो सकता है जिसने मेरे घप फर्जी दस्तावेज प्लांट किए हों वो भी बिना किसी सबूत प्रस्तुत किए हुए। ट्रंप ने कहा कि बाइडन के घर मिले फाइलों को दबाने और बदलने के लिए इस तरह की योजना बनाई गई है। राष्ट्रपति के रूप में मैंने कुछ भी गलत नहीं किया।

### राजधानी सियोल के स्लम इलाके में भीषण आग, कई घर जलकर खाक, बस्ती छोड़कर भागे हजारों लोग

**सियोल।** दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल के झुग्गी इलाके गुरयोंग गांव में लग गई। इस भीषण आग में 60 से अधिक घर जलकर खाक हो गए जबकि 500 लोगों को उनके घरों से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। हालांकि, इस घटना में कितने लोगों की मौत हुई है इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। अग्निशमन अधिकारियों के अनुसार जैसे ही इलाके में आग लगी लोगों के बीच दहशत फैल गई लोग इधर-उधर जान बचाकर भागते दिखे। सोशल मीडिया पर आग लगने का वीडियो भी वायरल हो रहा है जिसमें देखा जा सकता है कि आग बुझाने के लिए 800 से अधिक दमकलकर्मियों को लगाया गया है। इसके अलावा 10 हेलीकॉप्टरों की भी तैनाती की गई हैं जिससे ऊंचाई से पानी का छिड़काव किया जा सके। आग की लपटें इतनी भीषण थी कि चारों तरफ धुआं ही धुआं दिखा रहा था। दमकल विभाग के अधिकारी शिन योंग-हो ने बताया कि ऐसा अनुमान है कि गांव में प्लास्टिक शीट से बने एक घर में आग लग गई थी, जो बाद में बाकी मकानों में फैल गई। उन्होंने बताया कि आग लगने की उचित वजह का पता लगाया जा रहा है।

### अमेरिका में ड्रग्स सप्लाई करने वाले भारतीय को सात साल की सजा, भारत और सिंगापुर से करता था तस्करी

**वाशिंगटन।** अमेरिका में एक 34 वर्षीय भारतीय व्यक्ति को 280 करोड़ रुपये की ड्रग्स तस्करी का दोषी ठहराए जाने के बाद सात साल से अधिक की जेल की सजा सुनाई गई है। शख्स पर आरोप था कि वह भारत और सिंगापुर से अवैध तस्करी के जरिए अमेरिका में ओपिओइड (ड्रग्स) की सप्लाई करता था। बोस्टन में संघीय अभियोजकों ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि दोषी मनीष कुमार ने अमेरिका में लाखों अवैध और अस्वीकृत गोलियां उन लोगों को भेजीं जिनके पास नुस्खे नहीं थे। बयान में कहा गया है कि कुमार को अमेरिकी जिला अदालत के न्यायाधीश मार्क एल वुल्फ ने 87 महीने की जेल और तीन महीने की निगरानी में रिहाई की सजा सुनाई है। उन्हें 100,000 अमेरिकी डॉलर का जुर्माना भरने का भी आदेश दिया गया था।

# हादसे के बाद वायरल वीडियो में सही स्थिति में नहीं दिखा फ्लैप, ये रही असली वजह

**काठमांडो।**

नेपाल में हुए भीषण विमान हादसे पर एक रिपोर्ट में कहा गया है कि विमान का पायलट विमान की लैंडिंग के समय विंग फ्लैप को पूरी तरह नहीं खोल सका होगा, जिसके कारण यह दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान को जमीन पर उतारने के दौरान उसकी गति को कम करने और नियंत्रण बनाए रखने के लिए पंखों के पीछे फ्लैप लगे होते हैं, जो लैंडिंग के समय पूरी तरह से नीचे होते हैं। हालांकि, अभी आधिकारिक तौर पर हादसे का कोई कारण नहीं बताया गया है। फ्लाइट डाटा रिकॉर्डर (ब्लैक बॉक्स) की जांच के बाद ही दुर्घटना के सही कारण का पता चल सकेगा।

गौरतलब है कि 15 जनवरी को नेपाल की यति एयरलाइंस का विमान पोखरा में नव-निर्मित हवाई अड्डे के पास खाई में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। विमान ने काठमांडू के त्रिभुवन हवाई अड्डे से पोखरा के लिए सुबह करीब साढ़े दस बजे उड़ान भरी थी। करीब 20 मिनट की उड़ान के बाद लैंडिंग से 10 सेकंड पहले ही यह हादसे का शिकार हो गया था। यह 30 वर्षों में नेपाल की सबसे बड़ी हवाई दुर्घटना में से एक थी। इसमें उत्तर प्रदेश के गाजीपुर के रहने वाले चार युवक और चालक दल के चार सदस्यों समेत 72 लोगों की मौत हो गई।

विमान में चालक दल के चार सदस्यों सहित सभी 72 यात्रियों की मौत हो गई थी। इनमें चार अब तक 71 शव बरामद किए जा चुके हैं। एक अन्य की तलाश में जारी है। यति एयरलाइंस के एक अधिकारी के अनुसार, नेपाल सरकार ने दुर्घटना की जांच के लिए पांच सदस्यीय जांच समिति गठित की है। एटीआर-72 विमान दुर्घटना के कारण को समझने के लिए फ्रांस की नौ सदस्यीय टीम भी पोखरा में एयरलाइंस के कर्मचारियों और

संबंधित अधिकारियों से पूछताछ कर रही है। हादसे के बाद विमान के दो वीडियो वायरल हुए थे। काठमांडो पोस्ट में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार वीडियो में फ्लैप का सही कोण पर निर्धारित न होना साफ नजर आ रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार विमान के पायलट 296 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार पर लैंडिंग गियर छोड़ते हैं। इस समय फ्लैप 15 डिग्री के कोण पर सेट किया जाता है।

इसके बाद 277 किमी प्रतिघंट या इससे कम रफ्तार पर फ्लैप 30 डिग्री पर निर्धारित होना चाहिए, जबकि विमान के वायरल वीडियो में साफ नजर आ रहा है कि यह 15 डिग्री पर ही है। विशेषज्ञों के अनुसार लैंडिंग के ठीक पहले फ्लैप का ठीक कोण पर न होना हादसे की प्रमुख वजह हो सकता है।

### चीन की धमकी के आगे नहीं झुका ताइवान, कर दिया ऐसा एलान कि ड्रैगन रह गया हैरान

**ताइपे।** चीन की धमकी के बीच ताइवान ने एक बड़ा फैसला लिया है। दरअसल, ताइवान ने पहली बार महिलाओं को रिजर्व फोर्स में जाने की इजाजत देकर ड्रैगन को हैरान कर दिया है। ताइवान की व्यवस्था के नवीनतम निर्णय को चीन से सैन्य कार्रवाई के बढ़ते खतरे से निपटने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। इस साल की दूसरी तिमाही में शुरू होने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम में कम से कम 220 डिस्चार्ज महिला सैनिकों को नामांकित किया जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार, ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने पहले कहा था कि वह केवल पुरुष को प्रशिक्षण देता है क्योंकि उसके पास दोनों लिंगों को समायोजित करने की पर्याप्त क्षमता नहीं है। बता दें कि यूएस हाउस की स्पीकर नैन्सी पेलोसी की यात्रा के बाद चीन और ताइवान के बीच संबंध और खराब हो गए। यह यात्रा चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की चेतावनी के बावजूद की गई थी जिन्होंने कहा था कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन को आग से नहीं खेलना चाहिए। दिसंबर में, ताइवान ने घोषणा की कि वह 2024 से शुरू होने वाले सभी योग्य पुरुषों के लिए अनिवार्य सैन्य सेवा की अवधि को चार महीने से बढ़ाकर एक साल कर देगा। मंत्रालय ने यह भी कहा था कि यह फैसला 2005 के बाद जन्म लेने वाले पुरुषों पर लागू होगा। सीआईए वर्ल्ड फैक्टबुक के अनुसार, ताइवान में लगभग 170,000 कर्मियों का एक सैन्य बल है, जो ज्यादातर वॉलियंटर्स को मिलाकर बना है। सीआईए फैक्टबुक का कहना है कि 2021 तक ताइवान की सेना में महिलाओं की संख्या 15प्रतिशत थी, लेकिन ज्यादातर नॉन-कॉम्बेट भूमिकाओं में काम करती हैं।

# श्रीलंका ने पीएम मोदी का जताया आभार, जयशंकर बोले- कोलंबो आने का मकसद एकजुटता व्यक्त करना

**कोलंबो।**

विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर श्रीलंका दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने कहा कि कोलंबो आने का मेरा प्राथमिक उद्देश्य इन कठिन क्षणों में श्रीलंका के साथ भारत की एकजुटता व्यक्त करना है। उन्होंने कहा कि भारत विशेष रूप से ऊर्जा, पर्यटन और बुनियादी ढांचे के क्षेत्रों में श्रीलंका की अर्थव्यवस्था में अधिक से अधिक निवेश को प्रोत्साहित करेगा। उन्होंने कहा कि भारतीय पर्यटक यहां आकर श्रीलंका के प्रति सकारात्मक भाव व्यक्त कर रहे हैं। हम भारतीय पर्यटकों को रूपये भुगतान करने और यूपीआई प्रणाली का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करके इसे बेहतर बना सकते हैं। इससे पहले आर्थिक संकट से जूझ रहे श्रीलंका ने पिछले साल 3.9 अरब अमेरिकी डॉलर की ऋण सुविधा दिए जाने और भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर द्वारा द्विपीय देश की आर्थिक स्थिति में तेजी से सुधार के लिए निवेश बढ़ाने की प्रतिबद्धता जताने के बाद ऋण पुनर्गठन के लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) को आश्वासन देने के लिए शुक्रवार को भारत का आभार जताया। श्रीलंका के विदेश मंत्री अली साबरी ने कहा कि यह कहने में कोई अतिशयोक्ति नहीं है कि आवश्यक वस्तुओं के आयात के लिए भारत से 4 बिलियन अमेरिकी डॉलर की क्रेडिट लाइन की भारी सहायता के कारण, हम वित्तीय स्थिरता के कुछ उपाय हासिल करने में सक्षम रहे। मैं प्रधानमंत्री मोदी का आभार व्यक्त करता हूं। वहीं, जयशंकर ने ट्वीट किया कि राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे से मुलाकात की। इस बात को रेखांकित किया कि श्रीलंका में मेरा आना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 'पड़ोस प्रथम' प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि भारत एक भरोसेमंद साझेदार है, जो श्रीलंका को जरूरत महसूस होने पर उसकी मदद के लिए काफी कुछ करने को तैयार है। भारत ने तय किया है कि वह दूसरों का इंतजार नहीं करेगा, बल्कि उसे जो उचित लगेगा, वैसा करेगा। विदेश मंत्री ने कहा कि हमें उम्मीद है कि इससे न केवल श्रीलंका की स्थिति मतबूत होगी, बल्कि यह भी सुनिश्चित होगा कि सभी द्विपक्षीय ऋणदाताओं के साथ समान व्यवहार हो। गौरतलब है कि श्रीलंका अभी गंभीर आर्थिक संकट की स्थिति का सामना कर रहा है और कर्ज पुनर्गठन को लेकर वह भारत से सहयोग को लेकर आशान्वित है। श्रीलंका आईएमएफ से 2.9 अरब डॉलर का ऋण हासिल करने के लिए प्रयासरत है। वह चीन, जापान और भारत जैसे प्रमुख कर्जदाताओं से वित्तीय आश्वासन हासिल करने की कोशिश कर रहा है।

# एक कर्मचारी की गलती की वजह से ठप हुईं थी अमेरिका में हवाई सेवाएं, एफएए ने किया खुलासा

**वॉशिंगटन।**

**अमेरिका के फेडेरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन ने गुरुवार को बताया कि बीती 11 जनवरी को देश में हवाई सेवाओं के ठप होने की वजह पता चल गई है। एफएए ने बताया कि एक अनुबंधित कर्मचारी की गलती की वजह से पूरे कंप्यूटर सिस्टम में खराबी आई और इसके चलते ही पूरे देश में 11 हजार से ज्यादा हवाई सेवाओं को या तो रद्द करना पड़ा या फिर उन्होंने देरी से उड़ान भरी। एफएए ने कहा है कि अभी तक इस मामले में साइबर अटैक के सबूत नहीं मिले हैं।**

एफएए के अनुसार, एक अनुबंधित कर्मचारी ने अनजाने में लाइव प्राइमरी डाटाबेस और बैकअप डाटाबेस को सिंक्रोनाइज करने के चक्कर में कुछ फाइलें डिलीट कर दीं, जिससे एफएए के कंप्यूटर सिस्टम में खराबी आई। फेडेरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन के कार्यकारी प्रबंधक बिली नोलन शुक्रवार को देश के सांसदों और एफएए स्टाफ के साथ एक वर्चुअल मीटिंग भी करेंगे, जिसमें वह घटना के बारे में पूरी जानकारी देंगे। बता दें कि अमेरिका की सरकार ने घटना के बारे में एफएए से पूरी डिटेल्स मांगी थी और हवाई सेवाओं के ठप होने का कारण पूछा था।

बीते हफ्ते एफएए ने बताया था कि नोटिस टू एयर मिशन सिस्टम में तकनीकी कारणों से आई खराबी की वजह से हवाई सेवाएं ठप हुईं। साथ ही एफएए साइबर अटैक के एंगल से भी मामले की जांच कर रहा था।

बता दें कि नोटिस टू एयर मिशन सिस्टम के तहत विमान के पायलट और फ्लाइट क्रू को जरूरी सेफ्टी नोटिस भेजा जाता है। बीती घटना से सबक सीखते हुए एफएए ने नोटिस टू एयर मिशन सिस्टम को और मजबूत बनाने की बात कही है ताकि भविष्य में इस तरह की परेशानी का सामना ना करना पड़े।

# लश्कर नेता मक्की ने जेल से जारी किया वीडियो, अल-कायदा और आईएसआईएस के साथ संबंधों से किया इनकार

**लाहौर।**

पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के उप नेता अब्दुल रहमान मक्की ने गुरुवार को लाहौर की कोट लखपत जेल से एक वीडियो जारी किया। इस वीडियो में मक्की ने अल-कायदा या इस्लामिक स्टेट के साथ किसी भी तरह के संबंध होने से इनकार किया है। हालांकि, मुंबई आतंकी हमले का मास्टरमाइंड और जमात-उद-दावा का संस्थापक हाफिज सईद का बहनोई मक्की ने 26/11 के हमले का जिक्र नहीं किया, जिसमें 166 लोग मारे गए थे। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की 1267 आईएसआईएल (दाएश) और अल कायदा प्रतिबंध समिति ने सोमवार को 68 वर्षीय मक्की को नामित आतंकवादियों की सूची में शामिल किया था। भारत और उसके सहयोगियों के वर्षों के प्रयासों के बाद मक्की को संपत्ति जब्त करने, यात्रा प्रतिबंध और हथियार प्रतिबंध के अधीन लाया गया।

**यून की आतंकवादियों की सूची में गलत सूचना के आधार पर डाला गया: मक्की** – मक्की ने कहा कि मेरा मानना है कि मुझे आतंकवादियों की सूची में शामिल का आधार भारत सरकार द्वारा सिद्धांत के विपरीत और गलत सूचना पर

आधारित है। मैं ओसामा बिन लादेन, अयमान अल-जवाहिरी या अब्दुल्ला आजम से कभी नहीं मिला, जैसा कि कुछ प्रोपेगेंडा रिपोर्टों में आरोप लगाया गया है। वह 2019 से जेल में है जहां वह सईद और कुछ अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ आतंकी वित्त मामलों में कई सजा काट रहा है।

**कश्मीर के संबंध में पाकिस्तानी सरकार के साथ खड़ा हूं: मक्की** – मक्की 2019 से जेल में बंद है। जहां वह सईद और कुछ अन्य लश्कर-ए-तैयबा और जमात-उद-दावा के वरिष्ठ आतंकियों के साथ आतंकियों को वित्तीय सहायता पहुंचाने के कई मामलों में सजा काट रहा है। उसने कहा कि वह अल-कायदा और आईएसआईएस के विचारों और कार्यों को पूरी तरह से विपरीत मानता है, जिसमें वह विश्वास करते हैं। उसने कहा कि मैं इस तरह के समूहों द्वारा किए गए सभी प्रकार के आतंकवाद और हिंसा की निंदा करता हूं। मैं कश्मीर के संबंध में पाकिस्तानी सरकार की प्रमुख स्थिति में विश्वास करता हूं।

**मक्की ने यूएनएससी के फैसले पर खेद जताया** – मक्की ने अपने ऊपर लगाए गए आरोपों का जवाब देने या उसकी बात सुनने का उचित अवसर दिए बिना उसे आतंकवादियों की सूची में शामिल करने के यूएनएससी के फैसले पर खेद व्यक्त किया। मक्की ने कहा कि इस लिस्टिंग के संबंध में किसी उचित प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया और न ही इस बारे में उसे जानकारी प्रदान की गई। उसने 1980 के दशक में इस्लामिक यूनिवर्सिटी इस्लामाबाद के फैकल्टी सदस्य होने के आरोपों से इनकार किया, जहां उस पर अल-कायदा के नेताओं या अफगान कमांडरों से मिलने का आरोप लगाया गया था।

मक्की ने कहा कि उसने इस्लामिक विश्वविद्यालय में अध्ययन या अध्यापन नहीं किया था और उसका अब्दुल्ला आजम, अयमान अल जवाहिरी या ओसामा बिन लादेन के साथ कभी कोई संपर्क नहीं था।

## कनाडा के पुराने स्कूल में 171 बच्चों की कब्र मिली

# ये सभी मूल निवासियों के बच्चे, पढ़ाने के नाम पर चर्च प्रताड़ित कर मारता था

**टोरेंटो।**

कनाडा के मूल निवासियों के एक समूह को एक रडार सिस्टम के जरिए इमारत के नीचे 171 बच्चों की कब्र मिली है। कनाडा में मूल निवासी उन लोगों को कहा जाता है जो वहां अंग्रेजों के कब्जे के पहले से ही रह रहे थे। ओन्टारियो में जिस इमारत के नीचे कब्र मिली हैं वो कभी स्कूल हुआ करती थी। माना जा रहा है कि ये कब्र मूल निवासियों के ही बच्चों की हैं। इन बच्चों को 19वीं सदी में जबरन पकड़ कर चर्च की ओर से चलाए जा रहे स्कूलों में डाला गया था। कब्र मिलने पर समूह के सदस्य चीफ क्रिस स्कीड ने कहा कि इन्हें देखकर हमें याद रखना चाहिए की हम जिंदा बच पाए हैं। हम यहीं हैं और हमारे पूर्वज भी यहां हैं। हालांकि, ऐसा पहली बार नहीं है जब कनाडा में मूल निवासियों के बच्चों की कब्र मिली हों।

**कनाडा में बार-बार क्यों मूल निवासियों के बच्चों की कब्र मिलती हैं** – कनाडा में मई 2021 से मूल निवासियों के बच्चों की कब्र मिल रही हैं। इसको लेकर कनाडा के प्रधानमंत्री से लेकर वैटिकन सिटी के पोप फ्रांसिस तक माफी मांग चुके हैं। रिपोर्ट के मुताबिक 19वीं सदी में कनाडा की सरकारें और चर्च मूल निवासियों के बच्चों के लिए स्कूल चलाता था। इन स्कूलों को मेन मकसद मूल निवासियों के बच्चों को अपने कल्चर और रहन-सहन के तरीके से अलग करना था, जिसे कनाडा की सत्ता में बैठे लोग पिछड़ा और बेकार समझते थे।

कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि इन 130 स्कूलों में बहुत बुरी व्यवस्था होती थी। इन्हें ढंग से खाना और पानी तक नहीं दिया जाता था। बीमार होने पर इलाज नहीं मिलता था। जिससे हजारों बच्चों की मौत हो गई थी। पिछले साल पोप फ्रांसिस ने माना था कि इन स्कूलों में बच्चों का यौन शोषण भी होता था। चर्च के ये स्कूल बच्चों की मौत होने के बाद उनकी लाशों को स्कूल के नीचे दफन कर देते थे। साल 1990 में अलोचनाओं और कई विरोध प्रदर्शनों के बाद इन्हें बंद कर दिया गया था। 2021 में पहली बार शव मिले तो प्रधानमंत्री ने माफी मांगी साल 2021 में पहली बार कनाडा के एक पुराने बोर्डिंग स्कूल के कैम्पस में 215 बच्चों के शवों के अवशेष बरामद किए गए थे। इनमें कुछ बच्चे तीन साल से भी कम उम्र के थे। इन्हें भी रडार मशीन की मदद से तलाशा गया था। उस समय कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने इसे इतिहास की शर्मनाक यादों में से एक बताया था। उन्होंने इस पर ठोस कार्रवाई का वादा भी किया था।

**ट्रूथ एंड रिकंसिलिएशन कमीशन की रिपोर्ट में कई खुलासे हुए** – ट्रूथ एंड रिकंसिलिएशन कमीशन ने स्कूल संस्थान में हुए बच्चों पर अत्याचार पर एक रिपोर्ट भी दी थी। इसमें बताया गया था कि अत्याचार और लापरवाही से 3,200 बच्चों की मौत हुई थी। इसमें कैम्लूप्स स्कूल में 1915 से 1963 के बीच 51 मौतें हुई थीं। रिपोर्ट्स में इस तरह के बोर्डिंग स्कूल में 1.50 लाख बच्चों के शारीरिक उत्पीड़न, रेप, कुपोषण और अन्य अत्याचार की बात सामने आई थी।

# बिना हड्डी की जीभ का सही इस्तेमाल करना जरूरी : पायलट

**जयपुर ( हि.स. )।** राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बीच की तल्खी एक बार फिर चौड़े हो गई हैं। प्री बजट बैठक में गहलोत ने पायलट को इशारों-इशारों में कोरोना बताया था। अब सचिन ने भी इशारों में ही हमला बोलना शुरू किया है। शुक्रवार को महाराजा कॉलेज में लाइब्रेरी के उद्घाटन समारोह में पहुंचे पायलट ने बिना नाम लिए सीएम गहलोत पर खूब कटाक्ष किए। उन्होंने कहा कि मैंने राजनीति में मेरे स्वर्गीय पिताजी से बहुत कुछ सीखा है। राजनीति के अखाड़े में बड़ों-बड़ों को पटकनी देते हुए उन्हें देखा है। मुद्दों पर, पब्लिक सेंटीमेंट पर आप खड़े हों तो लोग ताली बजाते हैं। अपमान कर देना, छोटी-मोटी बात बोल देना, अच्छी बात नहीं है। आप सब जानते हो। मेरे बारे में क्या बोला गया। पायलट ने एक स्टूडेंट से पूछा कि मेरे बारे में क्या बोला। जवाब आया-कोरोना। पायलट ने फिर पूछा- जो पहले बोला वह बताओ तो जवाब आया- नाकारा-निकम्मा। शुक्रवार दोपहर महाराजा कॉलेज पहुंचे पायलट ने युवाओं से कहा कि इन सब बातों की जरूरत नहीं है। मैं कोई प्रोफेसर नहीं हूं। आपसे बड़ा हूं। मेरा दायित्व बनता है, आपको सही बात बोलूं। आपके संस्कारों को जगाऊं। आपकी फितरत ऐसी होनी चाहिए कि आप लोगों का मान-सम्मान करो। लोगों को इज्जत दोगे तो इज्जत मिलेगी। युवाओं की तकदीर बदलने के लिए हमें किसी की दया या भीख नहीं चाहिए। हमें अवसर चाहिए। हमें प्लेटफार्म चाहिए। हमें स्वस्थ प्रतिस्पर्धा चाहिए। युवाओं को काबिलियत के आधार पर मौका मिलता रहे। प्रतिभाओं को रोकने की जगह बढ़ाने का काम करें। पायलट ने कहा कि चुनाव आते हैं। हम विरोध करते हैं, लेकिन नीति-सिद्धांतों पर विरोध होना चाहिए। पिछले पांच दिनों से मैंने केवल मुद्दों पर भाषण दिया है। किसी पर व्यक्तिगत आरोप नहीं लगाया है। व्यक्तिगत आलोचना करना, गाली-गलौज करना, कठोर शब्द बोल देना बड़ा आसान काम है। 32 सलाखों के पीछे जो बिना हड्डी की जीभ है, उसे संतुलित करना, सही इस्तेमाल करना बहुत जरूरी है। मुंह से निकली हुई बात कभी वापस नहीं आती। पायलट ने कहा कि जब चुनाव आते हैं, जब प्रचार करने जाता हूं। मेरे सामने हमेशा भाजपा खड़ी रहती है। आप सब जानते हो जब जब मैं प्रचार करता हूं तो धुआं निकाल देता हूं। मेरे सामने जो चुनाव लड़ते हैं, विरोध करते हैं, मैंने हमेशा उन्हें मान-सम्मान दिया। मैंने उनकी प्रशासनिक कार्रवाई, उनकी नीतियों को, उनके काम करने के तरीकों को और उनके भ्रष्टाचार को उजागर किया। मैंने कभी भी अपने विरोधियों के लिए उन शब्दों का प्रयोग नहीं किया जो शब्द मैं अपने लिए नहीं सुनना चाहता। जो शब्द और बातें आप अपने लिए नहीं सुन सकते, वह औरों के लिए नहीं बोलना चाहिए। पायलट ने कहा कि इस पार्टी ने हमें बहुत कुछ दिया है। उसको हम लगातार मजबूत करने का काम करें। 2014 में पहली बार राहुल गांधी और सोनिया गांधी ने मुझे प्रदेश अध्यक्ष बनाया था। उस समय हमारे केवल 21 विधायक रह गए थे। पांच साल हमने मिलकर काम किया। पायलट ने फिर युवाओं से पूछा कि पांच साल कांग्रेस अध्यक्ष रहते हुए मेहनत में कोई कमी देखी, संघर्ष में कोई कमी देखी, रगड़ाई में कोई कमी देखी ? युवाओं ने हर बार जवाब दिया, कोई कमी नहीं देखी। पायलट ने कहा कि छात्रों, नौजवानों के भविष्य के साथ जो भी खिलवाड़ करेगा, मैं उसके विरोध में खड़ा मिलूंगा। पायलट ने कहा कि मेरी पार्टी ने मुझे बहुत कम उम्र में मौके दिए है। हमें अपने से कम उम्र के नौजवानों को मौका देना पड़ेगा। पायलट ने कहा कि न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री को सलाम करना

चाहता हूं। दुनिया की सबसे कम उम्र की पीएम थीं। 42 साल की उम्र में उन्होंने पद छोड़ने की घोषणा कर दी। जब उन्हें लगा कि पब्लिक रेटिंग में कुछ नंबर कम आ गए तो उन्होंने टेलीविजन पर आकर इस्तीफे की घोषणा कर दी। कहा कि अब पार्टी के लिए काम करूंगी। हम सबको आने वाली पीढ़ी का सोचना चाहिए। आप सब युवाओं को सोचना चाहिए।

# राव इंद्रजीत ने गुरुग्राम में युवाओं को सौंपे नियुक्ति पत्र, पीएम ने दी बधाई

**गुरुग्राम ( हि.स. )।** केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने कहा कि आज जब हम आजादी के अमृत काल में प्रवेश कर चुके हैं तो यह पिछले 75 वर्षों में देश के संकल्पों को पूरा करने वाले सभी लोगों के योगदान का स्मरण करने का अवसर है। साथ ही अमृत काल के आने वाले 25 वर्षों पर अपनी शक्ति और सामर्थ्य को केंद्रित भी करना है। तभी वर्ष 2047 में एक शक्तिशाली और विकसित राष्ट्र का सपना साकार होगा। यह बात उन्होंने शुक्रवार को सीआरपीएफ केंद्र कादरपुर में भारत सरकार के मिशन मोड रिक्रूटमेंट अभियान के तहत आयोजित रोजगार मेले में कही। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से ही गुरुग्राम सहित देश के विभिन्न स्थानों पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल रहे नियुक्तियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव में सरकारी नौकरी प्राप्त करने वाले युवा देश सेवा में अगले 25 सालों तक अपना योगदान अवश्य दें। केंद्रीय मंत्री ने रोजगार मेले का दीप प्रज्वलित कर विधिवत शुभारंभ करने उपरान्त अपने संबोधन में कहा कि पूर्व में केंद्र सरकार की नौकरियों में जो अभाव रहा करता था, उसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व व मार्गदर्शन में दूर करने के लिए प्रत्येक स्तर पर गंभीरता से प्रयास जारी है। राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित किए जा रहे यह रोजगार मेले उन्हीं गंभीर प्रयासों का हिस्सा है। केंद्रीय मंत्री ने अपने संबोधन में राजनैतिक अस्थिरता का जिक्र करते हुए कहा कि देश में पिछले कुछ दशकों से बेमेल गठबंधनों के चलते राजनैतिक अस्थिरता का माहौल रहा जिसके परिणामस्वरूप देश के विकास की गति काफी हद तक प्रभावित रही। राव इंद्रजीत ने देश में राजनैतिक अस्थिरता को खत्म करने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में वर्ष 2014 में देश को एक मजबूत इरादों की सरकार मिली जो पूर्ण बहुमत होने के साथ साथ देश हित में लिए जाने वाले निर्णयों से पीछे नहीं हटती। उन्होंने कहा कि यह सरकार द्वारा आमजन के हित में मजबूती के साथ लिए गए निर्णयों का ही प्रभाव था, जिसके चलते भारतीय जनमानस ने प्रधानमंत्री को देशसेवा का पुन। अवसर देने के साथ-साथ भारतीय जनता पार्टी की लोकसभा की सीटों में भी अभूतपूर्व इजाफा किया। उन्होंने कहा कि यह देश में मजबूत व राष्ट्रहित को सर्वप्रथम रखने वाली सरकार का ही प्रभाव है कि आज धारा 370 हटने के बाद कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। कार्यक्रम में शिमला की मुख्य आयकर आयुक्त रेखा शुक्ला, गुरुग्राम के प्रधान आयकर आयुक्त प्रताप सिंह सहित रोजगार मेले में नियुक्ति पाने वाले विभिन्न युवक व युवतियां उपस्थित रहे।

# ड्रग्स माफियाओं की जानकारी जुटाने के लिए गए पुलिस कांस्टेबल पर हमला

**जयपुर ( हि.स. )।** करधनी थाना इलाके में ड्रग्स माफियाओं की जानकारी जुटाने के लिए गए जिला स्पेशल टीम पश्चिम के कांस्टेबल पर हमला कर उसकी कार में तोड़फोड़ करने का मामला सामने आयाहै। इस संबंध में कांस्टेबल भाग्य वर्धन सिंह ने गुरुवार देर रात थाने में अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुटी है। पुलिस ने बताया कि पुलिस कांस्टेबल भाग्यवर्धन जिला स्पेशल टीम पश्चिम में तैनात हैं, जो जयपुर पुलिस के ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत ड्रग्स माफियाओं की जानकारी जुटाने के लिए गुरुवार देर शाम को निवारू रोड गए था। जब वह सूचना जुटाने के बाद देर रात लौट रहे था कि निवारू पुलिया के पास पीछे से तेज रफ्तार में आई हरियाणा नंबर की एक कार ने उनकी कार को टक्कर मार दी। जिस पर भाग्यवर्धन कार से नीचे उतर कर टक्कर मारने वाली कार के चालक से बात करने लगा। इस दौरान तभी कार में सवार एक युवक बाहर उतरा और खुद को हरियाणा के एक एसएसपी का भाई बता कर पुलिस कांस्टेबल भाग्यवर्धन के साथ मारपीट करने लगा। कार में सवार युवक और चालक द्वारा मारपीट किए जाने पर पुलिस कांस्टेबल भाग्यवर्धक जैसे-जैसे दोनों बदमाशों के चंगुल से छूट कर अपनी कार में बैठकर वहां से रवाना हुआ। इस दौरान बदमाशों ने उसका पीछा किया और फोन करके अपने कुछ और साथियों को भी बुला लिया। जहां थाना इलाके में स्थित वैध जी का चौराहा के पास दो गाड़ियों में आए बदमाशों ने पुलिस कांस्टेबल भाग्यवर्धक की कार के आगे अपनी कार लगाकर रोका और कार से नीचे उतार कर उसके साथ जमकर मारपीट कर कार में भी तोड़फोड़ कर फरार हो गए। पुलिस कांस्टेबल भाग्यवर्धन ने जैसे-तैसे खुद को संभाला और थाने पहुंचकर मामले की जानकारी दी।

# आजाद की बनाई गई पार्टी भाजपा की बी टीम : दिग्विजय सिंह

**कठुआ ( हि.स. )।** राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा शुक्रवार 22 किलोमीटर तय करने के बाद जिला कठुआ की तहसील मढ़हीन की चढ़वाल पंचायत में रुक गई है। 22 किलोमीटर यात्रा पूरी करने के बाद मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, पूर्व केंद्रीय मंत्री जयराम रमेश, जेकेपीसीसी अध्यक्ष विकार रसूल, जम्मू कश्मीर की अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के प्रभारी रजनी पाटिल, मीर अफजल, विनय शास्त्री, अमरीश पांडे ने यात्रा की आगे की रणनीति के बारे में जानकारी दी। पत्रकार वार्ता शुरू करने से पूर्व डोगरी में यात्रा पर आधारित एक गाना दिखाया। पत्रकारों को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेताओं ने बताया कि भारत जोड़ो यात्रा की शुरुआत 7 सितंबर 2022 को कन्याकुमारी से हुई थी इसका आज 126 दिन है जोके अंतिम प ?ाव की ओर जा रही है। जिसे 30 तारीख को श्रीनगर में झंडा लहरा कर संपन्न किया जाऐगा। उन्होंने बताया कि इन 126 दिनों में देश के विभिन्न राज्यों से गुजरे हैं और विभिन्न भाषाओं में लोगों के साथ संवाद किया है। राहुल गांधी 126 दिनों में पैदल यात्रा कर लोगों के दिलों में बसे हैं। जम्मू कश्मीर में प्रवेश के बाद भारत जोड़ो

यात्रा में बढ़-चढ़कर भाग लेने वाले कठुआ वासियों का शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि बारिश के चलते भी लोग इस यात्रा में शामिल हुए हैं। उन्होंने बताया कि 22 तारीख को सुबह फिर से यात्रा चढ़वाल से आरंभ होगी जोकि 23 तारीख को जम्मू के सतवारी चौक पर पहुंचेगी जहां पर एक विशाल जनसभा का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद 24 तारीख को यात्रा नगरोटा से चलेगी। वही पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए दिग्विजय सिंह ने कहा के जम्मू कश्मीर में राज्य का दर्जा छीन कर यूटी का दर्जा देना निंदनीय है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में जब कांग्रेस की सरकार थी तो लोगों को जमीने अलाट की थी जिसे बीजेपी छीन रही है। जबकि जम्मू कश्मीर के लोग पिछले कई वर्षों से इन जमीनों पर खेतीवाड़ी कर रहे हैं। जम्मू-कश्मीर में पुराने जमाने के दादा परदादा के समय से सरकारी जमीनों पर खेती हो रही है मकान बने हुए हैं। लेकिन भाजपा उनकी जमीन छीनने का काम कर रही है लोगों को बेदखल कर रही है। उन्होंने कहा कि पिछले 9 वर्षों में जम्मू-कश्मीर की अवाम पर जितने जुलम भाजपा सरकार ने किए हैं उन सब दुखों को बांटने के लिए राहुल गांधी जम्मू पहुंचे हैं। जम्मू में युवा बेरोजगार घूम रहे हैं, महंगाई सातवें आसमान पर है, हरियाणा के बाद दूसरे नंबर पर जम्मू-कश्मीर में बेरोजगारी है। वही पत्रकारों द्वारा लखनपुर में हुए जनसभा में डोगरा स्वाभिमान संगठन के संस्थापक चौधरी लाल सिंह को मंच ना दिए जाने पर भी सवाल उठाए गए। जिस जिस पर कांग्रेसी नेताओं ने कहा कि चौधरी लाल सिंह एक अच्छे नेता हैं। आने वाले दिनों में कश्मीर में 23 राष्ट्रीय राजनीतिक पार्टियों की एक बैठक होगी जिसमें लाल सिंह भी शामिल होंगे। इसी बीच पत्रकारों ने डेमोक्रेटिक आजाद पार्टी को भाजपा की बी टीम पर सवाल पूछा तो इस पर उन्होंने कहा कि गुलाम नबी आजाद द्वारा बनाई गई पार्टी भाजपा की बी टीम है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी बनने से पहले ही उसका अस्तित्व खत्म हो चुका है। आने वाले दिनों में आजाद का नामो निशान मिट जाएगा।

# मानवाधिकार पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन संपन्न

**बीकानेर ( हि.स. )।** राजकीय महारानी सुदर्शन कन्या महाविद्यालय एवं अलवर राजऋषि कन्या महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में मानवाधिकार विषयक तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन शुक्रवार को संपन्न हुआ। समापन समारोह के मुख्य अतिथि राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष जस्टिस गोपाल कृष्ण व्यास थे। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के सम्मेलनों की सार्थकता तभी सिद्ध होगी, जबकि आमजन इसके मूल को अपने जीवन में उतारेगा। उन्होनें कहा कि पर्यावरण संरक्षण के माध्यम से मानवाधिकार की रक्षा हो सकेगी। राजूवास परिसर में अपने बचपन के दिनों का स्मरण करते हुए व्यास ने कहा कि राजूवास का भवन ऐतिहासिक है एवं इसके मूल रूप को बनाये रखना अत्यावश्यक है। उन्होनें कहा कि सरकारों द्वारा चलाये जा रहे समाजपयोगी योजनाओं की मॉनिटरिंग बेहद आवश्यक है। आम जनता को इसका अधिकाधिक लाभ उठाना चाहिए। विशिष्ट अतिथि के रूप में बोलते हुए राजूवास के कुलपति डॉ. एस. के. गर्ग ने कहा कि मानवाधिकार की रक्षा करना केवल सरकारों का ही कर्त्तव्य नहीं है। इसके लिये आमजन को भी सहयोग करना होगा। उन्होंने कहा कि अपने अधिकारों के साथ साथ कर्त्तव्यों का पालन भी करना होगा। डॉ. गर्ग ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से युवाओं को मानवाधिकार के बारे में नवीनतम जानकारी उपलब्ध हो सकेगी।विशिष्ट अतिथि के रूप में युवा उद्यमी पवन महनोत एवं अविनाश मोदी मौजूद रहे।

कॉलेज प्राचार्या डॉ. विजयश्री गुप्ता ने बताया कि तीन दिवसीय सम्मेलन में 20 देशों के लगभग 600 शिक्षाविदों एवं वैज्ञानिकों ने पर्यावरण एवं मानवाधिकार संबंधित व्याख्यान प्रस्तुत किए। एमएस कॉलेज द्वारा पहली बार आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मानवाधिकार एवं पर्यावरण संबंधी विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा हुई। आयोजन सचिव डॉ. शशि वर्मा ने बताया कि अंतिम दिन डॉ. अरूणा भारद्वाज, डॉ. विनोद भारद्वाज एवं डॉ. अनिला पुरोहित ने विभिन्न सत्रों की अध्यक्षता की। इन सत्रों में मलेशिया की शजीगाला ने मानवाधिकार, डूंगर कॉलेज के डॉ. राजेंद्र पुरोहित ने मोबाइल फोन के प्रभाव तथा इंग्लैण्ड के डॉ. बी.एम.लाम्बा ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। आरआर कॉलेज के प्राचार्य डॉ. हुक्म सिंह ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में डूंगर कॉलेज के प्राचार्य डॉ. जी.पी.सिंह, पूर्व प्राचार्य डॉ. शिशिर शर्मा, डॉ. अरूणा भारद्वाज, डॉ. उज्जवल गोस्वामी, डॉ. रजनी शर्मा, डॉ. नीरू गुप्ता सहित बड़ी संख्या में संकाय सदस्य एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

# संघ के सरसंघचालक डॉ. भागवत 25 से जयपुर में

**जयपुर ( हि.स. )।** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहनराव भागवत 25 जनवरी से जयपुर प्रांत के पांच दिवसीय प्रवास पर जयपुर आएंगे। जयपुर प्रांत संघचालक महेंद्र सिंह मग्गो ने बताया कि निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार डॉ. भागवत 25 जनवरी को जयपुर पहुंचेंगे और 29 जनवरी तक रहेंगे। डॉक्टर भागवत 26 जनवरी को केशव विद्यापीठ जाम ?ोली में विद्यालय के गणतंत्र दिवस कार्यक्रम में शामिल होंगे और प्रात: ध्वाजारोहण करेंगे। 27 जनवरी को वे जयपुर प्रांत के विभाग स्तर के संघ कार्यकर्ताओं की बैठक लेंगे। इसी प्रकार 28 व 29 जनवरी को भी संघ के विभिन्न स्तर के कार्यकर्ताओं की बैठकों में शामिल होंगे। इस दौरान संघ के शताब्दी वर्ष की तैयारियों पर भी चर्चा करेंगे। बैठकों में सामाजिक सशक्तीकरण की दिशा में चलने वाली गतिविधियों यथा कुटुम्ब प्रबोधन, ग्राम विकास, गोसेवा, सामाजिक समरसता और पर्यावरण पर भी मंथन होगा। सरसंघचालक का यह नियमित प्रवास है, जो दो वर्ष में एक बार प्रत्येक प्रांत में होता है।

# हिसार : महिला खिलाडियों की लड़ाई में खाप पंचायतें दिखाएंगी एकजुटता

**हिसार ( हि.स. )।** हरियाणा की महिला खिलाडियों पर हो रहे यौन शोषण के खिलाफ हरियाणा की लड़कियों व खाप पंचायतों ने एकजुट होकर लड़ाई लडने का फैसला किया है। इसके चलते राष्ट्रवादी विद्यार्थी कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया दुहन के नेतृत्व में 23 जनवरी को पंचकूला में खेल विभाग के कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया गया जाएगा। यह फैसला शुक्रवार को नारनौंद के गांव पेटवाड़ में हुई पंचायत में लिया गया। राष्ट्रवादी विद्याार्थी कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया दुहन की अध्यक्षता में हुई पंचायत में भारी संख्या में महिलाओं तथा खाप नेताओं ने भाग लिया। महासपंचायत को संबोधित करते हुए सोनिया दुहन ने कहा कि नारनौंद पहला ऐसा क्षेत्र है जिसने संदीप सिंह के एंट्री को बैन किया था। उन्होंने कहा कि दिल्ली में धरने पर बैठे पहलवानों के संबंध में मुख्यमंत्री मनोहर लाल का बयान बेहद हास्यास्पद है। एक तरफ मुख्यमंत्री महिला खिलाडि ?ों की सुरक्षा की बात कर रहे हैं तो दूसरी तरफ संदीप सिंह के खिलाफ शिकायत देने वाली महिला की सुनवाई नहीं हो रही है। महिला कोच आज भी इंसाफ के लिए भटक रही है। मुख्यमंत्री ने अपनी पूरी ताकत संदीप सिंह को बचाने के लिए लगा दी है। सोनिया दुहन ने कहा कि संदीप सिंह और बृजभूषण जैसे लोगों की बिना किसी देरी के गिरफ्तारी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को गलत बयान देकर हरियाणा वासियों को गुमराह करना बंद करना चाहिए। आज हरियाणा की महिला खिलाड़ी भय के साये में जी रही हैं। सोनिया दूहन के आह्वान पर पंचायत में फैसला लिया गया कि 23 जनवरी को पंचकूला में भारी संख्या में महिलाएं तथा खाप प्रतिनिधि पहुंचेंगे और खेल विभाग के कार्यालय का घेराव किया जाएगा। महापंचायत में मास्टर महावीर, राजवीर, वीरेंद्र सरपंच, वजीर सरपंच, संतोष देवी, संतरो देवी, कमला देवी, बारू राम, नसीब फौजी समेत कई प्रतिनिधियों ने संबोधित करते हुए महिला खिलाडियों के समर्थन में एकजुटता दिखाई।

# बीएसएफ आज से शुरू करेगा पाक सरहद पर ऑपरेशन अलर्ट

**जैसलमेर ( हि.स. )।** सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) राजस्थान फ्रंटियर 21 जनवरी से पाकिस्तान से लगी पश्चिमी सरहद पर ऑपरेशन अलर्ट शुरू करेगा, जो 28 जनवरी तक चलेगा। इस दौरान बीएसएफ के जवान पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर अपनी नियमित गश्त और बढ़ी हुई चौकसी के साथ अलर्ट रहेंगे। बॉर्डर पर तारबंदी के नजदीक अत्याधुनिक हथियारों से लैस जवानों के साथ उनका हौसला अफजाई करने के लिए अधिकारी भी रहेंगे और कड़ी निगरानी रखी जाएगी। ऑपरेशन के चलते बीएसएफ की सभी विंग एक्टिव रहेंगी। ऑपरेशन के दौरान तारबंदी में उन जगहों पर क ?ी नजर रखी जाएगी, जहां गैप ज्यादा है। ज्यादा से ज्यादा डिजिटल गैजेट्स का उपयोग किया जाएगा। इसके अलावा सीमावर्ती गांवों पर भी नजर रखी जाएगी। गणतंत्र दिवस तथा बदलते मौसम के चलते कड़ाके की ठंड और धुंध में सीमा पर तेज ठंडी हवाओं और कोहरे की स्थिति से निपटने को

लेकर बीएसएफ अलर्ट मोड पर रहेगी। इन दिनों सीमावर्ती इलाकों में मौसम का अत्यधिक असर देखने को मिलता है। सर्दी के मौसम में दिन और रात के बदलते तापमापी पारे के चलते अतिरिक्त सतर्कता की आवश्यकता रहती है। ठंड और घने कोहरे के चलते बदलते मौसमी परिवेश व गणतंत्र दिवस के मद्देनजर किसी भी प्रकार की अवांछनीय गतिविधियां तथा घुसपैठ रोकने के लिए ऑपरेशन अलर्ट के तहत बीएसएफ की ओर से सजग रहते हुए कड़ी निगरानी की जाती है। सीमा सुरक्षा बल राजस्थान के सूत्रों ने बताया कि इस ऑपरेशन के दौरान निगरानी यंत्रों का उपयोग करके ऑपरेशनल गतिविधियों पर जोर दिया जायेगा। ड्रोन थ्रेट को मद्देनज़र सीमावर्ती गांव में रहने वाले ग्रामीणों को सेंसेटाइज़ किया जायेगा। चौकसी के लिहाज से सबसे दुरुह और दुर्गम माने जाने वाले राजस्थान के बॉर्डर पर पेट्रोलिंग और गश्त को बढ़ाया जाएगा और तारबंदी के निकट बीएसएफ के अधिकारी व्हिकल, केमल व फुट पेट्रोलिंग के माध्यम से दिन-रात लगातार पेट्रोलिंग करेंगे। ऑपरेशन अलर्ट के दौरान सीमा पर बीएसएफ की इंटेलीजेंसी विंग भी सक्रिय रहेगी। इसके अलावा अन्य खुफिया एजेंसियों व स्थानीय निवासियों और पुलिस से भी बीएसएफ का तालमेल होगा। हालांकि, भारत की पहली रक्षा पंक्ति सीमा में सुरक्षा बल साल भर तारबंदी के पास मुस्तैद रहते हैं, लेकिन गणतंत्र दिवस पर सीमा सुरक्षा बल का बॉर्डर पर विशेष रूप से निगरानी कार्यक्रम चलता है। सीमा पार से किसी भी तरह की घुसपैठ, तस्करी और नापाक हरकत रोकने के लिए जवान और अधिकारी अतिरिक्त चौकस रहेंगे।


No. DD/APART/44/2018/108

**RE-ADVERTISEMENT NOTICE FOR REQUEST FOR QUOTATION (RFQ)**

1. Government of Assam (GoA). through the Government of India has received a credit from the **World Bank (W.B.)** towards the cost of the "Assam Agribusiness and **Rural Transformation Project (APART)**" and intends to apply part of the proceeds of this credit to cligible payments under the contract for which this request for quotation ts issued.
2. The Directorate of Dairy Development. Assam invites bids for **Hiring of Vehicle (H.Q.)** detailed in the RFQ document.
3. Bidding documents (and additional copies) may be collected trom the Operational Project Implementation Unit (OPIU), APART. Dairy Development. Assam. Khanapara, Guwahati-22 from 21/01/2023 to 13/02/2023.
4. Bids must be delivered to OPIU, APART, Dairy Development Department, Assam, Khanapara, Guwahati-22 on or before 14.00 hours 13/02/2023 and will he opened on the same day at 14.30 hours, in the presence of the bidders who wish to aticnd. It the office happens to be closed on the date of receipt of the bids as specified, the bids will be received and opened on the next working day at the same time und venue.
5. Other details can be seen in the bidding document.

**TABLE**

| Sl. No. | Name of Items | Specifications | Place of Delivery of Bids |
|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1 | Request for Quotations (RFQ) for Hiring of Vehicle (H.Q.) | Detailed specification at REQ | At the Office of the Director, Dairy Development Department, Assam Khanapara, Guwahati - 22. |

Director-in-C harge
Dairy Development Department, Assam
Khanapara. Guwahati-22

*-- Janasanyog /C/18741/22*

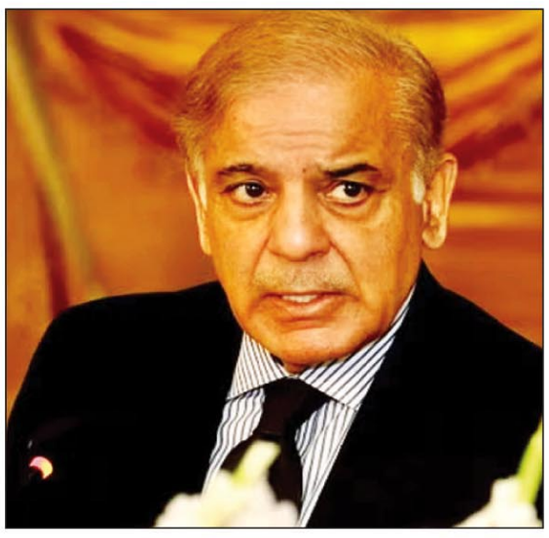

# संकट से जूझ रहे पाकिस्तान को यूएई का सहारा, दो अरब डॉलर की आर्थिक मदद को मिली मंजूरी

**नई दिल्ली।**

**नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान के लिए संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने दो अरब डॉलर की मदद को मंजूरी दी है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के तेल समृद्ध खाड़ी देश का दौरा करने और भुगतान संतुलन में सुधार के लिए मदद मांगने के कुछ दिनों बाद यह पुष्टि की गई है। वित्त मंत्री इशाक डार ने सोशल मीडिया पर इस बात की पुष्टि करते हुए कहा है कि धाबी फंड फॉर डेवलपमेंट (एडीएफडी) ने स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान (एसबीपी) में दो अरब डॉलर जमा किए हैं।**

बयान में कहा गया है, अबू धाबी फंड फॉर डेवलपमेंट (एडीएफडी) ने स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान में दो अरब डॉलर की राशि जमा करा दी है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पिछले सप्ताह यूएई के राष्ट्रपति के साथ इस पर चर्चा की थी। पाकिस्तान-यूएई की दोस्ती लंबे समय तक जारी रहे!

संयुक्त अरब अमीरात ने पिछले सप्ताह घोषणा की थी कि वह पाकिस्तान को मौजूदा दो अरब डॉलर के कर्ज के साथ एक अरब डॉलर के नए वित्तपोषण के रूप में तीन अरब डॉलर की मदद उपलब्ध कराएगा। बता दें कि पाकिस्तान के पास महज चार अरब डॉलर के विदेशी मुद्रा भंडार बचे हैं जबकि उसे आने वाले छह महीने में 13 अरब डॉलर का कर्ज चुकाना है। यूएई के अलावा, सऊदी अरब ने भी पाकिस्तान को महत्वपूर्ण समय में 5 बिलियन अमरीकी डॉलर की मदद दी है।

### पाकिस्तान को विश्व बैंक से 1.1 अरब डॉलर का कर्ज अब अगले वित्त वर्ष में मिल पाएगा

आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान को विश्व बैंक से 1.1 अरब डॉलर के दो कर्ज की मंजूरी अगले वित्त वर्ष तक के लिए टल गई है। मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। वाशिंगटन मुख्यालय वाली संस्था ने आयात पर बाढ़ शुल्क लगाने का भी विरोध किया है, जिससे पहले से ही 32 अरब डॉलर की वार्षिक योजना में एक नया रोड़ा खड़ा हो गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, बैंक के 45 करोड़ डॉलर के दूसरे सतत अर्थव्यवस्था के लिए जुझारू संस्थान (राइज-2) और 60 करोड़ डॉलर की सस्ती ऊर्जा के लिए दूसरी कार्यक्रम (पेस-2) को मंजूरी रोकने के फैसले से सरकार को बड़ा झटका लगा है। विश्व बैंक के लिए राइज-2 परियोजना की सांकेतिक तिथि वित्त वर्ष 2024 है, जो एक जुलाई 2023 से शुरू होकर 30 जून, 2024 तक चलेगा। बैंक के दस्तावेजों से यह भी पता चला है कि पेस-2 ऋण अगले वित्त वर्ष में मंजूर हो सकता है।

सरकार को 45 करोड़ डॉलर के एक ऋण के जनवरी में मंजूर होन की उम्मीद थी, जिससे एशियाई अवसंरचना निवेश बैंक (एआईआईबी) से भी और 45 करोड़ डॉलर जारी होने का रास्ता साफ हो जाता। एआईआईबी ने पाकिस्तान को विश्व बैंक के राइज-2 सी स्वीकृति मिलने पर 45 करोड़ डॉलर देने का वादा किया है।

## न्यूज ब्रीफ

### मुनाफे में भारी गिरावट से प्रौद्योगिकी कंपनियों में जारी रहेगा छंटनी का दौर

**नई दिल्ली।** वैश्विक मंदी के डर के बीच माइक्रोसॉफ्ट, मेटा और अमेजन जैसी बड़ी सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनियों के मुनाफे में भारी गिरावट की वजह से दुनियाभर में छंटनी का दौर अगले कुछ महीने तक जारी रहेगा। विश्लेषकों का कहना है कि मुनाफे में गिरावट की भरपाई के लिए ये कंपनियां न सिर्फ कर्मचारियों की छंटनी कर रही हैं बल्कि कार्यालयों की संख्या भी घटा रही हैं। माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला ने 5 फीसदी कर्मचारियों को निकालने की घोषणा करते हुए कहा कि कंपनी अपने हार्डवेयर विभाग में बदलाव कर रही है। लीज पर लिए गए कुछ कार्यालयों की संख्या कम करेगी। इससे कंपनी को 1.2 अरब डॉलर की बचत होगी। दरअसल, अमेरिका की पांच सबसे बड़ी आईटी कंपनियों मेटा, अमेजन, एपल, अल्फाबेट और माइक्रोसॉफ्ट में से हर एक का मुनाफा दिसंबर तिमाही में घट सकता है। इसे देखते हुए विश्लेषकों ने इनके कुल राजस्व अनुमान को 5 फीसदी घटाकर 561.4 अरब डॉलर कर दिया है। फैक्टसेट डाटा के मुताबिक, इन कंपनियों की आय में 9.5प्रतिशत तक गिरावट आ सकती है। निवेश फर्म आयरनहोल्ड कैपिटल के मुख्य निवेश अधिकारी सिद्धार्थ सिंघवी ने कहा, नौकरियों के लिहाज से निकट भविष्य में अच्छी खबर की उम्मीद नहीं है। कम-से-कम अगली तीन तिमाहियों तक और छंटनी होगी। माइक्रोसॉफ्ट : राजस्व 2.4 फीसदी बढ़ सकता है, लेकिन वृद्धि की रफ्तार 24 तिमाहियों में सबसे कम होगी। मुनाफा 9 फीसदी घट सकता है। एपल : 15 तिमाहियों में पहली बार राजस्व घट सकता है।

### नेटफ्लिक्स के को-फाउंडर रीड हेस्टिंग्स का सीईओ पद से इस्तीफा, दो प्रमुख सहयोगियों को सौंपी कमान

**लॉस एंजेलिस।** ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स इंक के सह-संस्थापक रीड हेस्टिंग्स ने गुरुवार को मुख्य कार्यकारी अधिकारी के पद से इस्तीफा दे दिया। इस्तीफा देते हुए उन्होंने कहा कि यह सही वक्त था फैसला लेने का। उन्होंने आगे की जिम्मेदारी अब लंबे समय के साथी और सह-सीईओ टेड सारंडोस और कंपनी के मुख्य परिचालन अधिकारी ग्रेग पीटर्स को सौंप दी है। रीड हेस्टिंग अब कार्यकारी अध्यक्ष के तौर पर अपनी सेवाएं देंगे। टेड सारंडोस और ग्रेस पीटर्स सीईओ की जिम्मेदारी संभालेंगे। नेटफ्लिक्स में यह बदलाव तुरंत प्रभावी होंगे। बता दें कि कोरोना काल (जुलाई 2020) में जब कंपनी के लिए चुनौतीपूर्ण समय था उस समय ही पीटर्स और सारंडोस को प्रमोट किया गया था। नेटफ्लिक्स ने 2022 की पहली छमाही में ग्राहकों को खो दिया था। लेकिन दूसरी छमाही में वृद्धि देखी गई लेकिन रफ्तार फिर भी धीमी रही थी। इसके बाद कंपनी को फायदा में लाने के लिए नेटफ्लिक्स ने अपनी पॉलिसी में बदलाव किया 12 देशों में पिछले नवंबर में एक सस्ता, विज्ञापन-समर्थित विकल्प पेश किया। इसने पासवर्ड साझा करने पर नकेल कसने की योजना की भी घोषणा की है। नेटफ्लिक्स ने अपने शेयरधारकों को पत्र लिखते हुए कहा कि 2022 एक कठिन वर्ष था। हमारा मानना है कि हमारे पास अपनी राजस्व वृद्धि को फिर से बढ़ाने के लिए एक स्पष्ट रास्ता है। वहीं बीते गरुवार (19 जनवरी) को सभी रिकॉर्डस को तोड़ते हुए नेटफ्लिक्स की सब्सक्राइबर्स की संख्या बढ़कर 23 करोड़ से भी ज्यादा हो गई है। वहीं, नेटफ्लिक्स के शेयर, पिछले साल लगभग 38 फीसदी तक गिर गए थे।

### हाईकोर्ट ने वेणुगोपाल धूत को अंतरिम जमानत दी, 26 दिसंबर को सीबीआई ने किया था गिरफ्तार

**नई दिल्ली।** बंबई हाईकोर्ट ने आईसीआईसीआई-वीडियोकॉन लोन फ्रॉड मामले में वीडियोकॉन ग्रुप के चेयरमैन वेणुगोपाल धूत को अंतरिम जमानत दे दी है। उन्हें सीबीआई ने 26 दिसंबर 2022 को गिरफ्तार किया था। इससे पहले वीडियोकॉन-आईसीआईसीआई बैंक ऋण मामले में वीडियोकॉन समूह के अध्यक्ष वेणुगोपाल धूत की ओर से दायर रिट याचिका पर बॉम्बे उच्च न्यायालय ने आदेश 13 जनवरी को सुरक्षित रखा था। उन्होंने सीबीआई की ओर से उन्हें गिरफ्तार करने का विरोध करते हुए याचिका दायर की थी। वीडियोकॉन समूह के प्रवर्तक वेणुगोपाल धूत के वकील ने शुक्रवार (13 जनवरी) को बंबई उच्च न्यायालय के समक्ष तर्क दिया था कि आईसीआईसीआई बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले में उद्योगपति की गिरफ्तारी अनुचित है क्योंकि वह जांच में सहयोग कर रहे हैं। दूसरी ओर, केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने दावा किया था कि धूत जांच से बचने की कोशिश कर रहे थे।

# 163 साल पहले स्कॉटिश अर्थशास्त्री ने पहली बार पेश किया बजट

**नई दिल्ली।**

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी 2023 को मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल का आखिरी पूर्ण बजट पेश करेंगी। साल 2024 में आम चुनाव होंगे इस लिए उससे पहले आने वाला यह बजट कई मायनों में अहम है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 112 के तहत हर वित्तीय वर्ष की शुरुआत से पहले सरकार को संसद में केंद्रीय बजट पेश करना जरूरी होता है। केंद्रीय बजट किसी वित्तीय वर्ष में होने वाली आमदनी और खर्चों से जुड़ा दस्तावेज है। यह वित्तीय वर्ष हर साल 1 अप्रैल से शुरू होकर अगले साल 31 मार्च को समाप्त होता है। देश में सरकार की ओर से बजट पेश करने की शुरुआत 19वीं सदी में ही हो गई थी।

### केंद्रीय बजट से जुड़ी कुछ अहम बातें।

**कहां से आया 'बजट' शब्द** – बजट शब्द फ्रेंच भाषा के शब्द से लिया गया है। इसका अर्थ होता है छोटा बैग। फ्रेंच भाषा में यह शब्द लैटिन शब्द बुल्गा से लिया गया है। इसका अर्थ है अर्थ है चमड़े का थैला। प्राचीन समय में बड़े व्यापारी अपने सारे मौद्रिक दस्तावेज एक थैले में रखते थे। इसी तरह धीरे-धीरे इस शब्द का प्रयोग संसाधनों को जुटाने के लिए किए गए हिसाब-किताब से जुड़ गया। इस तरह सरकारों के साल भर के आर्थिक बही-खाते को नाम मिला बजट।

**ईस्ट इंडिया कंपनी ने पेश किया था पहला बजट** – देश का पहला बजट 163 साल पहले अंग्रेजी शासन के दौरान पेश किया गया था। इसे स्कॉटिश अर्थशास्त्री और राजनीतिज्ञ जेम्स विल्सन ने ईस्ट इंडिया कंपनी की ओर से ब्रिटिश क्राउन के समक्ष पेश किया था। इस बजट को 7 अप्रैल 1860 को पेश किया गया था। केंद्रीय बजट के शुरुआती 30 वर्षों में इसमें इंफ्रास्ट्रक्चर नाम के शब्द की कोई चर्चा नहीं थी। बजट में यह शब्द पहली बार 20 शताब्दी की शुरुआत में शामिल किया गया।

**आजाद भारत का पहला बजट कब पेश किया गया** – आजाद भारत का पहला बजट 16 नवंबर 1947 को पेश किया गया था। इसे देश के पहले वित्त मंत्री आरके शनुखम चेट्टी ने पेश किया था। हालांकि यह एक तरह से भारतीय अर्थव्यवस्था की समीक्षा रिपोर्ट थी। इस बजट में किसी नए टैक्स की घोषणा नहीं की गई थी। इस बजट की कुल राशि का लगभग 46प्रतिशत लगभग 92.74 करोड़ रुपये रक्षा सेवाओं के लिए अलॉट किया गया था।

**एक वैज्ञानिक और देश के बजट का कनेक्शन** – माना जाता है कि आजाद भारत के बजट की परिकल्पना प्रो. प्रशांत चंद्र महालनोबिस ने की थी। स्वतंत्र भारत के बजट की अवधारणा उन्होंने ही तैयार की थी। वे एक भारतीय वैज्ञानिक और सांख्यविद् थे। उन्होंने लन्दन के कैंब्रिज विश्वविद्यालय से भौतिकी और गणित दोनों विषयों से डिग्री हासिल की थी। वे भारत के योजना आयोग के सदस्य भी रह चुके हैं। आर्थिक योजना और सांख्यिकी विकास के क्षेत्र में प्रशांत चन्द्र महालनोबिस के उल्लेखनीय योगदान के सम्मान में भारत सरकार उनके जन्मदिन 29 जून को हर वर्ष सांख्यिकी दिवस के रूप में मनाती है।

**ज्जब लीक हो गया था देश का बजट** – देश का केंद्रीय बजट वर्ष 1950 में सदन में पेश होने से पहले ही लीक हो गया था। उसके बाद बजट की छपाई का काम राष्ट्रपति भवन से मिंटो रोड स्थित एक प्रेस में शिफ्ट कर दिया गया था। फिर साल 1980 से बजट की छपाई नॉर्थ ब्लॉक स्थित सरकारी प्रेस से की जाने लगी।

**हिंदी में बजट की शुरुआत कब हुई** – पहले बजट से जुड़े सारे दस्तावेज सिर्फ अंग्रेजी में ही छपते थे। साल 1955-56 से इसे अंग्रेजी और हिंदी दोनों भाषाओं में मुद्रित किया जाने लगा।

**भारत के तीन प्रधानमंत्रियों ने खुद पेश किया बजट** – देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने वर्ष 1958-1959 का बजट बतौर प्रधानमंत्री पहली बार पेश किया। आमतौर पर देश के वित्त मंत्री ही बजट पेश करते हैं। पंडित नेहरू के अलावा इंदिरा गांधी ने वर्ष 1970-71 का बजट बतौर पीएम पेश किया। वे देश का केंद्रीय बजट पेश करने वालीं पहली महिला भी थीं। उनके बेटे राजीव गांधी ने भी वित्तीय वर्ष 1987-88 का बजट सदन में बतौर पीएम पेश किया।

**सबसे अधिक बार बजट पेश करने का रिकॉर्ड किसके नाम** – सबसे अधिक बार देश का बजट पेश करने का श्रेय पूर्व वित्त मंत्री मोरारजी देसाई को जाता है। उन्होंने इसे 10 बार पेश किया। उसके बाद पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने 9 बार, पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने 8 बार, यशवंत सिन्हा ने 8 बार और पूर्व पीएम मनमोहन सिंह ने 6 बार बजट पेश किया।

**इंदिरा गांधी के कार्यकाल का ये बजट कहलाता है 'ब्लैक बजट** – वर्ष 1973-74 के बजट को देश का ब्लैक बजट कहा जाता है। इसे तत्कालीन वित्त मंत्री यशवंत राव बी चव्हाण ने पेश किया था। यह बजट 550 करोड़ रुपये के घाटे का था। यह उस समय तक का सबसे बड़ा बजट घाटा था। इस बजट पर वर्ष 1971 में पाकिस्तान के साथ हुए युद्ध और खराब मानसून का असर दिखा था।

**देश के बदलाव में सबसे अहम बजट पेश करने का श्रेय इस 'पीएम' के नाम** – देश के प्रधानमंत्री रहे मनमोहन सिंह ने पीवी नरसिंह राव की सरकार में वित्त मंत्री रहने के दौरान वर्ष 1991-92 का बजट पेश किया था।

# पीपीएफ में निवेश करने वालों के लिए होगी बड़ी घोषणा! 'बजट 2023-24' में क्या खुशखबरी मिलेगी

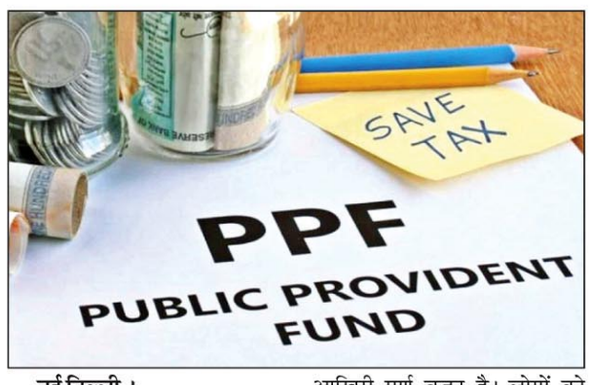


**नई दिल्ली।**

कोरोना संकट से बहुत हद तक उबरने के बाद 2022 में देश की अर्थव्यवस्था लगभग स्थिर रही। ऐसे में 2023 के बजट से लोगों को बहुत अपेक्षाएं हैं। जैसे-जैसे बजट की तारीख नजदीक आ रही है लोगों में इस बात की उत्सुकता बढ़ रही है कि इस बार उनके लिए क्या खास होगा आने वाले बजट पर आर्थिक जानकारों के बीच भी दो तरह के राय हैं। कुछ जानकारों का मानना है कि महंगाई और बाजार के मौजूदा हालात को देखते हुए बजट में बड़े बदलाव की उम्मीद नहीं है। हालांकि आर्थिक विशेषज्ञों का एक वर्ग 2023 के बजट में बड़े सुधार की उम्मीद कर रहा है। उनका मानना है कि खासकर टैक्स के राहत से जुड़े मामलों में वित्त मंत्री इस बार बड़ी घोषणाएं कर सकती हैं। बजट तैयार होने की प्रक्रिया पर नजदीक से नजर रख रहे कुछ जानकारों का मानना है कि इस बार के बजट में बहुत बड़े सुधार या बदलाव के आसार कम ही हैं। हालांकि उनका मानना है कि अलग-अलग कैटेगरी के करदाताओं के लिए टैक्स एक्जेम्शन और छूट की घोषणा 2023 के बजट में की जा सकती है। इसका एक बड़ा कारण यह है कि यह मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल का आखिरी पूर्ण बजट है। लोगों को उम्मीद है कि इस बार के बजट पर मोदी सरकार के 2024 के आम चुनावों की तैयारी की झलक दिखेगी। बजट पूर्व मंत्रणा बैठकों में कई दिग्गजों ने टैक्स स्लैब में बदलाव और करों में छूट का दायरा बढ़ाने की सरकार से अपील की है। बजट पूर्व मंत्रणा बैठकों में जिस मांग पर सबसे अधिक फोकस रहा वह था पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) के दायरे को डेढ़ लाख से बढ़ाकर तीन लाख करना। करदाता 80सी के तहत मिलने वाली छूट के दायरे को बढ़ाये जाने की उम्मीद कर रहे हैं। इससे बच्चों की पढ़ाई का खर्च, एजुकेशन लोन, घर खरीदने पर किए गए खर्च और रिटायरमेंट के बाद के प्लान्स पर किए गए खर्च में राहत मिलेगी। अधिकतर जानकारों का मानना है कि इस बार के बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आम आदमी को राहत देने वाले कुछ बड़े फैसलों को अमलीजामा पहना सकती हैं। इंस्टीच्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की तरफ से सरकार को भेजी गई एक सिफारिश में कहा गया है कि पीपीएफ की सालाना लिमिट को 1.5 लाख से बढ़ाकर 3 लाख रुपये करने पर सरकार को विचार करना चाहिए।

# अब स्विगी ने 380 कर्मचारियों को निकाला, कंपनी के सीईओ बोले- ये बहुत कठिन फैसला

**नई दिल्ली।**

फूड डिलिवरी प्लेटफॉर्म स्विगी ने शुक्रवार को अपने 380 कर्मचारियों को बाहर निकालने की घोषणा की है। कंपनी ने इसकी जानकारी देते हुए कहा है कि यह बहुत कठिन फैसला है। उसने यह कदम अपने बदलाव की कोशिशों के तहत उठाया है। कंपनी ने 380 क्षमतावान कर्मचारियों को निकालने के बारे में बताया कि हम यह कठिन फैसला अपनी टीम को छोटा करने के लिए कर रहे हैं। कंपनी के सीईओ श्रीहर्ष मजेटी ने अपनी ओर से भेजे गए मेल में कर्मचारियों को कहा है कि सभी संभव उपायों पर विचार करने के बाद यह फैसला लिया गया है। उन्होंने अपने ईमेल में छंटनी का यह फैसला लेने के कई कारण बताने के साथ ही कर्मचारियों से इसके लिए माफी भी मांगी है। स्विगी ने छंटनी के लिए जिन प्रमुख कारणों का उल्लेख किया है, उनमें से एक चुनौतीपूर्ण मैक्रोइकॉनॉमिक स्थितियां हैं। कंपनी ने कहा है कि वह कई तरह की चुनौतियों का सामना कर रही है।कंपनी ने खुलासा किया कि फूड डिलीवरी क्षेत्र में ग्रोथ रेट धीमा हो गया है, जिसके परिणामस्वरूप मुनाफा कम हुआ है और आय घटी है। हालांकि, स्विगी ने यह भी दावा किया है कि उसके पास

खुद को बनाए रखने के लिए पर्याप्त नकदी भंडार है। स्विगी ने लोगों को निकालने के अपने फैसले के लिए ओवरहायरिंग (आवश्यकता से अधिक बहाली) को भी दोषी ठहराया है। स्विगी सीईओ ने कहा, फूड डिलिवरी क्षेत्र का ग्रोथ रेट घटा है जो कंपनी के अनुमानों के पूरी तरह से खिलाफ है। इसलिए कंपनी को अपने लाभप्रदाता लक्ष्यों को हासिल करने के लिए छंटनी जैसा कठिन फैसला लेना पड़ा। उन्होंने कहा, हमने पहले ही बुनियादी ढांचे, कार्यालय/सुविधाओं आदि जैसी अन्य अप्रत्यक्ष लागतों पर कार्रवाई शुरू कर दी थी। हमें भविष्य के अनुमानों के अनुरूप अपने समग्र कर्मियों की लागत को भी सही आकार देने की जरूरत थी।

# इस साल 3700 अरब डॉलर हो जाएगी भारत की जीडीपी, आरबीआईने कहा- महंगाईघटाने में सफल रही मौद्रिक नीति

**नई दिल्ली।**

घरेलू अर्थव्यवस्था 2023 तक 3,700 अरब डॉलर की होगी। इसके साथही यह पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में ब्रिटेन से आगे बना रहेगा। आरबीआई ने बृहस्पतिवार को जारी एक लेख में कहा कि वृहत आर्थिक मोर्चे पर स्थिरता मजबूत बनी हुई है। 'अर्थव्यवस्था की स्थिति' शीर्षक से जारी लेख में कहा गया है कि हालिया आंकड़े बताते हैं कि महंगाई को संतोषजनक दायरे में लाना मौद्रिक नीति का पहला लक्ष्य था। उसे हासिल कर लिया गया है। यह पहली उपलब्धि रही। आरबीआई के डिप्टी गवर्नर माइकल देबव्रत पात्रा की

अगुवाई वाली टीम ने लेख में कहा कि 2023 में महंगाई को काबू में लाना है ताकि 2024 तक यह लक्ष्य के अनुसार रहे और यह दूसरी उपलब्धि होगी। भारत में जिंसों के दाम में नरमी और अन्य लागत कम होने से कंपनियों का प्रदर्शन सुधरा है। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष के हवाले से लेख में कहा गया है कि भारत 2025 तक चौथी और 2027 तक 5,400 अरब डॉलर के साथतीसरे सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

उभरते हुए बाजार बीते साल की तुलना में अधिक मजबूत दिखाई दे रहे हैं, लेकिन 2023 में उनका सबसे बड़ा जोखिम अमेरिकी मौद्रिक नीति और डॉलर से जुड़ा है। केंद्र और राज्यों के स्तर पर राजकोषीय मजबूती जारी है। प्रमुख संकेतकों के आधार पर चालू खाता घाटा 2022 की बची अवधि और 2023 में कम होने की ओर बढ़ रहा है।

### हेलमेट पर खत्म की जाए जीएसटी: आईआरएफ

इंटरनेशनल रोड फेडरेशन (आईआरएफ) ने बृहस्पतिवार को सरकार से हेलमेट पर जीएसटी खत्म करने की अपील की। अभी हेलमेट पर 18 फीसदी जीएसटी लगता है। वैश्विक सड़क सुरक्षा निकाय ने वित्त मंत्री को लिखे पत्र में कहा, हेलमेट दोपहिया वाहन सवारों के लिएरक्षा उपकरण की तरह है। इसलिएइस पर जीएसटी नहीं लगना चाहिए।

## फ्लाइट में पेशाब केस-एअर इंडिया पर 30 लाख जुर्माना

# पायलट 3 महीने के लिए सस्पेंड, आरोपी के वकील बोले- 4 महीने का बैन गलत

**नई दिल्ली।**

**एअर इंडिया की फ्लाइट में हुए पेशाब कांड में डीजीसीए ने एयरलाइंस पर 30 लाख का जुर्माना लगाया है। पायलट का लाइसेंस 3 महीने के लिए सस्पेंड कर दिया है। इस बीच आरोपी शंकर मिश्रा के वकील ने कहा कि उनके मुअक्किल पर लगाया गया 4 महीने का बैन गलत है। दरअसल, इस मामले की जांच के लिए एअर इंडिया ने एक कमेटी बनाई थी, जिसने शंकर के एयरलाइंस में ट्रैवल करने पर 4 महीने के लिए बैन लगा दिया था।**

कमेटी के फैसले के खिलाफ एक्शन लेंगे- आरोपी के वकील आरोपी शंकर मिश्रा के वकील

अक्षत बाजपेई ने एयरलाइंस के इस फैसले पर नाराजगी जताई है। अक्षत ने कहा कि उनके मुअक्किल शंकर कमेटी के फैसले से असहमत है। हम इसके खिलाफ एक्शन लेंगे। जांच कमेटी ने गलती से मान लिया कि बिजनेस क्लास में सीट थी, जबकि क्राफ्ट के बिजनेस क्लास में कोई सीट नहीं है। हो सकता है कि समिति ने उस सीट की कल्पना की हो और ये मान लिया हो कि हमारे मुअक्किल ने वहां पेशाब की।

### इस मामले में अब तक क्या हुआ

**26 नवंबर:** एअर इंडिया की न्यूयॉर्क-दिल्ली फ्लाइट में आरोपी ने बुजुर्ग महिला के ऊपर पेशाब की। इस घटना पर एयरलाइन ने कोई एक्शन नहीं लिया।

**28 दिसंबर:** एयरलाइन ने दिल्ली पुलिस में यह कार्रवाई तब हुई जब पीड़ित बुजुर्ग महिला ने टाटा ग्रुप के चेयरमैन से शिकायत की। हालांकि यह सामने नहीं आया कि पीड़ित ने टाटा ग्रुप के चेयरमैन को पत्र लिखा।

**28 दिसंबर से 4 जनवरी:** इस दौरान पुलिस आरोपी को तलाशती रही, लेकिन कामयाबी नहीं मिली।

**4 जनवरी:** यह खबर मीडिया और सोशल मीडिया में वायरल हुई।

**5 जनवरी:** मुंबई में कुर्ला स्थित आरोपी के घर पर दिल्ली पुलिस पहुंची। यहां पुलिस को आरोपी और उसका परिवार नहीं मिला। घर पर काम करने वाली मेड संगीता मिली। उसने बताया कि इस घर में 3 बच्चे एक महिला के साथ रहते हैं। वह परिवार के सदस्यों का नाम नहीं जानती, लेकिन लास्ट नेम मिश्रा है।

**6 जनवरी:** आरोपी शंकर मिश्रा वेल्स फार्गो एंड कंपनी में काम करता था। कंपनी ने नौकरी से निकाल दिया। कंपनी ने कहा- हम प्रोफेशनल बिहेवियर के हायर स्टैंडर्ड पर काम करते हैं। हमारे कर्मचारी की ऐसी हरकत माफी के काबिल नहीं है। दिल्ली पुलिस ने आरोपी के खिलाफ लुक आउट सर्कुलर जारी किया था और उसके गायब होने की जानकारी वेल्स फार्गो कंपनी के अमेरिका स्थित कानूनी विभाग को भेजी थी। आरोपी को बेंगलुरु से गिरफ्तार किया गया।

**जनवरी:** आरोपी शंकर मिश्रा को बेंगलुरु से दिल्ली लाया गया। उसे कोर्ट में पेश किया गया, जहां से कोर्ट ने उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

**आरोपी के पिता ने भी कहा था- बेटा थका हुआ था** – उधर, आरोपी शंकर मिश्रा के पिता श्याम मिश्रा भी बेटे पर लगे आरोपों पर सफाई दे चुके हैं। उन्होंने कहा था कि मेरे बेटे पर लगाए गए सभी आरोप फर्जी हैं। पीड़ित ने मुआवजा मांगा था, हमने वो भी दे दिया, फिर पता नहीं क्या हुआ। शायद महिला की मांग कुछ और रही होगी जो पूरी नहीं हो सकी, इसीलिए वह नाराज है। मुमकिन है कि उसे ब्लैकमेल करने के लिए ऐसा किया जा रहा हो। आरोपी के पिता ने कहा कि शंकर थका हुआ था। वह दो दिनों से सोया नहीं था। फ्लाइट में उसे ड्रिंक दी गई थी, जिसे पीकर वह सो गया। जब वह जागा तो एयरलाइन स्टाफ ने उससे पूछताछ की। मेरा बेटा सभ्य है और ऐसा कुछ नहीं कर सकता।

# रिकॉर्ड बनाने शुरू कर दिए पठान ने

-पठान की टिकट की एडवांस बुकिंग शुरू

**मुंबई (ईएमएस)।** सिद्धार्थ आनन्द के निर्देशन में बनी शाहरुख खान की फिल्म पठान ने प्रदर्शन ने पूर्व ही बॉक्स ऑफिस पर नए-नए रिकॉर्ड बनाने शुरू कर दिए हैं। ओवरसीज मार्केट में जब से पठान की टिकट एडवांस बुकिंग शुरू हुई है तब से इस फिल्म को लेकर नए-नए समाचार सामने आ रहे हैं। अब जो समाचार आ रहा है उसे जानने के बाद इस फिल्म के प्रशंसकों की फिल्म देखने बेसब्री और बढ़ जाएगी। जानकारी के अनुसार ओवरसीज एड-वांस बुकिंग के मामले में फिल्म ने फिर एक नया रिकॉर्ड बना दिया है। शाहरुख खान की फिल्म ने निर्देशक प्रशांत नील की गत वर्ष की ब्लॉकबस्टर रही फिल्म केजीएफ 2 को पीछे छोड़ दिया है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि शाहरुख खान की फिल्म ने यह कमाल जर्मनी में कर दिखाया है। जानकारी के अनुसार पठान ने जर्मनी में एडवांस बुकिंग के जरिये अब तक 1.32 करोड़ की कमाई कर ली है जबकि केजीएफ-2 ने एडवांस के जरिये जर्मनी में सिर्फ 1.2 करोड़ की कमाई की थी। इन समाचारों के सामने आने के बाद शाहरुख खान के हार्डकोर प्रशंसकों को उम्मीद है कि उनके पसंदीदा सितारे की फिल्म घरेलू बॉक्स ऑफिस पर भी धमाल मचाने में कामयाब होगी। अगर शाहरुख खान की फिल्म ऐसे ही एडवांस बुकिंग के मामले में आगे बढ़ती रही तो फिल्म पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा देगी। जॉन अब्राहम दीपिका पादुकोण और शाहरुख खान की इस फिल्म को बनाने में मेकर्स के काफी रुपये खर्च किए है। इस फिल्म का बजट 250 करोड़ रुपये है। इस फिल्म के साथ शाहरुख खान 4 साल बाद सिनेमाई परदे पर पूरी तरह से वापसी करने जा रहे हैं। हालांकि इस बीच में कुछेक फिल्मों में कैमियो करते नजर आए थे। इन फिल्मों में ब्रह्मास्त्र में निभाई गई उनकी भूमिका वानरास्त्र को दर्शकों ने काफी पसन्द किया था। अब देखने वाली बात यह है कि पठान बॉक्स ऑफिस पर क्या कमाल दिखाती है। बता दें कि दृश्यम-2 के बाद से लगातार असफलता का सामना करना रहा हिन्दी सिनेमा का बॉक्स ऑफिस अब शाहरुख खान की फिल्म पठान पर अपनी उम्मीदें लगाकर बैठा है। बॉक्स ऑफिस को आशा है कि पठान के जरिये न सिर्फ शाहरुख खान स्वयं दमदार वापसी करेंगे अपितु बॉक्स ऑफिस भी दमदार वापसी करेगा। शाहरुख खान की यह फिल्म 25 जनवरी को बड़े पर्दे पर प्रद-र्शित होने जा रही है।

## अदा अपनी-अपनी नाम से बनेगा राजकुमार संतोषी की अंदाज अपना-अपना का अगला भाग

**मुंबई (ईएमएस)।** राजकुमार संतोषी 9 साल बाद निर्देशन के क्षेत्र में वापसी कर रहे हैं। आखिरी बार उन्होंने फटा पोस्टर निकला हीरो निर्देशित की थी जिसमें मुख्य भूमिका में शाहिद कपूर थे। उनकी फिल्म गांधी गोडसे एक युद्ध सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। यह फिल्म 26 जनवरी 2023 को रिलीज की जाएगी। संतोषी की फिल्म अंदाज अपना अपना ने खूब धमाल मचाया था। इस फिल्म में सलमान खान के साथ आमिर खान ने काम किया था। फिल्म के सीक्वल की योजना वर्षों से बनाई जा रही है। उन्होंने बताया कि वह फिल्म की घोषणा तभी करेंगे जब गांधी गोडसे एक युद्ध हिट होगी। इस-के बाद उन्होंने कहा मैं अंदाज अपना अपना के सभी प्रशंसकों से कहना चाहता हूं कि वे मेरी सभी फिल्मों का समर्थन करें। मैं इसे सीक्वल नहीं क-हूंगा लेकिन हम अदा अपनी अपनी नाम से उसी फ्रेंचाइजी में एक और भाग की योजना बना रहे हैं। इसमें अंदाज अपना अपना जैसे दो युवा अभिनेता और अभिनेत्रियां नजर आएंगी। इस पर काम पहले से ही प्रगति पर है। यह पूछे जाने पर कि अभिनेता कौन हैं संतोषी ने हंसते हुए कहा फिल्म के लिए मेरे दिमाग में पहले से ही अभिनेता हैं लेकिन यह इस बात पर निर्भर करता है कि मेरी वर्तमान फिल्म कैसा प्रदर्शन करती है।

## तनीषा संतोषी ने गांधी गोडसे फिल्म से डेब्यू करने का अपना अनुभव किया साझा

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक राजकुमार संतोषी की फिल्म 'गांधी गोडसे एक युद्ध' के ट्रेलर ने दर्शकों का ध्यान खींचा है और वे गांधी गोडसे एक युद्ध देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म से तनीषा संतोषी अपना डेब्यू करने जा रही हैं। इस फिल्म में विचारधाराओं के युद्ध के लिए गांधी और गोडसे को एक साथ लाने में अभिनेत्री एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। अपने डेब्यू के बारे में बात करते हुए तनीषा ने कहा, एक अनूठी फिल्म का हिस्सा बनना, जिसमें कुछ बेहतरीन तकनीशियन काम कर रहे हैं, मेरे लिए सपने के सच होने जैसा है। फिल्म में मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला और ऐसे अनुभवी अभिनेताओं के साथ काम करना कलाकार के रूप में मेरे लिए एक समृद्ध अनुभव था। अभिनेत्री ने राजकुमार संतोषी के मार्गदर्शन में काम करने को लेकर कहा, "उनके साथ काम करना अद्भुत रहा। मैं शूटिंग के पहले दिन को कभी नहीं भूलूंगी जब उन्होंने 'एक्शन' कहा था। वह किसी भी अभिनेता के लिए सबसे अच्छे निर्देशक हैं। वह एक परफेक्शनिस्ट हैं और हमेशा अभिनेता से सर्वश्रेष्ठ निकालते हैं। मैं अपनी पहली फिल्म में ही उनके साथ काम करके खुद को धन्य महसूस कर रही हूं। वह अपने आप में एक पूरी फिल्म इंडस्ट्री हैं। आपको बता दें कि फिल्म में दीपक अंतानी, चिन्मय मंडलेकर और नवोदित अभिनेता अनुज सैनी भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म 26 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

## कपिल शर्मा की फिल्म ज्विगेटो 17 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होगी

फिल्म निमार्ता-अभिनेत्री नंदिता दास ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर कॉमेडियन कपिल शर्मा अभिनीत फिल्म ज्विगेटो के बारे में बड़ी घोषणा की। उन्होंने ट्वीट किया, ज्विगेटो 17 मार्च, 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह एक फूड डिलीवरी राइडर और उसके परिवार की दिल को छू लेने वाली कहानी है। फेलो राइडर बनने के लिए कपिल शर्मा, शाहाना गोशवामी और समीर नायर को धन्यवाद। 'ज्विगेटो' में कपिल शर्मा और शाहाना गोस्वामी मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म 17 मार्च, 2023 को बड़े पर्दे पर आने के लिए तैयार है। ज्विगेटो भुवनेश्वर शहर के एक फूड डिलीवरी राइडर की कहानी है, जो रेटिंग और एल्गोरिदम की दुनिया से जूझता है। नंदिता दास द्वारा लिखित और निर्देशित यह अत्यधिक सामयिक फिल्म 'आम लोगों' के जीवन में जुड़ी है। जविगेटो का टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में वर्ल्ड प्रीमियर, बुसान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में एशियन प्रीमियर और क्रमशः केरल इंटरनेशनल फिल्म फे-स्टिवल में इसका इंडियन प्रीमियर हुआ था।

## कार्तिक आर्यन ने रेंट पे लिया शाहिद कपूर का आलीशान अपार्टमेंट, किराया सुनकर उड़ जाएंगे होश

कार्तिक ने मुंबई के जुहू इलाके में शाहिद के आलीशान अपार्टमेंट में जाने का फैसला किया है। अभिनेता कथित तौर पर अगले तीन वर्षों के लिए शाहिद को 7.5 लाख रुपये का मासिक किराया देंगे।

**कार्तिक-शाहिद के बीच हुआ करार** - रिपोर्ट के अनुसार, शाहिद की पत्नी मीरा राजपूत और कार्तिक की मां माला तिवारी ने हाल ही में औपचारिकताएं पूरी कीं और आ-खरकार 12 जनवरी, 2023 को 36 महीने की लीज ट्रांजैक्शन की गई। जुहू तारा रोड पर स्थित शानदार अपार्टमेंट, ग्राउंड फ्लोर और बेसमेंट पर 3.681 वर्ग फुट में फैला हुआ है। परिसर के अंदर दो पार्किंग की जगहें हैं। दस्तावेजों के मुताबिक, हर साल किराए में 7 फीसदी की बढ़ोतरी होगी। इसका मतलब है कि तीन साल की अवधि के दौरान कार्तिक पहले 12 महीनों के लिए 7.5 लाख रुपये, दूसरे साल 8.02 लाख रुपये प्रति माह और तीसरे साल 8.58 लाख रुपये मासिक किराया चुकाएंगे। इतना ही नहीं, बल्कि कार्तिक ने 45 लाख डिपॉजिट भी जमा किया है।

**कार्तिक और शाहिद का वर्तमान निवास**- फिलहाल कार्तिक अपने परिवार के साथ वसोर्वा के एक आलीशान घर में रहते हैं। दिलचस्प बात यह है कि यह वही जगह है जहां अभिनेता अपने संघर्ष के दिनों में पेइंग गेस्ट के रूप में रहे थे। कार्तिक ने 2019 में 1.60 करोड़ रुपये में अपार्टमेंट खरीदा था। दूसरी ओर शा-हद और मीरा अक्टूबर 2022 में बांद्रा-वर्ली सी लिंक के अपने आलीशान नए घर में चले गए, जिसे उन्होंने 58 करोड़ रुपये में खरीदा था। कार्तिक और शाहिद के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स की बात करें तो कार्तिक अपनी फिल्म 'शहजादा' की रिलीज के लिए तैयार हैं, जो 10 फरवरी को रिलीज होने वाली है। उनके पास 'आशिकी 3', 'कैप्टन इंडिया', 'सत्यप्रेम की कथा' और कबीर खान की अगली फिल्म सहित कई अन्य प्रोजेक्ट्स हैं। दूसरी ओर, शाहिद विजय सेतुपति अभिनीत 'फर्जी' के साथ अपने ओटीटी डेब्यू को चिह्नित करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इस-के अलावा, वह अली अब्बास जफर की 'ब्लडी डैडी' में भी दिखाई देंगे।

## हंसिका मोटवानी ने अपनी निजी जिंदगी पर आधारित वेब सीरीज 'लव शादी ड्रामा' का किया ऐलान

न्यूली मैरिड लाइफ का लुत्फ उठा रहीं एक्ट्रेस हंसिका मोटवानी ने अपने अगले शो 'लव शादी ड्रामा' की घोषणा की है। खास बात यह है इस वेब सीरीज की कहानी उनके व्यवसायी पति सोहेल कथूरिया के साथ उनकी वास्तविक जीवन की शादी पर आधारित होगा। यह वेब सीरीज डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी। हंसिका ने गुरुवार को टीजर शेयर करते हुए शो की घोषणा। टीजर शेयर करते हुए हंसिका ने लिखा- "हाय, मैं हंसिका मोटवानी। मेरे जीवन में कुछ बहुत खास हुआ, मैंने शादी कर ली।" पूरी शादी केवल डिज्नी हॉटस्टार पर। अनाउंसमेंट वीडियो शेयर करते हुए हंसिका ने लिखा, बिना ड्रामा के शादी क्या है? #HotstarSpecials #HansikasLoveShaadiDrama जल्द आ रहा है!

बता दें कि बीती 4 दिसंबर को हंसिका मोटवानी ने सिंधी रीति-रि-वाजों से अपने बॉयफ्रेंड सोहेल कथूरिया से शादी की थी। उनकी शादी और प्री-वेडिंग फोटोज बेहद सुर्खियों में रहीं। उनकी प्री-वेडिंग फंक्शन में उनके परिवार और करीबी दोस्तों ने ही शिरकत की थी। कपल की मस्ती भरी तस्वीरों ने सोशल मीडिया पर धूम मचा दी थी। हंसिका ने टीवी शो देश में निकला होगा चांद से बाल कलाकार के रुप में अपना करियर शुरू किया था और बाद में शाका लाका बूम बूम, क्योंकि सास भी कभी बहू थी, करिश्मा का करिश्मा और सोन परी में दिखाई दीं। उन्होंने ऋतिक रोशन की कोई... मिल गया में भी बाल कलाकार के रूप में अभिनय किया था।

## 24 फरवरी को रिलीज होगी फिल्म सेल्फी

बालीवुड के खतरों के खिलाडी यानि अक्षय कुमार और इमरान हाशमी अभिनीत सेल्फी में दोनों सितारे पहली बार एक साथ दिखाई देंगे। यह फिल्म जो मलयालम फिल्म ड्राइविंग लाइसेंस की रीमेक है। इस फिल्म का निर्माण करण जौहर के बैनर धर्मा प्रोडक्शन के तहत किया गया है। दर्शकों की जिज्ञासों को बढ़ाते हुए करण जौहर ने इस फिल्म का मोशन पोस्टर आज जारी किया है। फिल्म के 24 फरवरी को बड़े पर्दे पर आने की उम्मीद है। खबरों की मानें तो ट्रेलर 19 जनवरी को रिलीज होने की बात कही जा रही है। ज्ञातव्य है कि मूल फिल्म ड्राइविंग लाइसेंस में पृथ्वीराज सुकुमारन को एक लोकप्रिय सुपरस्टार की भूमिका में दिखाया गया था जबकि सूरज वेंजरामूडु ने एक मोटर वाहन निरीक्षक की भूमिका निभाई थी। जारी हुए मोशन पोस्टर के अनुसार अक्षय कुमार पृथ्वीराज की भूमिका निभाएंगे जबकि इमरान हाशमी पुलिस वाले के रूप में दिखाई देंगे। नवीनतम मोशन पोस्टर स्पष्ट रूप से बड़े पैमाने पर चेहरे को दिखाता है कि फिल्म में दो पात्रों को देखा जाएगा। इसे अपने इंस्टाग्राम पर साझा करते हुए धर्मा प्रोडक्शंस के निमार्ता और प्रमुख करण जौहर ने कहा सुपरस्टार और सुपरफैन की ऐसी कहानी आपने सुनी ना होगी कहीं। देखिए सेल्फी 24 फरवरी को सिनेमाघरों में। फिल्म एक एमवीआई के इर्द-गिर्द घूमती है जो सुपरस्टार का बहुत बड़ा प्रशंसक है और एक मुश्किल स्थिति से निकलने में उसकी मदद करने का फैसला करता है भले ही वह अवैध तरीके से हो लेकिन एक शर्त के साथ वह उससे व्यक्तिगत रूप से मिलना चाहता है। हालाँकि बैठक में उन दोनों के बीच भिडंत हो जाती है और इसका परिणाम उनके पेशेवर पक्ष के साथ-साथ उनकी व्यक्तिगत जिन्दगी को भी प्रभावित करता है। सेल्फी का निर्देशन राज मेहता ने किया है और इसमें नुसरत भरुचा के साथ-साथ डायना पेंटी भी प्रमुख महिलाएँ हैं। फिल्म की स्टारकास्ट और निर्माता को लेकर काफी चर्चाओं में है।

## राजकुमार राव-नोरा फतेही का नया गाना 'अच्छा सिला दिया' हुआ रिलीज

राजकुमार राव और नोरा फतेही का नया गाना 'अच्छा सिला दिया' रिलीज हो गया है। गाने को बी प्राक ने कंपोज किया और गाया है, जबकि जानी ने इसके बोल लिखे हैं। अर-विंद खैरा ने संगीत वीडियो का निर्देशन किया है। यह नया गाना 'अच्छा सिला दिया तूने मेरे प्यार का' का रीक्रिएशन है, जिसे 1995 की हिंदी फीचर बेवफा सनम में दिखाया गया था।

**प्यार में मिले धोखे की कहानी**-बता दें कि टी-सीरीज ने अपने यूट्यूब चैनल पर 'अच्छा सिला दिया' को रिलीज किया है। इस गाने में राजकुमार और नोरा के बीच का पागलपन भरा प्यार दिखाया गया। साथ ही गाना प्यार में मिले धोखे की कहानी कहता है। इस गाने में नोरा फतेही राजकुमार को प्यार में धोखा देती हैं। इतना ही नहीं नोरा उन्हें जान से मारने की भी कोशिश करती हैं, लेकिन राजकुमार बच जाते हैं और फिर नोरा से अपना बदला लेते हैं।

**अताउल्लाह ने गाया था ओरिजिनल गाना**-आप बता दें कि इस ओरिजिनल गाने को पाकिस्तानी सिंगर अताउल्लाह ने गाया था। जिस-के बाद इसे फिल्म 'बेवफा सनम' में लिया गया, जिसे सोनू निगम ने अपनी आवाज दी थी।

## एनिमल में अलग अंदाज में नजर आयेंगे रणबीर कपूर

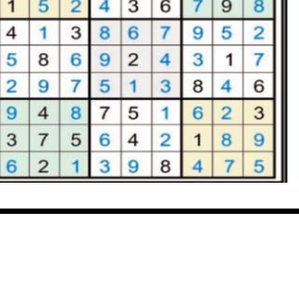

अभिनेता रणबीर कपूर इन दिनों अपनी आगामी मार्च माह में प्रदर्शित होने वाली फिल्म एनिमल को लेकर खासी चर्चा पा रहे हैं। हाल ही में कुछ दिन पूर्व ही एनिमल का एक पोस्टर जारी किया गया था जिसे देखने के दर्शकों की रुचि इस फिल्म के प्रति कुछ ज्यादा नजर आ रही है। निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म एनिमल में रणबीर कपूर के साथ-साथ बॉबी देओल और साउथ एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना अहम किरदारों में नजर आने वाले हैं। बताया जा रहा है कि एनिमल में रणबीर कपूर बिलकुल अलग अंदाज में दिखाई देंगे। इस फिल्म में वे जबरदस्त एक्शन करते दिखाई देंगे। पूरी फिल्म रणबीर कपूर के किरदार के इर्द गिर्द है। सोशल मीडिया पर एनिमल का पोस्टर ट्रेंड कर गया था। इस फिल्म के पोस्टर में रणबीर कपूर काफी दमदार अंदाज में दिखाई दे रहे थे। इस पोस्टर के बाद फिल्म की कहानी को लेकर नया खुलासा हुआ है। प्रोड्यूसर भूषण कुमार ने फिल्म की काहानी को लेकर कई खुलासे किए है।भूषण कुमार ने अभी हाल ही में इंटरव्यू दिया है जिसमें उन्होंने फिल्म की कहानी को लेकर खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि एनिमल की कहानी बाप-बेटे के रिश्ते के इर्द गिर्द बुनी गई है।

### सूडोकु नव्वताल- 6319

मध्यम

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 8 | 2 | | | 6 | | | 1 | |
| | 6 | | 8 | 9 | | | 7 | 5 |
| 3 | | | 1 | | | | | 2 |
| | 3 | | 4 | | | | 6 | |
| 6 | | 2 | | 1 | | 4 | | 3 |
| | 8 | | | | 5 | | 2 | |
| 2 | | | | | 3 | | | 1 |
| 5 | 1 | | | 7 | 6 | | 4 | |
| | 9 | | | 4 | | | 3 | 6 |

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

**सूडोकु नव्वताल -6318 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 8 | 6 | 4 | 2 | 7 | 9 | 5 | 3 | 1 |
| 7 | 3 | 9 | 1 | 8 | 5 | 2 | 6 | 4 |
| 1 | 5 | 2 | 4 | 3 | 6 | 7 | 9 | 8 |
| 4 | 1 | 3 | 8 | 6 | 7 | 9 | 5 | 2 |
| 5 | 8 | 6 | 9 | 2 | 4 | 3 | 1 | 7 |
| 2 | 9 | 7 | 5 | 1 | 3 | 8 | 4 | 6 |
| 9 | 4 | 8 | 7 | 5 | 1 | 6 | 2 | 3 |
| 3 | 7 | 5 | 6 | 4 | 2 | 1 | 8 | 9 |
| 6 | 2 | 1 | 3 | 9 | 8 | 4 | 7 | 5 |

### शब्दजाल - 7066

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| आ | धा | र | शि | ला | का | धि | का | र | प | गो | |
| धा | म | क | म | इं | डो | बा | ग | ति | मा | ला | |
| र | दा | ने | ला | मा | ग | जा | द | अ | शां | ति | |
| सि | ग | ल | सा | जा | न | र | ध | प | लि | अ | |
| त | अ | अ | र | म | न | मे | ह | मा | न | ग्नि | |
| अ | ना | का | र | व | ने | का | त | न | र | प | |
| ग | मा | ल | मा | व | अ | ला | र | मा | न | री | |
| र | बे | मि | सा | ल | प | स | अं | ल | वि | क्षा | |
| क | जु | बा | अ | लं | का | र | गू | न | जू | दे | |
| र | बा | ति | मा | न | सिं | ब्रा | र | का | प | श | |
| बां | न | ल | प | ब | गा | व | त | प | र | र | |

*शब्द जाल में 1982 में प्रदर्शित 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.*

आमने सामने, अंगूर, अशांति, बाजार, आधारशिला, अग्नि परीक्षा, अपमान, बगावत, बेमिसाल, बेजुबान

**शब्दजाल - 7065 का हल**

| | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| म | अ | बे | ता | ब | व | आ | खू | ग | ल | मु | |
| रा | वि | ली | प्रे | क | न्या | स | न | ज | कां | ल | |
| चु | मे | ष | दु | दी | छ | मि | ब | ब | वृ | जि | |
| म | नौ | ब | न | नि | वा | स | हा | ल | ष | म | |
| र्द | आ | मी | ल | म | या | न | गं | न | खु | च | |
| य | ल | न | च | रा | क | ली | गा | ण | द | र | |
| द | स | नी | ग | मे | न | र | में | बा | ग | स | |
| क | सू | ऊ | ई | द | ली | क | फ | चो | र्ज | क | |
| रा | म | र्य | ला | रा | म | की | या | औ | र | आ | |
| क | गॉ | ल | वं | लि | जी | कुं | शा | म | प | द | |
| आ | ई | ना | र्क | शी | क | र्त | य | दी | त | म | |

Jagrutidaur.com, Bangalore

### अष्टयोग- 6019

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | 1 | | | | 2 | 4 |
| | 30 | 2 | 37 | 6 | 31 | |
| | 5 | | 4 | | 1 | 6 |
| 6 | 30 | 3 | 27 | 1 | 33 | 5 |
| | 3 | | | 5 | 6 | |
| | 33 | 4 | 32 | 4 | 30 | |
| 4 | 7 | | | | 2 | |

Jagrutidaur.com, Bangalore

*प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.*

**अष्टयोग 6018 का हल**

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 4 | 2 | 6 | 3 | 5 | 1 | 7 |
| 2 | 32 | 4 | 39 | 7 | 34 | 4 |
| 6 | 1 | 7 | 4 | 3 | 5 | 2 |
| 5 | 30 | 3 | 38 | 6 | 31 | 1 |
| 1 | 2 | 5 | 6 | 4 | 7 | 3 |
| 3 | 27 | 2 | 25 | 1 | 31 | 6 |
| 7 | 6 | 1 | 4 | 2 | 3 | 5 |

Jagrutidaur.com, Bangalore

# डब्लूएफआई अध्यक्ष ने कहा-मुंह खोला तो सुनामी आ जाएगी : बोले- इस्तीफा नहीं दूंगा, फेडरेशन ने कहा- गोंडा में नेशनल टूर्नामेंट आज, सभी रेसलर पहुंचें

**नई दिल्ली।**

यौन शोषण के आरोपों में घिरे भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह ने इस्तीफा देने से साफ इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, मैं मुंह खोल दूंगा तो सुनामी आ जाएगी। मेरे समर्थन में भी कई खिलाड़ी हैं। मैं प्रेस कॉन्फ्रेंस करूंगा। 3 दिन से बृजभूषण शरण के इस्तीफे की मांग कर रहे महिला और पुरुष पहलवानों ने भारतीय ओलिंपिक संघ में यौन शोषण की शिकायत की है। खेल मंत्रालय ने लगातार दूसरे दिन भी इन पहलवानों से बातचीत की। खेल मंत्री अनुराग ठाकुर की पहलवानों के साथ 4 घंटे बैठक चली थी। अनुराग ठाकुर अभी बृजभूषण के जवाब का इंतजार कर रहे हैं। इस बीच, डब्लूएफआई ने कहा कि सीनियर नेशनल ओपन टूर्नामेंट अपने तय समय 21 से 23 जनवरी के बीच गोंडा में होगा और सभी पहलवान इसमें पहुंचें। डब्लूएफआई ने रेसलिंग का सीनियर नेशनल टूर्नामेंट 21 से कराने का फैसला किया है। यह गोंडा में हो रहा है। फेडरशन का कहना है कि इसमें सभी रेसलर्स पहुंचें। रिपोर्ट्स के मुताबिक, बृजभूषण ने यौन शोषण के आरोपों को लेकर गृह मंत्री अमित शाह से फोन पर बात की है। हालांकि खुद बृजभूषण ने ऐसी किसी बातचीत से इनकार कर दिया है। सूत्रों के मुताबिक, खेल मंत्रालय ने आरोपों की जांच और मांगों पर विचार के लिए कमेटी बनाने का सुझाव दिया है। ऐसा कहा जा रहा है कि इस पर पहलवान राजी नहीं हैं। बॉक्सर विजेंदर सिंह भी सुबह जंतर-मंतर पहुंचे। उन्होंने कहा कि मैं यहां पहलवानों से मिलने आया हूं। इससे पहले खेल मंत्रालय ने पीड़ित खिलाड़ियों को बुलाकर करीब एक घंटे तक बातचीत की थी। बातचीत से पहलवान संतुष्ट नहीं हुए। उनकी मांग पहले डब्लूएफआई अध्यक्ष को हटाने की थी, अब वे कुश्ती संघ को भंग कराना चाहते हैं। उन्होंने कहा- मांग पूरी होने तक उनका धरना-प्रदर्शन जारी रहेगा। खेल मंत्रालय ने कुश्ती संघ को नोटिस भेजकर जवाब के लिए 72 घंटे का अल्टीमेटम दिया है। इसकी मियाद 21 जनवरी को खत्म होगी। डब्लूएफआई के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह ने कहा- मैं इस्तीफा नहीं दूंगा। मेरे खिलाफ कांग्रेस नेता दीपेंद्र हुड्डा के इशारे पर राजनीति हो रही है। जो आरोप लगा रहे हैं, उनका करियर खत्म हो गया है। ज्यादातर पहलवान एक ही कम्युनिटी से हैं। पार्टी का जो आदेश मिलेगा, उसी को मानूंगा। बृजभूषण सिंह देर रात दिल्ली से कैसरगंज के गोंडा पहुंचे। घर के बाहर बड़ी संख्या में मीडिया का जमावड़ा लगा हुआ है। वहीं समर्थकों की भी भीड़ है। जहां बृजभूषण तुम संघर्ष करो जैसे नारे लग रहे हैं। उनके घर की सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

## न्यूज ब्रीफ

### आगामी महिला टी20 विश्व कप के लिए न्यूजीलैंड की टीम का ऐलान

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका में 10 से 26 फरवरी तक होने वाले आईसीसी महिला टी20 विश्व कप के लिए

न्यूजीलैंड की टीम में विकेटकीपर-बल्लेबाज बनार्डाइन बेजुइडेनहॉट को शामिल किया गया है। आखिरी बार जनवरी 2020 में न्यूजीलैंड के लिए खेले वाली 29 वर्षीय बनार्डाइन रेड-एस (खेल में सापेक्ष ऊर्जा की कमी) से उबरने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए क्रिकेट से दो साल के ब्रेक के बाद वापसी कर रही हैं। एक ऐसी स्थिति जो देश में कई महिला एथलीटों को प्रभावित करती है। दिसंबर 2022 में घर में तीन टी20 और तीन वनडे मैचों में बांग्लादेश का सामना करने वाली न्यूजीलैंड टीम में वह एकमात्र बदलाव है, जिसमें विकेटकीपर जेस मैकफैडेन को मौका नहीं दिया गया है। बनार्डाइन ने इस सीजन में खेल में वापसी करने के बाद से प्रभावित किया है, हैलीबर्टन जॉनस्टोन शील्ड के शुरूआती सप्ताहांत में उत्तरी जिलों के लिए अपना दूसरा लिस्ट-ए शतक लगाया, और न्यूजीलैंड टीम के लिए चयन अर्जित किया, जिसने वनडे और टी20 2022 मैच में बांग्लादेश का सामना किया था। उन्होंने कहा, पिछले सात या आठ महीनों से हम क्रिकेट का एक ब्रांड स्थापित करना चाह रहे हैं जिसका हमें विश्वास है कि दर्शक आनंद लेंगे। हमें प्रमुख टूर्नामेंटों में सफलता का सबसे अच्छा मौका मिल रहा है। हमें विश्वास है कि बर्नी टीम में सकारात्मक योगदान देगी। 2014 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करने वाली बनार्डाइन ने 2018 में न्यूजीलैंड का प्रतिनिधित्व करने से पहले नौ टी20 और नौ वनडे मैच खेले हैं। सोफी ने पैर की चोट के कारण एहतियात के तौर पर अपने पिछले तीन सुपर स्मैश मुकाबलों में वेलिंगटन ब्लेज के लिए भाग नहीं लिया है, लेकिन वह दक्षिण अफ्रीका की यात्रा करने के लिए फिट है। आफ स्पिनर ईडन कार्सन और सीमर मौली पेनफोल्ड दोनों को उनके पहले आधिकारिक विश्व कप उपस्थिति के लिए नामित किया गया है। सॉयर के साथ डीन ब्राउनली (बल्लेबाजी कोच), क्रेग हॉवर्ड (स्पिन गेंदबाजी कोच) और मोर्न मोर्कल (टूर कोच) कोचिंग स्टाफ में शामिल होंगे। टीम सोमवार को दक्षिण अफ्रीका के लिए रवाना होगी। न्यूजीलैंड ने जोहान्सबर्ग में इंग्लैंड के खिलाफ तीन अभ्यास मैचों के साथ दक्षिण अफ्रीका में अपनी तैयारी शुरू की, इससे पहले 6 और 8 फरवरी को केप टाउन में वेस्टइंडीज और इंग्लैंड के खिलाफ आधिकारिक अभ्यास मैच होंगे।

### पाकिस्तानी टीवी एंकर से टकराया फील्डर, गिर पड़ीं: दक्षिण अफ्रीकी लीग में प्लेयर ने डाइव लगाई थी, एंकर बोलीं- मरहम के लिए बर्फ लाओ

जोहान्सबर्ग। सेंचुरियन में सनराइजर्स ईस्टर्न केप और एमआई केप टाउन के बीच लीग का मैच खेला गया। मैच में पाकिस्तानी एंकर जैनब अब्बास मैदान पर गिर गईं। जैनब बॉउंड्री लाइन के बाहर मैच की कॉमेंट्री कर रही थीं। 13वें ओवर में सनराइजर्स ईस्टर्न केप के मार्को यानसेन ने सैम करन की गेंद पर मिड-विकेट की ओर शॉट लगाया। फील्डर चौका रोकने आया और बॉल रोकने ने लिए डाइव लगाते हुए जैनब से भिड़ गया। जैनब बॉउंड्री लाइन पर ही गिर गईं। ट्विटर पर घटना का वीडियो पोस्ट किया। इस पर जैनब बोली, मैं बच गई, लेकिन अब मुझे पता चल गया कि यह कैसा लगता है! मरहम के लिए बर्फ निकालो। मैच की बात करें तो एमआई केप टाउन के खिलाफ सनराइजर्स ईस्टर्न केप ने 172 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 2 विकेट से जीत हासिल की। सनराइजर्स 100 रन बनाने से पहले ही पांच विकेट गंवा चुकी थी। लेकिन मार्को यानसेन की सिर्फ 27 गेंदों में 66 रन की पारी ने मैच पलट दिया। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज यानसेन ने अपनी पारी में सात छक्के और तीन चौके लगाए।

### महिला टी20 ट्राई सीरीज : दीप्ति, अमनजोत की मदद से भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 27 रन से दी मात

लंदन। अनुभवी दीप्ति शर्मा (33 रन और 3/30) के शानदार हरफनमौला प्रदर्शन और अमनजोत कौर के डेब्यू पर 30 गेंद में नाबाद 41 रन की मदद से भारत ने महिला टी20 ट्राई-सीरीज के उद्घाटन मैच में दक्षिण अफ्रीका को 27 रन से हरा दिया। भारत 12वें ओवर में पांच विकेट के नुकसान पर 69 रन पर था, जब दीप्ति शर्मा और अमनजोत ने छठे विकेट के लिए 76 रनों की तेज-तर्रार साझेदारी की, जिससे भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपने 20 ओवरों में 147/6 का प्रतिस्पर्धी स्कोर बनाया। दक्षिण अफ्रीका महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। दीप्ति ने 23 गेंदों में 33 रन बनाए, जिसमें एक चौका और एक छक्का लगाया, जबकि अमनजोत ने नाबाद 41 रन में सात चौके लगाए। सलामी बल्लेबाज यास्तिका भाटिया ने 34 गेंदों में 35 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाज नॉनकुलुलेको म्लाबा (2-15), मरिजाने कप्प 1-30) ने अच्छी गेंदबाजी करते हुए भारतीय टीम पर दबाव बनाने की कोशिश की।

हॉकी वर्ल्ड कप...भारत ने वेल्स को 4-2 से हराया

# डायरेक्ट क्वार्टर फाइनल में पहुंचने से चूकी टीम इंडिया, अब न्यूजीलैंड को हराना होगा

**भुवनेश्वर।**

भारत ने हॉकी वर्ल्ड कप के अपने आखिरी पूल मैच में वेल्स को 4-2 से हरा दिया। भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में भारत की ओर से आकाशदीप सिंह ने 2 गोल किए। जबकि शमशेर सिंह और हरमनप्रीत सिंह की स्टिक से एक-एक गोल आया। इस जीत के बावजूद भारतीय टीम सीधे क्वार्टर फाइनल में नहीं पहुंच सकी। अब भारत को क्रॉसओवर मुकाबला खेलना होगा। उसमें जीत मिलने की स्थिति में टीम क्वार्टर फाइनल में जाएगी। भारत को डायरेक्ट क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के लिए वेल्स के खिलाफ 8-0 से जीत की जरूरत थी।

**22 जनवरी को न्यूजीलैंड से होगा क्रॉसओवर मैच** - भारतीय टीम पूल-डी में इंग्लैंड के बाद दूसरे स्थान पर रही। भारत का क्रॉसओवर मैच 22 जनवरी को पूल-सी में तीसरे स्थान पर रहने वाली न्यूजीलैंड की टीम से होगा। उस मैच में जीत हासिल करने की स्थिति में भारतीय टीम क्वार्टर फाइनल में पूल-बी टेबल टॉपर टीम से भिड़ेगी। पूल-डी से इंग्लैंड की टीम डायरेक्ट क्वार्टर फाइनल में पहुंच चुकी है। भारत और इंग्लैंड दोनों के 7-7 पॉइंट्स रहे, लेकिन बेहतर गोल डिफरेंस के आधार पर इंग्लिश टीम सीधे अंतिम 8 में पहुंच गई। इंग्लैंड का गोल डिफरेंस 9 का रहा, वहीं भारत का गोल डिफरेंस 4 का रहा। भारत ने अपने पहले मुकाबले में स्पेन को 2-0 से हराया था। इसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ भारत का मुकाबला 0-0 से ड्रॉ रहा था। आखिरी मैच में टीम इंडिया ने वेल्स को मात दी है। दूसरी ओर इंग्लैंड ने पहले मैच में वेल्स को 5-0 से हराया था। भारत के साथ ड्रॉ खेलने के बाद तीसरे मैच में इंग्लिश टीम ने स्पेन को 4-0 से हराया। टूर्नामेंट के फॉर्मेट के अनुसार चारों पूल में नंबर-1 पर रहने वाली टीम डायरेक्ट क्वार्टर फाइनल में पहुंचती है। वहीं, दूसरे और तीसरे नंबर पर रहने वाली टीमें क्रॉस ओवर मैच खेलती हैं।

### क्वार्टर्स में मैच का रोमांच

**पहला : कोई गोल नहीं आया, पेनल्टी भी नहीं मिली** - मैच की शुरुआत से ही भारतीय टीम ने विपक्षियों के गोल पोस्ट पर धावा बोला। एक दफा तो टीम इंडिया को सफलता मिल ही गई थी कि आखिरी मिनट में वेल्स के गोलकीपर ने 2 शानदार बचाव किए। पहले 15 मिनट में भारत को कोई पेनल्टी नहीं मिली। वेल्स का डिफेंस भी सराहनीय रहा।

**दूसरा : 2 पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन एक गोल आया** - भारतीय टीम ने दूसरे क्वार्टर की शुरुआत में भी हमले जारी रखे। इसका फायदा उसे 17वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर के रूप में मिला, लेकिन गोल नहीं हो सका। थोड़ी देर बाद मैच के 21वें मिनट में टीम इंडिया को बढ़त का एक और मौका मिला, लेकिन हमारे ड्रैग फ्लिकर एक बार फिर चूक गए। बॉल गोलकीपर से डिफ्लेक्ट होकर शमशेर के पास पहुंची, जिसे गोल में डालने में शमशेर ने कोई गलती नहीं की। इस क्वार्टर में यही एक गोल आया।

**तीसरा : वेल्स की जोरदार वापसी, स्कोर बराबर** - हाफ टाइम के बाद वेल्स को 31वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला। हालांकि मेहमान टीम बराबरी का गोल नहीं कर सकी। अगले ही मिनट में आकाशदीप सिंह ने मनदीप सिंह के पास पर शानदार फील्ड गोल किया। भारत को 32वें और 34वें मिनट में भी पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन गोल नहीं हो सका। 39वें मिनट में वेल्स के खिलाड़ी रोड्री फर्लांग को ग्रीन कॉर्ड (2 मिनट के लिए बाहर) मिला। फिर टीम इंडिया 40वें और 41 मिनट में भी एक पेनल्टी कॉर्नर चूक गई। यहां से मेहमान टीम ने जोरदार वापसी की। उसने 42वें और 44वें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर पर गोल दागे। पहले गारेथ फर्लांग और फिर जैकब ड्रैपर ने गोल कर स्कोर बराबर कर दिया।

**चौथा : 2 गोल आए, आकाशदीप का दूसरा गोल** - आखिरी क्वार्टर की शुरुआत में ही आकाशदीप सिंह ने फील्ड गोल कर भारत को 3-2 की बढ़त दिला दी। कुछ देर तक इसी स्कोर पर मैच चला। 55वें मिनट में रुपर्ट शिपर्ली को ग्रीन कॉर्ड मिला। फाइनल व्हीसिल से ठीक पहले 59वें मिनट में भारत को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला, इस बार कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने गोल करने में कोई गलती नहीं की और फाइनल स्कोर लाइन 4-2 रही।

**दोनों देशों के फुल स्क्वॉड**

**भारत :** हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), जरमनप्रीत सिंह, अभिषेक, सुरेंदर कुमार, मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, मनदीप सिंह, बहादुर कृष्ण पाठक, ललित कुमार उपाध्याय, संजय नीलम जेस, पीआर श्रीजेश, नीलकांत शर्मा, शमशेर सिंह, वरुण कुमार, कुमार पाल राज, आकाशदीप सिंह, अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, विवेक सागर प्रसाद और सुखजीत सिंह।

**वेल्स :** डेनियल किरियाकिडेस, लोन वॉल, जैकब ड्रैपर, लेविस प्रोसेर, रुपर्ट शिपर्ली, जेम्स कार्सन, रोड्री फर्लांग, स्टीफन कैली, डेल हचिंसन, राइस ब्रैडशॉ, गारेथ फर्लांग, जॉयलॉन मॉर्गन, जैक प्रिटचार्ड, हाइवेल जोंस, बेंजामिन फ्रांसिस, ल्यूक हॉकर, गारेथ ग्रिफिथ्स, राइस पाइन, फ्रेड न्यूबोल्ड, टॉबी कॉट्रिल रेनॉल्ड्स।

# 12 करोड़ लेकर ऑक्शन में उतरेंगी महिला आईपीएल की टीमें: मुंबई के 2 स्टेडियम में 5 टीमों के 22 मैच होंगे; चैंपियन को मिलेंगे 6 करोड़

**नई दिल्ली।**

महिला आईपीएल की ज्यादातर चीजें लगभग तय हो चुकी हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक महिला आईपीएल टीम को ऑक्शन में खिलाड़ी खरीदने के लिए 12 करोड़ रुपए का पर्स मिलेगा। हर साल पर्स में 1.5 करोड़ रुपए का इजाफा होगा। 25 जनवरी को 5 टीमों के नाम सामने के बाद ऑक्शन होगा। 5 टीमों के बीच कुल 22 मैच मुंबई के डीवाय पाटील और ब्रेबोर्न स्टेडियम में ही होंगे। वानखेड़े स्टेडियम को पुरुष आईपीएल के लिए तैयार किया जाएगा। वहीं, पहली बार होने वाले महिला आईपीएल के चैंपियन को 6 करोड़ रुपए मिलेंगे। हिला आईपीएल की एक टीम में 5 विदेशी खिलाड़ी खेल सकेंगी। टेस्ट प्लेइंग देशों से 4 और एक खिलाड़ी असोसिएट देश से रखना होगा। अगर असोसिएट देश की खिलाड़ी टीम में नहीं रहीं तो एक टीम में 4 ही विदेशी खिलाड़ी खेलेंगी। पुरुष आईपीएल की एक टीम में 4 विदेश खिलाड़ी खेल सकते हैं। इनमें असोसिएट देश के खिलाड़ियों का होना जरूरी नहीं है। महिला आईपीएल जीतने वाली टीम को 6 करोड़ रुपए, रनर-अप को 3 करोड़ और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम को 1 करोड़ रुपए मिलेंगे। इस तरह प्राइज मनी के रूप में कुल 10 करोड़ रुपए बांटे जाएंगे। 5 टीमों के टूर्नामेंट में 20 लीग मैच होंगे। हर टीम बाकी टीमों से 2-2 मैच खेलेगी। पॉइंट्स टेबल में टॉप पर रहने वाली टीम फाइनल में पहुंचेगी। पॉइंट्स टेबल में दूसरे और तीसरे नंबर की टीम एलिमिनेटर खेलेगी। एलिमिनेटर जीतने वाली टीम फाइनल में जाएगी और हारने वाली टीम तीसरे स्थान पर फिनिश करेगी। महिला आईपीएल की टोटल प्राइज मनी के मुकाबले पुरुष आईपीएल की प्राइज मनी 4.6 गुना तक कम है। पुरुष आईपीएल जीतने वाली टीम को 20 करोड़ और रनर-अप टीम को 13 करोड़ रुपए मिलते हैं। तीसरे और चौथे स्थान की टीमों की प्राइज मनी मिलाकर कुल रकम 46.5 करोड़ रुपए हो जाती है। महिला आईपीएल की टोटल प्राइज मनी 10 करोड़ रुपए है। 2023 से 2025 तक के विमेन आईपीएल का फॉर्मेट तय किया जा चुका है। 2026 के सीजन से विमेंस आईपीएल में 33-34 मैच होंगे। 2023 में टीमों को 13.5 करोड़ रुपए का पर्स मिलेगा।

# मेसी की पीएसजी ने रोनाल्डो की रियाद इलेवन को हराया, दोनों दिग्गजों ने दागे गोल

**रियाद ।**

लियोनल मेसी, किलियन एम्बाप्पे और नेमार जैसे स्टार खिलाड़ियों से भरी पेरिस सेंट जर्मन क्लब की टीम ने रियाद 11 को एक दोस्ताना मैच में हरा दिया। रियाद की टीम में क्रिस्टियानो रोनाल्डो एकमात्र बड़े खिलाड़ी थे। रोनाल्डो ने इस मैच में दो गोल किए, लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाए। वहीं, पीएसजी के लिए मेसी के अलावा एम्बाप्पे ने भी गोल किया और यह टीम जीत हासिल करने में सफल रही।

फीफा विश्व कप के बाद रोनाल्डो पहली बार मैदान में दिखे। विश्व कप के बाद रोनाल्डो ने सऊदी अरब के क्लब अल नस्र के साथ करार किया है। इस करार के बाद पहली बार मैदान पर उतरे। हालांकि, यह एक दोस्ताना मैच था।

रियाद 11 की टीम रोनाल्डो के क्लब अन नस्र और इसके चिर प्रतिद्वंद्वी क्लब अल हिलाल के खिलाड़ियों से मिलकर बनी थी। पीएसजी ने रोमांच से भरपूर मैच में रियाद 11 को 5-4 के अंतर से हराया। इस मैच में कुल नौ गोल हुए और एक खिलाड़ी को रेड कार्ड भी दिखाया गया। लियोनल मेसी और क्रिस्टियानो रोनाल्डो के अलावा किलियन एम्बाप्पे ने भी गोल किया। वहीं, नेमार पेनल्टी में गोल करने में नाकाम रहे।

रियाद 11 के लिए रोनाल्डो ने दो गोल किए।



एक गोल पेनल्टी के जरिए आया और दूसरा मैदानी गोल था। वहीं, पीएसजी के लिए मेसी ने एम्बाप्पे और नेमार को पेनल्टी के जरिए गोल करने का मौका दिया। एम्बाप्पे इसमें सफल रहे, लेकिन नेमार चूक गए। जुआन बर्नाट को 39वें मिनट में लास्ट-मैन फाउल के लिए बाहर भेज दिया गया, इससे पीएसजी की टीम कमजोर हुई, लेकिन मैच जीतने में सफल रही।

इस मैच में रोनाल्डो और मेसी दोनों स्टार खिलाड़ियों ने गोल किए। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि इन दोनों दिग्गजों के फैंस को आने वाले मैचों में और भी बेहतरीन प्रदर्शन देखने को मिलेगा।

इस मैच में पीएसजी ने पहले हाफ में दो और दूसरे में तीन गोल किए। वहीं, रियाद की टीम दोनों हाफ में दो-दो गोल ही कर पाई और मैच हार गई।

# गावस्कर का सवाल-300 रन मारने वाला अनफिट कैसे: सरफराज को ना चुनने पर सिलेक्टर्स से कहा- स्लिम क्रिकेटर चाहिए तो फैशन शो में जाइए

**नई दिल्ली।**

पूर्व दिग्गज क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने मुंबई के क्रिकेटर सरफराज खान के टीम इंडिया में सेलेक्ट नहीं होने पर गुस्सा जाहिर किया। उन्होंने चेतन शर्मा की सेलेक्शन कमेटी को लताड़ लगाते हुए कहा कि आपको टीम में स्लिम-ट्रिम क्रिकेटर चाहिए तो फैशन शो जाइए और वहां से लेकर आइए। उनके लिए तो सरफराज पूरी तरह फिट हैं। अगर वे अनफिट होते तो तिहरा शतक नहीं मार पाते। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारतीय टेस्ट टीम में सरफराज का सेलेक्शन नहीं हुआ। मीडिया रिपोर्ट्स में बातें सामनें आईं कि फिटनेस के कारण सरफराज को साइडलाइन किया गया। वहीं, ऋषभ पंत की गैरमौजूदगी में सूर्यकुमार यादव और ईशान किशन जैसे अटैकिंग बैटर को टीम में चुना गया। इस पर गावस्कर बोले, किसी खिलाड़ी का सेलेक्शन शरीर या कद-काठी देखकर नहीं होना चाहिए। अगर कोई खिलाड़ी लगातार 3 रणजी सीजन में 100 से ज्यादा की औसत से 900 रन बना रहा हो तो वो अनफिट नहीं हो सकता है। मेरे लिए सरफराज पूरी तरह फिट हैं। उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टीम इंडिया के स्क्वॉड में होना ही चाहिए। गावस्कर ने कहा, अगर खिलाड़ी अनफिट हैं

तो वह दिन के आखिरी में शतक ही पूरा नहीं कर पाएगा। सरफराज ने तो तिहरा शतक मार रखा है। बीसीसीआई ने यो-यो टेस्ट को फिटनेस का पैमाना बना रखा है। शतक लगाने के बाद भी सरफराज फील्डिंग करने आता है। वो साबित करता है कि क्रिकेट के लिए वह कितना फिट है। गावस्कर यहीं नहीं रुके, उन्होंने आगे कहा कि बीसीसीआई सेलेक्शन कमेटी को अगर स्लिम और ट्रिम लड़के ही चाहिए। तो फिर उन्हें फैशन शो में जाकर कुछ मॉडल सेलेक्ट करने चाहिए और उन्हें बैट-बॉल थमाकर क्रिकेट खिलाना चाहिए। उन्हें ही टीम में भी शामिल करना चाहिए। आपके पास सभी शेप और साइज के क्रिकेटर हैं, उस पर मत जाइए। रन बनाने और विकेट लेने की क्षमता पर टीम सेलेक्शन कीजिए। सरफराज खान 2019 के रणजी ट्रॉफी सीजन से मुंबई के लिए फर्स्ट क्लास क्रिकेट में रन बना रहे हैं। उस सीजन के 6 मैचों में उन्होंने 154.66 की औसत से 928 रन बनाए थे। इनमें 3 शतक और 2 फिफ्टी भी आई थीं। इस दौरान उनके बैट से 301 रन की पारी भी निकली थी। 2020-21 का रणजी सीजन कोविड-19 महामारी के चलते नहीं हो सका था। 2021-22 सीजन में रणजी ट्रॉफी लौटते ही सरफराज ने फिर रनों का अंबार लगा दिया। सीजन के 6 मैचों में उन्होंने इस बार 122.75 की औसत से 982 रन बना डाले। उनके दम पर टीम फाइनल तक पहुंची। मुंबई तो फाइनल हार गई, लेकिन सरफराज खान को प्लेयर ऑफ द सीजन चुना गया। सरफराज खान ने इंडिया-ए के लिए अब तक 4 मैच खेले हैं। इनकी 7 पारियों में उन्होंने 34.16 की औसत से 205 रन बनाए हैं। उनके बैट से 2 फिफ्टी आईं और उन्होंने बॉलिंग से 5 विकेट भी लिए। पिछले दिनों बांग्लादेश के खिलाफ ए सीरीज में वे कुछ खास नहीं कर सके थे।

हॉकी का हब बना ओडिशा

# भारत में होने वाले तमाम टूर्नामेंट इसी राज्य में क्यों हॉकी इंडिया के प्रेसिडेंट ने बताई वजह

**भुवनेश्वर।**

ओडिशा दुनिया भर में हॉकी का हब बन रहा है। अभी भुवनेश्वर और राउरकेला में 15वां वर्ल्ड कप हो रहा है। 2018 में 14वां वर्ल्ड कप भुवनेश्वर में ही हुआ था। इससे पहले चैंपियंस लीग, वर्ल्ड लीग, ओलिंपिक क्वालिफायर, प्रो लीग जैसे टूर्नामेंट ओडिशा में आयोजित हुए हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि अंतरराष्ट्रीय हॉकी संघ के लगभग तमाम बड़े इंटरनेशनल टूर्नामेंट ओडिशा में ही क्यों हो रहे हैं हॉकी इंडिया के प्रेसिडेंट दिलीप तिर्की और खेल के कुछ एक्सपर्ट से बात की। इन लोगों ने जो कारण बताए हैं वह इस स्टोरी में जानेंगे। साथ ही राज्य में इस खेल से जुड़ी सुविधाओं के लगातार विस्तार को भी समझने की कोशिश करेंगे। हॉकी का कोई बड़ा टूर्नामेंट आम तौर पर एक ही शहर में आयोजित होता है। इस बार वर्ल्ड कप के मुकाबले जरूर दो शहरों में हुए हैं, लेकिन अक्सर कोशिश होती है कि एक टूर्नामेंट के सारे मैच एक ही शहर में कराए जाएं। इससे टूर्नामेंट के दौरान खिलाड़ियों को मूव कराने में होने

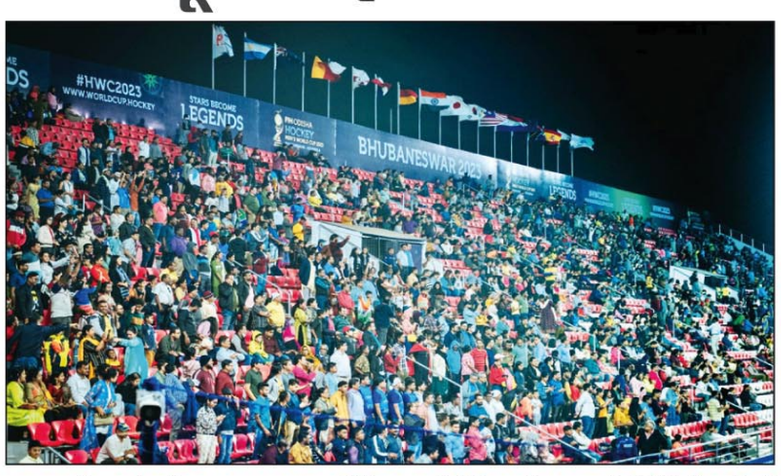


वाला खर्च कम होता है। अलग-अलग शहरों में आयोजन से लॉजिस्टिक्स की समस्या आती है। जब टूर्नामेंट एक ही शहर में होगा तो इसके लिए जरूरी है कि वहां बहुत सारी टीमों के खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ को ठहराने का इंतजाम हो। यानी अच्छे होटल मौजूद हों। इसके अलावा यह भी देखा जाता है कि जिस शहर में इवेंट हो रहा है वहां के दर्शक खेल से लगाव रखते हों, ताकि वे स्टेडियम में जाकर मैच देखें। सबसे बड़ी जरूरत यह होती है कि स्थानीय सरकार और प्रशासन का रुख टूर्नामेंट फ्रेंडली हो। भुवनेश्वर एफआईएच की इन तमाम जरूरतों को पूरा करता है। खिलाड़ियों को ठहराने के लिए कई होटल और हॉस्टल हैं। स्थानीय लोग खेल में खूब रुचि रखते हैं और बड़ी संख्या में टिकट खरीदकर मैच देखने जाते हैं। शहर में रिहैब सेंटर भी है। अगर कोई खिलाड़ी टूर्नामेंट के दौरान चोटिल होता है तो उसके ट्रीटमेंट का अच्छा इंतजाम है।

स्थानीय सरकार खुद हॉकी को प्रोमोट करती है। यह भारतीय टीम की स्पॉन्सर तो है ही, 2018 में इसने वर्ल्ड कप को भी स्पॉन्सर किया था। यहां का कलिंगा स्टेडियम विश्व के सर्वश्रेष्ठ हॉकी फैसिलिटीज में एक है। भुवनेश्वर का मल्टिपर्पस कलिंगा इंटरनेशनल स्टेडियम 2010 में बनकर तैयार हुआ था। हॉकी के अलावा यहां एथलेटिक्स ट्रैक, फुटबॉल अरिना, टेनिस कोर्ट, बास्केटबॉल कोर्ट, टेबल-टेनिस, स्विमिंग और रग्बी फील्ड भी हैं। यहां के हॉकी एस्ट्रोटर्फ की गिनती दुनिया के सर्वश्रेष्ठ सिंथैटिक टर्फ में से एक के तौर पर होती है। विशेषज्ञ यहां तक दावा करते हैं कि भविष्य में कभी भारत में ओलिंपिक गेम्स आयोजित हुए तो मुमकिन है कि हॉकी के मुकाबले भुवनेश्वर में खेले जाएं। जैसा कि आप ऊपर पढ़ चुके हैं कि इस बार वर्ल्ड कप के मुकाबले भुवनेश्वर के साथ-साथ ओडिशा के ही राउरकेला में मौजूद बिरसा मुंडा स्टेडियम में भी हुए हैं। भविष्य में कुछ टूर्नामेंट ऐसे भी होंगे जिसके सारे मैच राउरकेला में खेले जाएं। 46 एकड़ में फैले इस स्टेडियम में 20 हजार दर्शकों के बैठने की सुविधा है। यहां का एयरपोर्ट भी स्टेडियम कैम्पस से ही जुड़ा हुआ है। ऐसे में खिलाड़ियों को एयरपोर्ट से स्टेडियम तक पहुंचने के दौरान शहर के ट्रैफिक का सामना नहीं करना पड़ता। इस स्टेडियम में स्विमिंग पूल, आधुनिक मशीनों से लैस जिम और खिलाड़ियों के लिए हॉस्टल भी है। फाइव स्टार होटल के साथ यहां टीमों की प्रैक्टिस के लिए 5 एस्ट्रोटर्फ मौजूद हैं।

बच्चों के शरीर का विकास उनके खानपान पर निर्भर करता है। बच्चे के शारीरिक विकास के साथ उसके दिमाग का विकास भी स्वस्थ और पौष्टिक आहार पर निर्भर करता है। यदि बच्चे के आहार में दिमाग के विकास के लिए जरूरी सभी पौष्टिक तत्व हैं तो उसके दिमाग का विकास भी तेजी से होता है। सामान्यतया व्यक्ति के दिमाग का पूर्ण विकास 5 साल की उम्र तक हो जाता है। ऐसे में उसके खानपान का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

# बच्चे के दिमागी विकास के लिए आहार

**अपने** बच्चों को ऐसा आहार दीजिए जिससे उनका दिमाग तेज बने। इसलिए बच्चे के डायट चार्ट में जरूरी प्रोटीन, कार्ब और फैटी एसिड वाला आहार शामिल कीजिए। इससे बच्चे का शरीर और दिमाग में ऊर्जा का स्तर बना रहता है और बच्चे की सोचने और समझने की छमता बेहतर होती है।

## क्या कहता है शोध?

बच्चों के दिमागी विकास के लिए किए गए एक शोध में यह बात सामने आई है कि मां के खानपान का असर बच्चे के दिमाग पर पड़ता है। यदि मां ने गर्भावस्था के दौरान ओमेगा-3 फैटी एसिड युक्त आहार का अधिक सेवन किया है तो बच्चे का दिमाग तेज होता है। अमेरिकन एकेडमी ऑफ पेड्रियाटिक और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ चाइल्ड एंड ह्यूमन डेवेलपमेंट और सेंट्रल फॉर डिजीज कंट्रोल द्वारा संयुक्त रूप से कराए गए इस शोध के अनुसार, ओमेगा-3 फैटी एसिड मैकेरेल, टुना, सारडाइंस और सालमल मछलियों में अधिक होता है, इसलिए बच्चे के स्वस्थ और तेज दिमाग के लिए मां को गर्भावस्था को इनका सेवन करना चाहिए। इसके अलावा हरी सब्जियों में ओमेगा-3 फैटी एसिड होता है।

## हरी सब्जियां

बच्चे के दिमाग के विकास के लिए उसे हरी और पत्तेदार सब्जियां खिलाइए। बच्चे को आप 6 महीने के बाद ठोस आहार दे सकते हैं, इसलिए 6 महीने के बाद आप उसके खाने में पालक, पत्तागोभी आदि शामिल कीजिए। हरी और पत्तेदार सब्जियों में ओमेगा-3 फैटी एसिड भी पाया जाता है जो दिमाग के विकास के लिए जरूरी है।

## अखरोट खिलाइए

अखरोट खाने से दिमाग तेज होता है, इसे आप अपने बच्चे को खिला सकते हैं। अखरोट को सुबह के नाश्ते, दिन में स्नैक्स आदि के साथ दे सकते हैं। अखरोट में ओमेगा-3 फैटी एसिड के अलावा फाइबर, विटामिन बी, मैग्नीशियम और एंटी ऑक्सीडेंट्स अधिक मात्रा में होते हैं। इसलिए बच्चे के डायट चार्ट में इसे जरूर शामिल कीजिए। इसके अलावा बच्चे को सूखे मेवे जैसे - किशमिश, बादाम आदि दे सकते हैं।

## मछली खिलाइए

9 महीने के बाद आप बच्चे को मांस और मछली खिला सकते हैं। बच्चों के दिमाग के पूर्ण विकास के लिए मछली का सेवन कराइए। इसमें ओमेगा-3 फैटी एसिड होता है। समुद्री मछलियों जैसे - मैकेरेल, टुना, सारडाइंस और सालमल आदि में ओमेगा-3 फैटी एसिड भरपूर मात्रा में पाया जाता है। इसलिए मां को गर्भावस्था के दौरान ही इनका सेवन करना चाहिए और बढ़ते बच्चे को भी इसे खिलाना चाहिए।

## दूध और दही

बच्चों के दिमागी विकास के लिए दूध और दही दीजिए। दही दिमाग के सेल्स को लचीला बनाता है और इससे सिग्नल लेने और उस पर तुरंत प्रतिक्रिया करने की छमता बढ़ती है। फैट फ्री मिल्क प्रोटीन, विटामिन डी और फॉस्फोरस का भंडार होता है, जो दिमाग के लिए जरूरी है। बच्चों को फास्ट फूड और जंक फूड बिल्कुल मत दीजिए, इसमें दिमाग के विकास के लिए जरूरी पौष्टिक तत्व नहीं होते हैं। बच्चों का डाय चार्ट बनाते वक्त चिकित्सक से सलाह अवश्य लीजिए।

## वजन बढ़ाने का तरीका

वजन बढ़ाने के लिए सबसे पहले तो आपका फिट रहना जरूरी है। वजन बढ़ाना चाहते हैं इसका ये अर्थ नहीं कि आप फिजीकली बिल्कुल भी सक्रिय नहीं होंगे। व्यायाम और एक्सरसाइज करना तब भी जरूरी होगा। वजन बढ़ाने के लिए बढ़िया उपाय है आप हाई कैलोरी का खाना खाएं। उन खाद्य पदार्थों का सेवन ज्यादा करें जिनमें कैलोरी की मात्रा अधिक हो। लेकिन इसका ये अर्थ नहीं कि आप जंकफूड भारी मात्रा में खाने लगे।

# योग से करें नकारात्मक विचारों को काबू

जिसमें भय, राग, द्वेष, सेक्स आदि हो तो वह घटना या विचार हमारे दिमाग में सीधे जाते हैं और उनकी याद लंबे दिनों तक रहती है। इस बारे में हम अधिक सोचते हैं और इसके कारण आहत भी होते हैं तो यह हमारी मानसिक भावना को बेकाबू भी कर लेती है।

**मानसिक** विकार हमारे आसपास के माहौल के कारण ही पनपते हैं और हमारे साथ जो भी घटनाएं घटती हैं उनके परिणामस्वरूप ही मन में नकारात्मक विचार आते हैं। नकारात्मक विचारों के लिए सबसे अधिक जिम्मेदार लालच, निर्दयता, बल प्रयोग, ईर्ष्या, उत्पीड़न एवं शोषण आदि हैं। इन नकारात्मक विचारों के कारण ही व्यक्ति असंतोष से भर उठता है एवं उसके दिमाग में प्रतिक्रियावादी विचार, असंतोष, बदले की भावना आदि पनपने लगती है। योग के जरिए मन में आने वाले इन विचारों को काबू किया जा सकता है। यह लेख आपको बताएगा कि कैसे योग के जरिए मानसिक विकारों पर काबू पाया जा सकता है।

## क्यों आते हैं नकारात्मक विचार

वैज्ञानिक कहते हैं मनुष्य के दिमाग में 24 घंटे में लगभग हजारों तरह के विचार आते हैं। उनमें से ज्यादातर नकारात्मक होते हैं। नकारात्मक विचार इसलिए अधिक होते हैं कि जब हम कोई नकारात्मक घटना देखते हैं

## योग कैसे करता है असर

योग के जरिए दिमाग से नकारात्मक विचारों को दूर किया जा सकता है। यह मन को शांत अवस्था में लाता है और हमारे मन में ऐसे विचार पैदा करता है जो दूसरों को हानि पहुंचानो की बजाय फायदा पहुंचाते हैं। योगासन हमारे शरीर के साथ हमारी इंद्रियों को भी शांति और सुकून प्रदान करता है, योग करके मन शांत हो जाता है। अगर आपके मन में नकारात्मक विचार आ रहे हैं तो सुबह के वक्त समय निकालें और योगासन करें।

## ये आसन हैं फायदेमंद

कुछ आसन हैं जो नकारात्मक विचारों को दूर करने में मददगार हैं। इन्हें करने के लिए घुटनों को सीधा रखते हुए सीधे खड़े हो जाइए, फिर झुकते हुए एड़ी के पीछे पांवों के पास जमीन पर हथेलियां टिकाएं। यदि हथेलियों से जमीन छूने में असमर्थ हैं तो घुटनों को की छुएं। सिर को ऊंचा करने की कोशिश करें और पीठ को खींचिए। इसी स्थिति में रहते हुए सांस लें। 5 सेकेंड तक इस मुद्रा में रहें, फिर सांस खींचते हुए तड़ासन की स्थिति में आएं। इस आसन को दो-तीन बार दोहराएं।

यह आसन तनाव और गुस्से को भी दूर करने में कारगर है। इसके अलावा यह आसन लीवर, स्प्लीन और किडनी को भी स्वस्थ रखता है। इससे ब्लडप्रेशर सामान्य रहता है और हृदय के रोग नहीं होते। नकारात्मक विचार आने पर शांत रहने की कोशिश करें। भरपूर नींद लें और तनाव से बचें, सुबह के वक्त योग करें और नकारात्मक विचारों को दूर करें।

# गलत तरीका छीन सकता है आंखों की रोशनी

**आईलाइनर** आंखों की खूबसूरती में चार चांद लगा देता है। छोटी आंखें भी आईलाइनर लगा लेने भरी से और खूबसूरत लगने लगती हैं। लेकिन इसे लगाने का भी एक सही तरीका होता है। लगत तरीके से आईलाइनर नगाने से न सिर्फ मेकअप खराब होता है, बल्कि आपकी आंखों को काफी नुकसान पंहुचा सकता है। आई एंड कांटेक्ट लेंस जर्नल में प्रकाशित एक नए शोध के अनुसार यदि लैश लाइन की रेखा के भीतर आईलाइनर लगाया जाए तो ये नजर को धुंधला कर सकता है तथा इस्की नेत्र रोग भी पैदा कर सकता है। जानें कि आईलाइनर लगाने का गलत तरीका आंखों के लिए कितना घातक हो सकता है। एक नए शोध में चेतावनी दी गई कि आंखों की पलकों के भीतर और बाहर लगाया जाने वाला आईलाइनर आंखों की रोशनी को नाकारत्मक रूप से प्रभावित कर सकता है। यह इस तरह का पहला अध्ययन है जो ये बताता है कि पेंसिल आइलाइनर लगाते वक्त इसके कण आंखों में चले जाते हैं।

शोधकर्ताओं ने इस अध्ययन को करने के लिए वीडयो रिकॉर्डिंग की मदद ली। पहले तो उन्होंने कई प्रकार से मेकअप किया और फिर तुलना करके देखा कि आइलाइनर के कण कितनी मात्रा में आंखों की आसुओं वाली झिल्ली पर पहुंचते हैं। दरअसल अश्रु झिल्ली आंखों पर एक पतली परत के रूप में मौजूद होती है जो आंखों की रक्षा करती है। डॉक्टर के अनुसार, 'हमने अध्ययन के दौरान पाया कि मेकअप करने से आंखों में आईलाइनर के कण चले जाते हैं और जब आईलाइनर को आंख की पलकों की भीतर लगाया जाता है तो ये ज्यादा तेजी से आंख के भीतर जाते हैं।' इस अध्ययन में हर प्रतिभागी ने पहले पलकों के बाहर की तरफ चमकने वाले (ग्लिटर) आइलाइनर को लगाया और फिर बाद में आंख से ज्यादा नजदीक रहने वाली पलकों की अंदरूनी ओर इसे लगाया। विजन वैज्ञानिकों ने पाया कि आंखों के भीतर की ओर आइलाइनर लगाने पर पांच मिनट के अंदर ही 15 से 30 प्रतिशत ज्यादा कण आंखों की अश्रु झिल्ली पर पहुंच गए। गौरतलब है कि यह शोध आई एंव कांटेक्ट लैंस साइंस एंड क्लीनिकल प्रैक्टिस जर्नल में प्रकाशित हुआ।

## आंखों को साफ पानी से धोते रहें

आंखों की कोशिकाओं और रेटिना को मजबूती प्रदान करने में ल्युटेन आदि तत्वों की अहम भूमिका होती है। हरी सब्जियों और फलों में यह तत्व भरपूर मात्र में पाए जाते हैं। आंखों के स्वास्थ्य के लिए हरी सब्जियों, फलों के साथ डेयरी उत्पाद भी पर्याप्त मात्र में खाएं।

- आंखों में नमी बनाए रखने के लिए पानी और जूस का अधिक सेवन करें।
- आंखों में काजल, सुरमा आदि न लगाएं। इनमें कार्बन के कण होते हैं, जो कॉर्निया और कंजक्टाइवा पर खरोंच डाल सकते हैं।
- दिन में दो-तीन बार आंखों को साफ पानी से धोना चाहिए।
- आंखों को जोर-जोर से न रगड़ें। रोजाना आंखों और पलकों पर छोटे ब्रश से ब्रश करें।
- देर रात तक कृत्रिम रोशनी में काम न करें।
- ग्रीन टी में केटेचिन्स नामक एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो आंखों की रक्षा करते हैं।
- कंप्यूटर की स्क्रीन को अपनी आंखों से 20-30 इंच दूर रखें, जबकि टीवी को कम से कम 3.5 मीटर दूर से देखना चाहिए।
- कंप्यूटर को इस प्रकार व्यवस्थित करें कि उसका टेक्स्ट लेवल आंखों के लेवल पर हो।
- छह से आठ घंटे की आरामदायक नींद लें। ये आपकी आंखों को प्राकृतिक तरीके से तरोताजा रखने में मदद करती है।

## इन लक्षणों को नजरअंदाज न करें

- आंखों या सिर में भारीपन और धुंधला दिखाई देना
- आंखें लाल होना और उनसे पानी आना
- आंखों में खुजली होना।
- रंगों का साफ दिखाई न देना।
- लगातार सिरदर्द की शिकायत रहना और आंखों में थकावट होना

## रेसिपी

### बादाम का हलवा

**सामग्री**

1 कप बादाम, 1/2 कप घी, 3/4 कप दूध, 1 टेबल-स्पून गेहूं का आटा, 3/4 कप शक्कर, थोड़ा केसर, 1/2 टी-स्पून इलायची पाउडर, सजाने के लिए: 2 टेबल-स्पून बादाम कतरन

**विधि**

एक गहरे बाउल में बादाम में जरूरत मात्रा में पानी डालकर, 8 घंटे के लिए भिगो दें। बादाम को बिना पानी या दूध का प्रयोग किए, मिक्सर में पीसकर दरदरा मिश्रण बना लें। एक गहरी नॉन-स्टिक कढ़ाई में घी गरम करें, बादाम का मिश्रण डालकर मिला लें और बीच-बीच में हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 7 मिनट तक पका लें। एक गहरे पैन में दूध और 1/2 कप पानी को मिलाकर 3 से 4 मिनट तक उबाल लें। बादाम के मिश्रण में गेहूं का आटा डालकर मिला ले और मध्यम आंच पर, लगातार हिलाते हुए 2 मिनट तक पका लें। दूध-पानी का मिश्रण डालकर मिला लें और मध्यम आंच पर, लगातार हिलाते हुए 5 मिनट तक पका लें। शक्कर डालकर मिला लें और मध्यम आंच पर, लगातार हिलाते हुए 1 से 2 मिनट तक पका लें। केसर डालकर मिला ले और मध्यम आंच पर, लगातार हिलाते हुए 1 मिनट तक पका लें। आंच से हठाकर, इलायची पाउडर डालक मिला लें। बादाम कतरन से सजाकर गुनगुने तापमान पर परोसें।

### मूंग दाल ढ़ोकला

**सामग्री**

1 कप हरी मूंग दाल , 2 घंटो के लिए भिगोकर छानी हुई, 1 टेबल-स्पून कटी हुई हरी मिर्च, 2 टी-स्पून बेसन, 2 टेबल-स्पून कटी हुई पत्तागभी, 2 टेबल-स्पून बारीक कटे हुए गाजर, 1/2 टेबल-स्पून लो-फैट दही, एक चुटकी हींग, नमक स्वादअनुसार, 1/2 टी-स्पून फ्रूट सॉल्ट, परोसने के लिए: हेल्दी ग्रीन चटनी

**विधि**

मूंग दाल, हरी मिर्च और 5 टेबल-स्पून पानी को मिलाकर, मिक्सर में पीसकर मुलायम पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को बाउल में निकाल लें, फ्रूट सॉल्ट छोड़कर, बची हुई सामग्री डालकर अच्छी तरह मिला लें। स्टीम करने से तुरंत पहले, फ्रूट सॉल्ट डालकर 2 टी-स्पून पानी छिड़के। जब बुलबुले बनने लगे, हल्के हाथों मिला लें। इस मिश्रण को चुपड़ी हुई 175 मिमी। (7) व्यास की थाली में डालकर, 10 मिनट तक स्टीमर में स्टीम कर लें। टुकड़ो में काटकर हल्का ठंडा करने रख दें। हेल्दी ग्रीन चटनी के साथ तुरंत परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
**संपादक : राकेश शर्मा,** मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 ( संपादकीय )** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **( सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन )**